RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 April 2018

अंक – 10 (मासिक) वर्ष – 13 अप्रैल 2018 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

शिखर पर सांझी दुनिया

युवा शिक्षा रत्नों का सम्मान

गणगौर से की सौभाग्य की कामना

पहली बार श्रमिकों के लिये ऐतिहासिक योजनाएं

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

योजनाओं के लाभ के लिये श्रमिकों का पंजीयन 1 अप्रैल से

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

- गर्भवती श्रमिक महिलाओं को पोषण आहार के लिये 4 हजार रुपये। प्रसव होने पर महिला के खाते में 12 हजार 500 रुपये जमा किये जायेंगे।
- घर के मुखिया श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर परिवार को दो लाख तथा दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख रुपये की सहायता।
- श्रमिक को मृत्यु पर अंतिम संस्कार के लिये पंचायत/नगरीय निकाय से 5 हजार रुपये की नगद सहायता।
- गंभीर बीमारी से ग्रस्त श्रमिकों के लिए प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था। जरूरी होने पर बड़े शहरों में भी इलाज का इंतजाम।
- हर श्रमिक को मकान। तीन साल के अंदर यह काम पूरा होगा। शहरों में श्रमिकों को पक्के मकान। गांवों में श्रमिक परिवारों को भूमि के पट्टे और पक्का मकान बनाने के लिये राशि।
- श्रमिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिये भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में पब्लिक स्कूल की तर्ज पर श्रमोदय विद्यालय।
- श्रमिकों के बच्चों की पहली कक्षा से लेकर डाक्टरेट तक पूरी पढ़ाई की फीस सरकार भरेगी। इसमें इंजीनियरिंग, मेडीकल तथा नामचीन प्रबंधन संस्थान भी शामिल होंगे।
- प्रतिष्ठित सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये असंगठित श्रमिकों के प्रतिभावान बच्चों को बेहतरीन संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग।
- स्वयं का रोजगार स्थापित करने वाले श्रमिकों को एक वर्ष का प्रशिक्षण और बैंक ऋण। ऋण पर सब्सिडी और ऋण की गारंटी सरकार द्वारा।
- हर साल एक लाख श्रमिकों को स्वरोजगार के लिए ऋण।
- श्रमिकों को स्वरोजगार के लिये प्रशिक्षण, ऋण पर सब्सिडी। ऋण की गारंटी सरकार लेगी।
- छोटे-मोटे कामधंधों में लगे श्रमिकों के लिए लघु अवधि प्रशिक्षण केन्द्र। इनमें अकुशल श्रमिक बनाये जायेंगे कुशल।
- साइकिल-रिक्शा चलाने वालों को ई-रिक्शा और हाथठेला चलाने वाले को ई-लोडर का मालिक बनाने की पहल। 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ 30 हजार की सब्सिडी दी जायेगी।
- शहरों में छोटे-मोटे काम करने वालों को साइकिल के लिये चार हजार रुपये की सहायता।
- असंगठित श्रमिक परिवारों को बिजली कनेक्शन। उनसे 200 रुपये मासिक फ्लैट रेट पर बिजली।
- तेंदूपत्ता तोड़ने, महुआ के फूल एवं चिरौंजी बीनने वाली श्रमिक बहनों को चरण पादुका योजना के तहत जूते-चप्पल और प्यास बुझाने के लिये ठण्डे पानी की कुप्पी।

> आर्थिक असुरक्षा से जूझते असंगठित श्रमिक बहनो, भाइयो की बेहतरी के लिए हम संकल्पित हैं। उन्हें आर्थिक विकास के साथ ही सामाजिक बेहतरी, उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा तथा अन्य सुविधाएं देने के लिए योजनाओं पर प्रभावी अमल किया जा रहा है।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिये पंजीयन अवश्य करायें।
पोर्टल
shramsewa.mp.gov.in
पर पंजीयन करवाएं।

असंगठित श्रमिक कौन?

कृषि मजदूर, घरों में काम करने वाले, फेरी लगाने वाले दुग्ध श्रमिक, मछली पालन श्रमिक, पत्थर तोड़ने वाले, पक्की ईंट बनाने वाले, बाजारों में दुकानों पर काम करने वाले, गोदामों में काम करने वाले, परिवहन, हाथकरघा, पावरलूम, रंगाई-छपाई, सिलाई, अगरबत्ती बनाने वाले, चमड़े की वस्तुएँ और जूते बनाने वाले, ऑटो-रिक्शा चालक, आटा, तेल, दाल तथा चावल मिलों में काम करने वाले, लकड़ी का काम करने वाले, बर्तन बनाने वाले, कारीगर, लुहार, बढ़ई तथा माचिस एवं आतिशबाजी उद्योग में लगे श्रमिक।

श्रमिक जो असंगठित, सुरक्षित उनके भी हित

/CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh

D83154

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-10 ▸▸ अप्रैल 2018 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
श्रीमती पुष्पा मूंदड़ा (कोलकाता)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ **PNB A/c. No. : 0459002100043471**
IFSC- PUNB0045900
■ **ICICI A/c. No. : 030005001198**
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समस्त मातृशक्ति को श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार का नमन्

विचार क्रान्ति

अहंकारी का अन्त

विवेक चौरसिया

मानवता के इतिहास में रावण से भी बड़ा दुष्ट और अहंकारी हिरण्यकशिपु हुआ है। इस दैत्यराज का नाम आपने होलिका और प्रह्लाद की कथा में सुना होगा। भक्त प्रह्लाद का यह अभक्त पिता परम् पराक्रमी और वरदान से सम्पन्न होने के बावजूद मारा गया।

इसलिए कि साहब अहंकार किसी का नहीं चलता। जिसने अपने आपको ही सब कुछ माना और बाकी को कुछ नहीं, बस जल्द ही खत्म हो जाता है। विश्वास न हो तो श्रीमद्भागवत महापुराण के सातवें स्कंध में दैत्यपति हिरण्यकशिपु की कथा पढ़िए। विष्णु के हाथों अपने भाई हिरण्याक्ष की मौत के बाद बदला लेने के लिए हिरण्यकशिपु ने मन्दरांचल की एक घाटी में जाकर दारुण तप से ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया।

उसने ब्रह्मा से वर मांगा कि उनके बनाए किसी प्राणी मनुष्य हो या पशु, देवता हो या दैत्य, प्राणी हो या अप्राणी किसी से भी मेरी मृत्यु न हो। इतना ही नहीं, दिन में, रात में, अस्त्र से, शस्त्र से, पृथ्वी में या आकाश में भी मेरी मृत्यु न हो। युद्ध में कोई मेरा सामना न कर सके। मै समस्त प्राणियों का एकछत्र सम्राट होऊँ और वह हो गया। उसके तप के आगे ब्रह्मा सिवाय तथास्तु के कुछ न कह सकें। फिर क्या था, हिरण्यकशिपु ने हाहाकार मचा दिया। अंततः विष्णु 'नृसिंह' बन प्रगटे और अहंकारी को मार दिया, जो मारे न मर सकता था, जब वह मर गया तब आप-हम क्या है।

सार यह कि अहंकार अनियंत्रित बना देता है। सबके साथ समभाव और परस्पर सहयोग रामत्व है और केवल एकाधिकार की जिद रावणत्व।

अक्षय की कामना

पर्व-त्योहारों के माध्यम से जीवन जीने का तरीका सिखाने वाली भारतीय संस्कृति का एक पर्व 'अक्षय तृतीया' है। अक्षय यानी जिसका कभी अंत न हो। यही कारण है कि इसे अबूझ मुहूर्त भी माना गया है और इसी दिन पाणिग्रहण संस्कार की सबसे ज्यादा शुभता मानी जाती है। इस कामना के साथ कि यह जो बंधन हुआ है, यह इतना शुभ हो कि कभी विलग न हो। संस्कृति में इसके प्रतीक के तौर पर वटवृक्ष को रखा जो किसी उम्र के बंधन में नहीं है। अक्षय की कामना हम हर स्तर पर करते हैं, भले वह जीवन हो या संपत्ति।

इस अक्षय की भावना का एक पक्ष हमारे भीतर है तो दूसरा बाहर भी। हम भगवान से अपने जीवन और समृद्धि की अक्षयता तो मांगते हैं, लेकिन प्रकृति के लिए हमारे प्रयास लघु हो जाते हैं। जबकि सनातन सत्य यही है कि अक्षयता के लिए जीवन और प्रकृति के बीच सांमजस्य अत्यंत जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग का अलार्म बज रहा है तो इसके पीछे प्रकृति के साथ पुरुष के तालमेल की अनदेखी ही है। यदि विश्व भारतीय संस्कृति के इस सिद्धांत को मान ले तो विश्व के अक्षय की प्रार्थना स्वीकार हो जाएगी। इस पर्व पर हमें संकल्प लेना होगा कि विश्व को सुरक्षित रखने के लिए हम अपने स्तर पर प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी बढ़ाकर इस सांस्कृतिक मूल्य बोध को अक्षय रखेंगे। श्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा भी इस संदेश को अपनी कार्यसूची में शामिल करे तो हमारा समाज इस अभियान का झंडाबरदार हो सकता है। इति।

बात महासभा की निकली है, तो पाठकों को यह बता देने की जिम्मेदारी निभा लूं कि हमने महासभा के कार्यकाल को लेकर समाजजनों से जो प्रतिक्रिया मांगी थी, इसी कड़ी में अनेक समाजजनों ने अपनी भावनाएं प्रेषित की हैं। इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर आए कुछ कमेंट्स यह अहसास कराते दिखे कि हमने फोड़े को दबाया, तो मवाद बह निकला। यह भी उपचार की विधि है। मवाद बह जाए तो जख्म जल्दी ठीक हो जाता है। महासभा के मौजूदा कर्णधारों ने अंततः यह माना महासभा के कामकाज की समीक्षा होना चाहिए। यही लोकतंत्र है। बस समझने वाली बात यही है कि महासभा सबकी बनी रहे, किसी की बपौती नहीं। इसके अक्षय को यदि कोई नुकसान पहुँचाता है तो अक्षम्य अपराध के दंड का भागी है। फैसला तो समाज को ही करना है।

यह अंक समाज की अक्षय निधि महिलाओं को समर्पित है। आप पाएंगे हमारी सांझी दुनिया किस तरह हर क्षेत्र में परचम फहरा रही है। माहेश्वरी नारी शक्ति की सामर्थ्य व उसके योगदानों की छाप से कोई भी क्षेत्र अछुत नहीं रहा है। यदि उसके मुक्को की चोंट ने विजय पताका फहराई है, तो उसके स्नेह ने कई बेसहारों को सम्बल भी दिया है। इसमें कई क्षेत्रों में अपनी सफलता का ध्वज फहरा रही नारी की कहानियां समाहित की गई है। अंक में सभी स्थायी स्तंभों के साथ अन्य पठनीय, ज्ञानवर्द्धक और रोचक सामग्री तो आपको हमेशा की तरह मिलेगी ही, अपनी प्रतिक्रिया से भी हमें जरूर अवगत कराएं।

जय महेश

पुष्कर बाहेती

कोलकाता निवासी श्रीमती पुष्पा मूंदड़ा की पहचान एक ऐसी समाजसेवी के रूप में है, जिनके मन में गरीब बच्चों के उत्थान का ममत्व हिलौरे ले रहा है। श्रीमती मूंदड़ा का जन्म चैन्नई निवासी बीकानेर मूल के परंपरागत मारवाड़ी परिवार में ख्यात व्यवसायी, समाजसेवी व शिक्षाविद् श्री एस.एस. झँवर के यहाँ हुआ था। फिर बीकानेर निवासी मूंदड़ा परिवार में विवाह हुआ जहां पारिवारिक मंदिर की सेवा ने उनकी आध्यात्मिक भावना को और भी बढ़ा दिया। बचपन से समाजसेवा संस्कारों के रूप में पिताजी से तो मिली ही थी, एक बार पारिवारिक रूप से आदिवासी क्षेत्र में वन यात्रा पर गई तो वनवासियों की अशिक्षा का गरीबी देख उनके लिए कुछ करने का बीड़ा उठा लिया। इसके लिए सक्रिय रूप से संस्था 'फ्रेंड्स ऑफ ट्रायबल सोसायटी' से जुड़ी और इसकी राष्ट्रीय महिला समिति से संस्थापक सदस्य के रूप में सम्बद्ध हो गई। श्रीमती मूंदड़ा इस समिति की प्रथम अध्यक्ष भी रही हैं। इसके द्वारा वन क्षेत्रों में देशभर के अपने 38 चैप्टर्स के माध्यम से एकल विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। संस्था के अंतर्गत ही आपने एकल विद्यालय के पूर्णकालीन कर्मचारियों के लिए प्रकल्प 'पूर्णकालीन भाई-बहन' भी प्रारंभ किया है।

अपनी गरिमा को पहचाने नारी

उपनिषद में कहा गया है - '*यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।*'

अर्थात् जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता का वास होता है। यहीं नहीं बल्कि लगभग हमारे अधिकांश शास्त्रों में नारी की गरिमा का गुणगान किया गया है। यह विचारणीय है कि आखिर हमारी संस्कृति में नारी को इतना गरिमामय स्थान क्यों दिया गया है?

इसका कारण है, नारी के कर्तव्य जो वह परिवार एवं समाज के लिये निभाती है। स्त्री समाज और घर का केंद्र है, परिवार की प्रगति का प्रतीक है। घर की स्थिति उस नारी से निर्धारित होती है। पुरुष यदि व्यक्ति है, तो नारी एक संस्थान है। नारी कोई भी वस्तु या एक व्यक्ति नहीं, अपितु नारी इस देश की सभ्यता है, संस्कृति है, परंपरा है। अगर संस्कृति-परंपरा विकृत होती है, तो ममता के पास अपना कुछ नहीं बचेगा। नारी वास्तव में तब पूर्ण नारी है जब उसके नेत्रों में करुणा, वाणी में मधुरता, हृदय में ममता, हाथों में सेवा और कदमों में मर्यादा है। सबसे अधिक आवश्यकता है, अपने बच्चों को संस्कृति से परिचित करवाने की, अपने जीवन मूल्यों को पहचानने की। हम बच्चों को शिक्षित अवश्य बनाएं, लेकिन वे सिर्फ किताबी ज्ञान तक न रहें, बल्कि वे शिक्षा संस्कार और जीवन मूल्यों से भी सुदृढ़ बनें। यह आज के समय की यह सबसे बड़ी आवश्यकता है। याद रखें किसी भी देश या समाज की संस्कृति उसकी नारी शक्ति पर निर्भर होती है, क्योंकि भावी पीढ़ी की प्रथम गुरु तो नारी ही होती है। वही उनमें संस्कारों का रोपण करती है अर्थात् वही संस्कारों को सतत प्रवाहित करती है।

''माहेश्वरी'' वास्तव में मात्र एक जातिसूचक शब्द ही नहीं बल्कि एक संस्कृति का नाम है। वह गौरवशाली वह संस्कृति, जिसने संपूर्ण राष्ट्र को भी समय-समय पर मार्गदर्शित किया है। इस गौरवशाली संस्कृति को मानने वाली जाति का नाम है ''माहेश्वरी समाज''। अर्थ यही है कि हमारी पहचान संस्कृति से है। यदि आज हमने चहुमुखी विकास किया है, तो उसके पीछे हमारे संस्कारों का ही योगदान है।

समाज के इस ऐतिहासिक उन्नयन का श्रेय वास्तव में समाज की उन नारी शक्ति को ही जाता है, जिन्होंने हमारे संस्कारों को सहेजा। वर्तमान में माहेश्वरी नारी सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित नही रही, वह पुरुष से कंधे से कंधा मिलाकर या कहें कई क्षेत्रों में तो उनसे भी दो कदम आगे बढ़कर अपना योगदान दे रही है। उनके ये योगदान व प्रयास वास्तव में स्तुत्य हैं, फिर भी इस नये परिवेश में नारी की भूमिका पर चिंतन आवश्यक है। वह चाहे किसी भी मुकाम पर पहुँच जाऐ, लेकिन जब तक वह अपने मूल कर्तव्यों को नहीं निभाएगी, सफल नहीं हो सकती। इसका अर्थ यह नहीं है कि वह अपनी उन्नति के मार्ग को बंद कर दे बल्कि जरूरत अपने करियर और अपने कर्तव्य में तालमेल बनाने की है। कारण यही है कि नारी की जो भूमिका है उसे पूर्ण करने की सामर्थ्य सिर्फ नारी में ही है, किसी और में नहीं।

सर्वप्रथम तो हमें स्वयं अपने संस्कारों को आत्मसात करना पड़ेगा, तभी हम अपनी भावी पीढ़ी को प्रेरित कर सकेंगे। याद रखें हमारा लक्ष्य अपनी भावी पीढ़ी को मार्गदर्शित कर उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ना होना चाहिए, अन्यथा हम अपनी पहचान ही खो देंगे। साथ ही खो देंगे, वह शक्ति-सामर्थ्य जो हमारा संबल है।

पुष्पा मूंदड़ा
अतिथि सम्पादक

श्री बिसाथ (बिशु) माताजी

श्री बिसाथ (बिशु) माताजी हुरकट खांप की कुलदेवी हैं। भट्टड़, बिसानी, जेठा, लघड़, पुगलिया, बाहेती आदि नख वाले भी इन्हें पूजते हैं।

राजस्थान के नागौर जिला स्थित गोठन गांव से लगभग 4 किमी दूर टुकलिया गांव में श्री बिसाथ (बिशु) माताजी विराजमान हैं। यह मंदिर इस गांव में एक पहाड़ी पर सुंदर-सुरम्य माहौल में बना हुआ है। इस मंदिर का जीर्णोद्धार 20 साल पहले हुआ था। स्थानीय निवासियों के अनुसार यह प्राचीन मंदिरों में से एक है। स्थानीय नागरिकों की तो माताजी के प्रति आगाध श्रद्धा है ही, इसके अलावा यहाँ विभिन्न क्षेत्रों से भी लोग दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी जनधारणा है कि यहाँ माताजी से माँगी गई मान-मन्नत पूरी होती है। क्षेत्र में माताजी का मंदिर बीस भुजा का मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध है। माहेश्वरी समाज के अलावा राजपुरोहित व वैश्य (महाजन) आदि समाज के लोग भी इन्हें पूजते हैं।

कहां ठहरें- गोठन रेलवे स्टेशन के पास 3-4 होटल हैं। वहां पर आप अपने रहने की व्यवस्था कर सकते हैं और 22 अप्रैल के बाद हुरकट विश्रामगृह में रह सकते हैं। हुरकट समाज के विश्रामगृह का काम पूर्ण होने वाला है। इसका उद्घाटन 22 अप्रैल को निश्चित किया गया है। इसका संचालन रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चेरिटी ट्रस्ट, मुंबई द्वारा होगा।

कैसे पहुँचें- राजस्थान के नागौर जिले के गोठन गांव तक रेलमार्ग है। प्रमुख रेलवे स्टेशन जोधपुर/अजमेर/नागौर से यह 100 किमी की दूरी पर है। फ्लाइट से जोधपुर ही उतरना पड़ता है। गोठण से टुकलिया गांव 4 किमी दूर है। वहाँ तक जाने के लिए बस व टैक्सी की सुविधा उलब्ध हो जाती है। सालासर से गोठण 200 किमी की दूरी पर है। जयपुर से गोठन 230 किमी दूर है।

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की पंचम कार्यसमिति बैठक

युवा शिक्षा रत्न 2017 सम्मान समारोह के साथ किया प्रतिभाओं का सम्मान

हैदराबाद. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से शिक्षा क्षेत्र में आयोजित बहुआयामी प्रकल्प युवा शिक्षा रत्न 2017 के अवॉर्ड सम्मान हैदराबाद के होटल नोवोटेल में हिंदू नववर्ष की बेल पर गत 18 मार्च को आयोजित समारोह में प्रदान किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या एवं महामंत्री प्रवीण सोमानी की परिकल्पना साकार होते हुए आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित समारोह में प्रतिभावान छात्र अभिषेक सोनी की पुण्य स्मृति में युवा शिक्षा रत्न प्रदान किए गए।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में युवा शिक्षा रत्न में देश व नेपाल के टॉप दस के साथ प्रत्येक प्रदेश के टॉपर्स भी को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। अवॉर्ड समारोह में अभा माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, निवर्तमान अध्यक्ष कमल भूतड़ा, राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी, शिक्षा रत्न के प्रभारी एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी, महेश सोनी एवं अनिता सोनी, समारोह के स्वागताध्यक्ष रमेशकुमार बंग, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अनूप चांडक, सचिव रूपेश सोनी मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह में सम्मानीय अतिथि के रूप में उद्योगपति कन्हैयालाल लोहिया, राजकुमार मालपानी, रामनिवास भूतड़ा, श्यामसुंदर लोया, भगवानदास पंसारी उपस्थित थे। इस मौके पर युवा संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपक चांडक, कोषाध्यक्ष विवेक मोहता, खेल मंत्री अरुण बाहेती मौजूद थे।

सभी ने सराहा

सभी अतिथियों ने युवा शिक्षा रत्न के प्रकल्प की प्रशंसा की ओर कहा कि युवा संगठन भविष्य में भी ऐसे और भी प्रकल्प समाज के समक्ष प्रस्तुत कर उनका क्रियान्वयन करें। इस अवसर पर समारोह में देश के टॉप 10 स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिह्न के अलावा घोषित नकद राशि भी प्रदान की गई। देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 51 हजार, द्वितीय को 21 हजार और तृतीय को 11 हजार रुपए प्रदान किए गए। चतुर्थ से दशम स्थान प्राप्त करने वालों को 5 हजार रुपए प्रदान किए गए। इसके अलावा प्रदेश के टॉपरों को भी सम्मानित किया गया। प्रदेश टॉपरों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न दिए गए। पुरस्कार समारोह में पुरस्कार ग्रहण करने के लिए ज्यादातर विद्यार्थी स्वयं व अभिभावक संग आए थे। और उनमें इस सम्मान को लेकर एक नई ऊर्जा और खुशी की लहर थी। प्रथम कड़ी में प्रदेश टॉपरों को सम्मान प्रदान किए गए एवं उसके पश्चात टॉप 10 को सम्मान दिए गए। उपस्थित सभी विद्यार्थियों को एक विशेष उपहार स्वरूप किट प्रदान की गई। इसमें एक बैकपैक में देश के कोने-कोने की विशिष्ट सामग्री थी और इस किट का नाम "देश का किट" रखा गया था। सभी बच्चों एवं अभिभावकों ने इस उपहार के आइडिया की भरपूर प्रशंसा की। समारोह का कुशल एवं बखूबी संचालन युवा शिक्षा रत्न के राष्ट्रीय प्रभारी संदीप करनानी ने किया।

प्रतिभा सम्मान एक ऐतिहासिक कदम

स्वागाध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने सभी का स्वागत किया। अभा माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने अपना उद्‌बोधन देते हुए बताया कि कक्षा 12वीं के प्रतिभावान छात्रों से ऑनलाइन आवेदन लिए गए। इसमें 1350 छात्रों ने ऑनलाइन आवेदन किया जो एक ऐतिहासिक कदम है। इन आवेदनों में से नेपाल एवं भारत के सभी प्रदेशों के टॉपर का भी चयन किया गया। भारत वर्ष के टॉप 10 विद्यार्थियों में प्रथम स्थान पर चयनित विद्यार्थी के 99.6 प्रतिशत व दसवें स्थान पर चयनित विद्यार्थी के 98.7 प्रतिशत अंक हैं। श्री काल्या ने कहा कि इन छात्रों को सम्मानित करने तक ही हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि इसमें जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए संगठन व समाज तथा विभिन्न ट्रस्ट के माध्यम से संसाधन उपलब्ध कराकर आगे की शिक्षा के लिए प्रबंध किया जाएगा ताकि विद्यार्थी आईएएस और आरएएस बनकर हमारे समाज का गर्व बढ़ा सकें। किसी भी प्रकार की पढ़ाई के लिए संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

प्रादेशिक संगठनों ने दिया पूर्ण सहयोग

इस मौके पर युवा शिक्षा रत्न के आयोजन में सभी प्रदेशों ने सहयोग दिया। बेहतर प्रदर्शन के लिए तमिलनाडु, केरल पांडेचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, महाराष्ट्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा युवा शिक्षा रत्न आईटी विभाग को बखूबी संभालने एवं क्रियान्वयन करने के लिए बेमेतरा, छत्तीसगढ़ के अमित गिलड़ा को भी आभार पुष्प प्रदान किया गया। इस अवॉर्ड समारोह के आयोजन में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन की विशेष भूमिका रही और समारोह को आतिथ्य शाखा ने नए आयाम प्रदान किए। कार्यक्रम की छात्रों व अभिभावकों से लेकर उपस्थित युवा संगठन के पदाधिकारी, प्रदेशाध्यक्ष, सचिव व कार्यसमिति सदस्य सभी ने पुरजोर प्रशंसा की। अवॉर्ड समारोह में भारी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। अवॉर्ड समारोह से पूर्व होटेल नोवोटेल हैदराबाद में अभा माहेश्वरी युवा संगठन की पंचम कार्यसमिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कई भावी योजना एवं कार्यक्रम पर चर्चा हुई।

मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न

बिजयनगर/गुलाबपुरा. रियलिस्टिक प्रोजेक्ट्स की टाउनशिप राजदरबार सिटी बिजयनगर में श्री नाकौड़ा पार्श्वनाथ भैरव मंदिर का निर्माण किया गया और उसकी प्रतिष्ठा संपन्न हुई। प्रतिष्ठा का महोत्सव का आयोजन 7 से 12 मार्च के मध्य हुआ। प्रतिष्ठा के दौरान भगवान के माता-पिता का मनमोहक चित्रण युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या एवं उनकी पत्नी दिव्या काल्या के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मूलनायक भगवान की प्रतिमा की स्थापना बसंतीलाल राजकुमार सुमित काल्या परिवार के द्वारा की गई। महोत्सव के दौरान एक लाख से अधिक व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर भोजन प्रसादी का लाभ लिया। मंदिर की प्रतिष्ठा के 1 दिन पूर्व 15000 से अधिक व्यक्तियों ने जुलूस में भाग लिया।

सादगी से सम्पन्न हुआ बागड़ी की सुपुत्री का विवाह

नागपुर. बीकानेर के मूल निवासी तथा नागपुर में रहने वाले वरिष्ठ समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी की सुपुत्री गीतिका का विवाह सादगी के साथ नागपुर के अशोक होटल में संपन्न हुआ। श्री बागड़ी को समाजसेवा व अन्य विशिष्ट कार्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं से कई राष्ट्रीय पुरस्कार 'समाजभूषण', 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ द डीकेड', 'समाज-रत्न', 'जीवन-गौरव सम्मान', 'समाजसेवा-गौरव', 'राजस्थान-श्री', 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' आदि मिले हैं। आशीर्वाददाता के रूप में राज्यमंत्री सुधाकर देशमुख, राजेश लोया, ललित विट्ठलदास लोया, मनमोहन लोया, कविता ललित लोया, श्यामसुंदर सोनी (सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा), मधुसूदन सारडा (उपाध्यक्ष-विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा), प्रमोद बागड़ी (अध्यक्ष-श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत), गिरधर डागा (सचिव-बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत), सुबोध मोहता (पूर्व अध्यक्ष-बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत), पुरुषोत्तम मालू (अध्यक्ष-बड़ी मारवाड माहेश्वरी संस्था), हेमंत राठी (अध्यक्ष-माहेश्वरी युवा संगठन, सीतावर्डी), अशोक कोठारी (लिपी प्रेस), अभा जैन समाज अध्यक्ष डॉ. संतोष मोदी, विनोद रणछोड़दास मोहता (मोहता मिल-हिंगणघाट), दिनेश राठी, हितेश नारायणदास झंवर, भाजपा व्यापारी आघाड़ी महाराष्ट्र उपाध्यक्ष महेंद्र कटारिया, अमरदादा वझलवार, ब्रिजरतन चांडक, अनिरुद्ध वझलवार, आमदार मिलिंद माने, नागपुर महानगरपालिका नगरसेवक सभापति प्रगति अजय पाटिल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

लाठी बने जिलाध्यक्ष

बूंदी. जिला माहेश्वरी युवा संगठन के जिलाध्यक्ष पद पर नरेश लाठी 7 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए। मतगणना के पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण सोमानी ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष नरेश लाठी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री लाठी ने सभी युवाओं के साथ मिलकर समाज की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करने के लिये प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने समाज के युवाओं की नकारात्मकता सोच को परिवर्तित कर सामूहिक ऊर्जा से संगठन को ऊंचाई के शिखर पर ले जाने का विश्वास दिलाया।

अपशब्द
एक ऐसी चिंगारी है
जो कानों में नहीं
सीधा मन में
आग लगाती है

दिल्ली प्रदेश में सेवा यात्रा

दिल्ली. दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष किरण लढा व सचिव श्यामा भांगड़िया के नेतृत्व में पूर्व की तरह फरवरी में भी विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत समिति सुकीर्ति द्वारा 3 फरवरी को प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में स्किन केयर व सेल्फ मेकअप की कार्यशाला आयोजित की गई। सुरभि द्वारा प्रदेश के द्वारका क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र में फागोत्सव का आयोजन किया गया। सदस्याओं ने फूल तथा अबीर-गुलाल से होली खेली। 24 फरवरी को दिल्ली प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा सुरम्या समिति की सदस्या वैशाली जैथलिया के नेतृत्व में करीब 30 सदस्याओं द्वारा फागुन के रंग-बिरंगे रंगों से सजकर मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्तरी क्षेत्र द्वारा 27 फरवरी को फॉर्म हाउस पर पिकनिक का आयोजन किया गया। गायों को रोटी खिलाई व स्वादिष्ट भोजन तथा तरह-तरह के खेलों के बीच फूलों की होली का लुत्फ लिया गया। सुलेखा द्वारा राज्य स्तर की पंचम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महिलाओं को सूचना प्रेषित की गई तथा संचारिका समति के अंतर्गत फेसबुक व व्हाट्सएप पर दिल्ली प्रदेश की रिपोर्ट्स बराबर अपलोड की गई।

महेश बैंक में एग्रीकल्चर बैंकिंग में प्रशिक्षण

हैदराबाद. महेश बैंक के स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज में ऋण विभाग एवं शाखा प्रबंधकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रवर्तित पुणे स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बैंकिंग (क्लब) द्वारा तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने किया। प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री मानधना ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में ऋण स्वीकृत करने के पूर्व अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की बारीकियों को समझकर उचित निर्णय लेना बैंक की पारदर्शिता और कार्यक्षमता का परिचायक होता है। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद असावा ने पुणे स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बैंकिंग (क्लब) के महाप्रबंधक सेड्रीक लारेंस, सहायक महाप्रबंधक डॉ. आशीष श्रीवास्वत एवं प्रशिक्षकों के दल का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयकर्ता ए. रामाराव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बालिकाओं के लिए मशीन भेंट

फरीदाबाद. माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में सेवा ट्रस्ट व महिला मंडल ने जरूरतमंद कन्याओं को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए राजकीय वरिष्ठ माविं मुजेसर में एक सेनिटरी पेड वेंडिंग मशीन मशीन लगाई गई है। इससे एक रुपए का सिक्का डालने पर एक पेड निकलेगा। वेंडिंग मशीन से एकत्र धनराशि भी स्कूल में ही चेरिटेबल कार्य में लगाई जाएगी। उद्घाटन अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुशील नेवर, सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद भूतड़ा, महिला संगठन अध्यक्षा नीतू भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष संदीप कोठारी, महेश गट्टानी, राकेश सोनी, सुशील सोमानी, आनंद बागड़ी, रेखा राठी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

वैलेंटाइन विक क्लिक में ममता प्रथम

पुरुलिया. माहेश्वरी महिला समिति पुरुलिया ने सुरम्या समिति के अंतर्गत 7 से 14 फरवरी तक वैलेंटाइन विक क्लिक फोटो स्पर्धा आयोजित की। इस स्पर्धा में दिन के हिसाब से फोटो भेजना थी जैसे गुलाब डे, हग डे आदि। प्रतियोगिता में काफी सदस्याओं ने भाग लिया। प्रथम स्थान ममता पसारी ने पाया। सुनीता मोहता, जयश्री सारडा और सुष्मिता मल को सात्वंना पुरस्कार दिये गये। इसके अलावा सुषमा समिति के अंतर्गत माहेश्वरी महिला समिति पुरुलिया ने 15 जनवरी से 15 फरवरी तक रोज एक मुट्ठी अनाज या कोई भी खाद्यान्न अलग रखने को कहा था। काफी सदस्याओं ने 15 फरवरी को सामान भेजा, जिसे जरूरतमंदों को दिया गया।

मंत्री बने रेलवे सलाहकार

कुचामन सिटी. केंद्रीय राज्यमंत्री सीआर चौधरी की अनुशंसा से उत्तरी पश्चिमी रेलवे द्वारा कुचामन सिटी निवासी श्यामसुंदर मंत्री को जोधपुर डिवीजनल सदस्य मनोनीत किया गया है। श्री मंत्री अभा माहेश्वरी महासभा पश्चिमांचल के संयुक्त मंत्री भी हैं। इस समिति के सदस्य अपने क्षेत्र की रेलवे से संबंधित समस्याओं को समिति के सामने रखकर निराकरण के लिए प्रयास कर सकते हैं। साथ ही मनोनीत सदस्य अपने क्षेत्र में नये रेलवे स्टेशन, रेल समय सारणी, रेलवे द्वारा दी जाने वाली सेवा एवं सुविधाओं में सुधार, सामान्य जनता के हित एवं सार्वजनिक सुविधाओं हेतु समिति के समक्ष अपनी राय रख सकते हैं।

औद्योगिक विकास डायरी का विमोचन

रायपुर. उद्योग भवन स्थित कार्यालय में सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा ने पर्यावरण सुरक्षा के साथ औद्योगिक विकास डायरी का विमोचन किया। विमोचन अवसर पर सीएसआईडीसी के एमडी सुनील मिश्रा, ईडी सोलोमन मेथू सिलाह, सीजीएम आलोक त्रिवेदी, ईई एसके सोनी सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

शिक्षा के लिए 40 हजार वर्गफीट जगह दी

गुलबर्गा. चित्तापुर गाँव के बजाज परिवार के सदस्य सत्यनारायण बजाज ने स्थानीय बस स्टैंड के बाजू के अपने नवीन निर्माण बजाज कॉम्प्लेक्स भवन के द्वितीय तल की 40 हजार वर्गफीट छत चित्तापुर के नागावी शिक्षा संस्था को दान की है। उस पर नागावी शिक्षण संस्था ने पीयुसी कॉलेज और स्कूल का निर्माण करवाया है, जिसका उद्घाटन रावुर गांव के सिदकिंगेश्वर संस्था मठ के पीठाधीश्वर श्री सिदलिंग महास्वामी एवं माजी शासक संस्था के अध्यक्ष विश्वनाथ पाटिल हेबाल के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से सत्यनारायण बजाज एवं नंदकिशोर बजाज का सम्मान किया गया।

'बाईसा रो पीहर' का किया प्रदर्शन

जलगाँव. स्थानीय शहर व तहसील माहेश्वरी संगठन की आगर से गत 20 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रायसोनी फॉर्म हाउस पर कार्यक्रम 'बाईसा रो पीहर' का आयोजन किया गया। इसमें पीहर में आई हुई बेटी किस तरह आनंद लुटाती है, यह दिखाया गया। बचपन की याद दिलाने वाले गेम्स जैसे सागर गोटी, लगोरी, चिरमी, छोटा किचन, चौपड़ पासा, कैरम, चेस, बैडमिंटन इत्यादि के साथ ही एक सेल्फी कॉर्नर भी रखा गया। इसमें स्कूल यूनीफॉर्म, स्कूल बैग, टोपी वगैरह के साथ पीहर में आई हुई सारी सखियों के लिए पार्लर, मेहंदी, नेल आर्ट हेतु मसाज, मालिश इत्यादि सुविधा उपलब्ध करवाई गई। दोपहर 3 बजे के बाद हास्य मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित की गई। संगठन की ओर से घूमर की शानदार प्रस्तुति दी गई। 'बेटी के ससुराल में मां की भूमिका कैसी हो, 'हर दिन बेटी से वार्ता लाभ ना करे'। यह नाटिका किरण झँवर, चंचल तापड़िया, स्वाति सोमाणी आदि ने प्रस्तुत की। अध्यक्ष किरण झँवर, सचिव पुष्पा दाहड़, प्रोजेक्ट चेयरमैन स्वाति सोमाणी, मनीषा तोतला, चंचल तापड़िया, अर्चना मंडोवरा, अरुणा मंत्री, राजश्री कोगटा, किरण झँवर, वासंती बेहेड़े, सरला पोरवाल, गौरी बिरला, आरती काबरा, नम्रता काबरा आदि समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

कमी तो होनी ही है पानी की
न किसी की आँख में बचा है
न जज़्बात में

मूंदड़ा ने किया कोलकाता भ्रमण

रायपुर. छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कोलकाता का दौरा किया। इसमें उन्होंने उद्योगपतियों से उनके कार्यालय में मुलाकात की एवं निवेश की प्रमुख संभावनाओं पर चर्चा की। व्यक्तिगत रूप से श्री मूंदड़ा ने श्री सीमेंट लिमिटेड के एमडी हरिमोहन बांगड़ एवं संयुक्त प्रबंधक निदेशक प्रशांत बांगड़ से उनके कार्यालय में मुलाकात की। छत्तीसगढ़ राज्य में संभावित व्यापार के अवसरों की खोज के लिए श्री मूंदड़ा ने भी बांगड़ से चर्चा की। इसके अलावा श्री बांगड़ ने एक हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश के साथ अपने मौजूद कारोबार का विस्तार करने की बात की।

खुशियों की लगेगी पाठशाला

सूरत. जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग (हैप्पीनेस कोर्स) एवं माता वैष्णोदेवी यात्रा का आयोजन किया गया। हैप्पीनेस कोर्स में विगत मास में चार दिवसीय योग एवं मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में माहेश्वरी बंधु लाभान्वित हुए। माता वैष्णोदेवी यात्रा (26 से 31 जनवरी) तक आयोजित हुई। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु विशेषतः सूरत के माहेश्वरी समाजजन सम्मिलित हुए।

कवि भट्टड़ का हुआ सम्मान

बीकानेर. माहेश्वरी सभा शहर की ओर से हैदराबाद के हास्य कवि वेणुगोपाल भट्टड़ का सम्मान किया गया। मंत्री रघुवीर झंवर ने बताया कि सभा की ओर से आयोजित समारोह के दौरान शहर अध्यक्ष गोपीकिशन पेड़ीवाल, प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी व द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने कवि भट्टड़ का सम्मान किया।

योग व स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

खरगोन. माहेश्वरी महिला मडंल, इनहरव्हील क्लब, मारवाड़ी महिला मंडल व भारतीय जैन संघटना के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क, मधुमेह, माईग्रेन, गठिया, साइटिका, पेट के रोग, कमर दर्द, घुटनों के दर्द आदि कई असाध्य रोगों के जड़ से निवारण और इलाज के लिए 2 दिवसीय योग व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गत 25 से 26 फरवरी दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक किया गया। इसमें 400 से अधिक लोगों की निःशुल्क जांच हुई। माहेश्वरी महिला जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, राधा अग्रवाल, जानकी खटौड़, उमा सोमानी, रेखा कनसारे, तृप्ति रावत आदि मौजूद थीं।

कलंत्री बनी मिसेज माहेश्वरी

मालेगांव. समाज सदस्य भगवानदास-संध्या काकाणी की सुपुत्री एवं सुनील-संगीता कलंत्री की पुत्रवधू नम्रता कलंत्री नासिक जिला की 'श्रीमती माहेश्वरी' चुनी गईं। सर्वप्रथम मालेगांव में स्थानीय स्तर पर यह प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें वह प्रथम स्थान पर रही। फिर लासलगांव में नासिक जिलास्तर पर प्रतियोगिता हुई। इसमें भी प्रथम स्थान पाया। नासिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा लासलगांव में प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। नम्रता कलंत्री महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल की सदस्या भी हैं।

सोमानी की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर

भीलवाड़ा. विश्व हिंदू परिषद धर्मप्रसार द्वारा जोड़दर्द निवारण शिविर का आयोजन स्व. इंद्रमल सोमाणी की तस्वीर पर तिलक व माल्यार्पण कर किया गया। समाजसेवी बद्रीलाल सोमानी ने बताया कि संगठन द्वारा श्री सोमाणी की पहली मासिक पुण्यतिथि पर आयोजित शिविर में डॉ. विनय नवीन गुलाटी और उनकी टीम ने सैकड़ों पीड़ितों को सेवा दी। भीलवाड़ा के अलावा अजमेर, राजसमंद, चित्तौड़ से भी मरीज पहुंचे थे।

वैश्य महासम्मेलन मुख्य महिला व युवा इकाई ने ली शपथ

देवास. वैश्य महासम्मेलन मप्र देवास की मुख्य महिला एवं युवा इकाई का शपथ विधि समारोह मुख्य अतिथि के रूप में घनश्याम काकाणी प्रदेश उपाध्यक्ष मप्र फार्मेसी कौंसिल की उपस्थिति में हुआ। अध्यक्ष के रूप में संगठन के संभाग अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने विस्तार से संगठन की कार्ययोजना की जानकारी दी। विशेष अतिथि संभाग महामंत्री सत्यनारायण लाठी थे। सांसद प्रतिनिधि राजीव खंडेलवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

पदयात्रियों के लिए भंडारा

अहमदाबाद. श्री माहेश्वरी रामायण मंडल गुजरात के प्रसिद्ध धाम डाकोर प्रभुश्री रणछोड़ राय के दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों की सेवा में गत 15 वर्ष से भंडारे का आयोजन कर रहा है। इसमें इस वर्ष 26 से 28 फरवरी तक सेवा दी गई। चाय, भोजन व नारंगी वितरण की सेवा प्रदान की गई व रात में आराम करने के लिए व्यवस्था संस्था द्वारा की गई। करीबन 8 से10 हजार यात्रियों ने सेवा का लाभ लिया। संस्था के व समाज के सभी सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग दिया। इसमें विशेष तौर से लक्ष्मीलाल झंवर, अशोक बहेड़िया, मुकेश मूंदड़ा, मांगीलाल ईनाणी, राकेश देवपुरा, सत्यनारायण भदादा, जगदीशप्रसाद खटौड़, गोपाल समदानी, श्यामलाल बहेड़िया, रामगोपाल तोतला, चंद्रप्रकाश कासट, मनीष कोठारी, विनोद चौधरी, मुकेश मंत्री, सुरेश जागेटिया व माहेश्वरी महिला भजन मंडल की सदस्यता मंजू झंवर, पुष्पा भदादा, कौशल्या काकानी, सुमित्रा कोठारी, विमला कोठारी आदि का सहयोग रहा।

प्याऊ का शुभारंभ

नागदा. नववर्ष गुड़ी पड़वा पर नागदा के राठी परिवार द्वारा पिछले 51 वर्षों से स्व. शिवनारायण व सोनीबाई व स्व. दामोदरजी, रामचंद्र, राधेश्याम, मोहनलाल व अनिल राठी की स्मृति में शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ महात्मा गांधी मार्ग पर किया गया।

फोफलिया राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत

सोलापुर. नेताजी चंद्रदत्त पुरोहित स्मृति संस्थान मुंबई की ओर से 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रदत्त पुरोहित राष्ट्रीय पुरस्कार' डॉ. मल्लिकार्जुन शिवाचार्य महास्वामीजी के हाथों से सामूहिक विवाह के अग्रणी डॉ. बृजमोहन फोफलिया को गत 13 मार्च को को कई गणमान्यजनों की उपस्थिति में दिया गया। इसमें श्री फोफलिया को शॉल, श्रीफल, ट्रॉफी और नकद 5100 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया।

माहेश्वरी को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' सम्मान

किशनगढ़. बचपन से ही चली आ रही रेखाचित्र बनाने की अभिरुचि रंग लाई और महेश माहेश्वरी का नाम 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ। श्री महेश माहेश्वरी का नाम मुख्य रूप से तीन कार्यों से दर्ज हुआ, श्री गणशेजी के रेखाचित्र, प्रसिद्ध व्यक्तियों के ऑटोग्राफिक रेखाचित्र व राजनेताओं के कॉर्टून रेखाचित्र। इन्होंने लगभग सवा सौ प्रसिद्ध व्यक्तियों के 150 से ऑटोग्राफिक रेखाचित्रों का अनूठा संकलन तैयार किया है जो अपने आप में एक विशिष्ट अनोखा संग्रह है। श्री माहेश्वरी के चित्रों की प्रदर्शनी दिल्ली, मुंबई तथा किशनगढ़(राजस्थान) में आयोजित हो चुकी है। इसे हजारों की संख्या में जनसमूह ने देखा और सराहा।

महिला सशक्तीकरण रैली का हुआ आयोजन

चेन्नई. गत 8 मार्च महिला दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने महिला सशक्तीकरण पर एक रैली का आयोजन किया। इसमें श्री माहेश्वरी महिला मंडल चेन्नई (अंतर्गत श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई) ने भी भाग लिया। रैली में शहर के कोने-कोने से महिलाओं ने जुड़कर एकजुट होकर एकता दिखाई। तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई ने श्री माहेश्वरी महिला मंडल की इस भागीदारी को सराहा।

प्रेम ही जीवन है यहीं मैने जाना है
नफरत में कुछ भी नही आना जाना है

निःशुल्क परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर. क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला जयपुर एवं क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला मंडल जोन 3 के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक केंद्र श्यामनगर में निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न चिकित्सकों द्वारा नेत्र, नाक, कान, गला, श्वांस एवं दंत रोग आदि की निःशुल्क जांच की गई। शिविर में एएससी नेत्र चिकित्सालय द्वारा नेत्र जांच के बाद चश्मे के नंबर दिए गए एवं बी. लाल क्लिनिक लेबोरेट्री द्वारा रियायती दरों पर रक्त की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन मंजू मूंदड़ा ने किया। मुख्य अतिथि ब्रह्मप्रकाश मूंदड़ा, स्वागताध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती व विशिष्ट अतिथि हुकमीचंद मूंदड़ा थे। शिविर के मुख्य संयोजक सत्यनारायण मोदानी थे। समापन पर क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर झंवर ने सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

सशक्त नारियों का किया सम्मान

कोटा. गत 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कोटा महिला मंडल ने सशक्त नारियों का सम्मान किया। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी को 'माहेश्वरी महिला गौरव' सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर जिन महिलाओं ने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर परिवार को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया एवं अपने ज्ञान एवं कला से अपनी पहचान बनाई। उनका सम्मान किया गया। इसमें सामाजिक क्षेत्र में राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी, पारिवारिक क्षेत्र में रतनदेवी राठी, कला क्षेत्र (भारतनाट्यम) में संगीता झंवर, एथलेटिक्स (मैराथन दौड़) में अर्चना मूंदड़ा तथा योग प्रशिक्षण में नीलम तापड़िया को मंडल अध्यक्ष अरुणा मूंदड़ा, सचिव रितु मूंदड़ा एवं वरिष्ठ सदस्यों द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

किसी चीज़ के बारे में कुछ पता नहीं होना शर्म की बात नहीं है लेकिन सीखने की इच्छा न रखना शर्म की बात है। आज से हम जीवन में सदैव कुछ नया सीखने की कोशिश करें..

राठी के पोस्टर को 1 लाख का पुरस्कार

पुणे. भारत के शीर्ष उद्योगपतियों में से एक सुप्रीम इंड्रस्टीज के चेयरमैन बजरंगलाल सूरजमल तापड़िया ने विख्यात चिंतक एवं मारवाड़ी समाज के सभापति महेश राठी केकड़ीवाल को उनके प्रसिद्ध कविता पोस्टर के लिए एक लाख का अपूर्व सम्मान प्रदान किया। यह किसी एक कविता पोस्टर को भारत में मिला ऐतिहासिक पुरस्कार है। पूर्व में इसी पोस्टर को 21 हजार की राशि का पुरस्कार सीए जया राठी ने सीएफए की परीक्षा में सफलता मिलने पर प्रदान किया था।

महिला दिवस पर हुआ टॉक शो

सूरत. माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) द्वारा 'महिला दिवस' के उपलक्ष्य में टॉक शो का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बिमलादेवी साबू थीं। उन्होंने कहा कि सही मायनों में हमारी हैप्पी लाइफ पचास साल की उम्र के बाद ही चालू होती है। शर्त यह है कि स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। अगर स्वास्थ्य सही रहे तो ही समाज व परिवार के लिए उपयोगी बन पाएंगे। इस उम्र व पड़ाव पर हमें अपने रिश्तों को पूर्ण रूप से स्वीकार करना चाहिए, अपने व्यवहार को सरल व सहज रखना चाहिये। ताकि सबसे मित्रवत व्यवहार रहे। कार्यक्रम में 75 सदस्याओं की उपस्थिति थी। संगठन अध्यक्ष अंजना सिंगी ने आभार माना।

महिला कार रैली में उषा जेठा

जबलपुर. रोटरी क्लब एवं दैनिक भास्कर द्वारा महिला दिवस पर आयोजित कार रैली शहर के विभिन्न स्पॉट्स से गुजरते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण का संदेश दे रही थी। इसमें माहेश्वरी महिला मंडल एवं इनरव्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष उषा माहेश्वरी (जेठा) ने अपने मित्रों के साथ भाग लिया एवं पुरस्कृत हुईं। श्रीमती जेठा माहेश्वरी महिला मंडल जबलपुर की एकमात्र सदस्या हैं, जिन्होंने इसमें भाग लिया।

नेत्ररोग निदान व शल्य क्रिया शिविर सम्पन्न

वर्धा. स्थानीय सेवाभावी संगठन माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा गत दिनों 17वां निःशुल्क नेत्ररोग निदान व शल्य क्रिया शिविर आयोजित किया गया। 17 वर्षों से आयोजित हो रहे इस शिविर में अब तक 11200 मरीजों की निःशुल्क जांच व 2112 मरीजों की निःशुल्क शल्य क्रिया की जा चुकी है। शिविर के उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि वर्धा के जिलाधिकारी शैलेश नवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कस्तूरबा हेल्थ सोसायटी के ट्रस्टी परमानंद तापड़िया ने की। शिविर में 675 रोगियों की जांच की गई। इनमें से 189 का ऑपरेशन किया गया तथा 155 जरूरतमंद रोगियों को चश्में वितरित किए गए। प्रकल्प प्रमुख अजय राठी थे। महेश नागरी सहकारी पत संस्था के अध्यक्ष श्रीराम टावरी, बुलडाणा अर्बन को ऑपरेटिव सोसायटी के विभागीय व्यवस्थापक विणय राजे, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष कमल भूतड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष शोभा गांधी, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र मोहता तथा नवयुवती मंडल की अध्यक्ष निमिशा टावरी मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर बसंत एग्रोटेक अकोला के साथ ही संजय राठी, विनित चांडक, शरदा भूतड़ा, दीपक भूतड़ा का नेत्रदान प्रचार एवं प्रसार के लिए स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वर्धा जिला तथा महाराष्ट्र के शहीद होने वाले सैनिकों के परिजनों को 25 हजार रुपए की आर्थिक मदद के लिए श्रीकांत राठी एवं गोविंद राठी का भी जिलाधिकारी ने सत्कार किया।

माहेश्वरी होस्टल में प्रवेश प्रारंभ

कोटा. श्री बालचंद मोदी माहेश्वरी छात्रावास कोटा द्वारा संचालित बॉयज होस्टल के अलावा बालिका छात्रावास कोटा में एडमिशन शुरू हो गया है। इच्छुक छात्राएं छात्रावास में प्रवेश हेतु फॉर्म भरने के लिए छात्रावास के ऑफिस 20-21 राजीव गांधी नगर कोटा फोन 0744-2427575, 7976636008 (मुकुटबिहारी नागर) अथवा छात्रावास 28 राजीव गांधी नगर कोटा पर राधेश्याम चेचानी (9829047693) व एनएस कालानी (9929909777) से संपर्क कर सकती हैं।

तारीफ़ और ख़ुशामद में एक बड़ा फ़र्क़ है। तारीफ़ आदमी के काम की होती है, और ख़ुशामद काम के आदमी की

वृद्धाश्रम में मनाया महिला दिवस

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति ने गत 10 मार्च को श्यामनगर वृद्धाश्रम में जाकर महिला दिवस मनाया। समिति के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ क्वालिटी समय बिताया और डेली नीड्स का सामान भी मुहैया कराया। डेली नीड्स की वस्तुओं के पैकेट्स सभी बुजुर्गों को बांटे। मंडल की महिलाओं ने बुजुर्गों के खाने-पीने का भी प्रबंध किया था, जिसके लिए बकायदा स्टॉल भी लगाए गए। खाने-पीने के बाद भजन संध्या हुई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रेखा हरकट व सचिव संगीता राठी, उपाध्यक्ष नीलिमा लड्ढा, कोषाध्यक्ष नीना राठी, सहसचिव सविता केला, प्रचार-प्रसार प्रीति राठी, एकता झंवर, हेमा गांधी, प्राची मोहता, पूजा बल्दुआ आदि उपस्थित रहीं।

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

दुर्ग. प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बिट्ठल भूतड़ा व संगठन मंत्री राजकुमार राठी ने बताया कि समाज द्वारा युवक-युवतियों को परिचय सम्मेलन के माध्यम से प्रदान किए गए मंच के बाद लगातार रिश्ते तय हो रहे हैं। समन्वयक के रूप में भिलाई के सुरेश सदानी, रायपुर के विजय दम्मानी, साजा के कुंदनमल गांधी, रमेश राठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परिचय सम्मेलन से अभी तक 21 से ज्यादा रिश्ते तय हो चुके हैं व प्रदेश सभा द्वारा नियुक्त किए गए समन्वयक लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। 50 से अधिक रिश्ते तय होने के लगभग अंतिम चरण पर हैं। दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजकुमार गांधी, पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी, कार्यक्रम संजोयक नरेंद्र राठी, राष्ट्रीय प्रतिनिधि चतुर्भुज राठी, विवाह प्रकोष्ठ संयोजक गणेश भट्टड़, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, महामंत्री जगदीश चांडक, राधेश्याम राठी, शरद राठी, जगदीश चांडक, राजकुमार केला, मुरारी भूतड़ा, रामावतार राठी, नंदकिशोर चांडक आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बालक छात्रावास का हुआ भूमिपूजन

भीलवाड़ा. श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास संस्थान का भूमिपूजन अखिल भारतीय ग्रामीण माहेश्वरी सहयोग संस्थान मेजा अध्यक्ष कन्हैयालाल खटोड़ की अध्यक्षता व संस्थान संरक्षक सदस्यों राधेश्याम खटोड़ बागौर, जमनालाल सेठिया बागोर, शांतिलाल खटौड़ रायपुर, भेरूलाल मंत्री काछोला, सोहनीदेवी भंडारी खामोर, रूकमणबाई जागेटिया के आतिथ्य में सुशांत सिटी अजमेर रोड भीलवाड़ा पर हुआ। संस्थान मंत्री रामकुमार जागेटिया ने बताया कि छात्रावास बन जाने से जरूरतमंद छात्रों को सुविधाएं मुहैया होंगी। इसके लिए अभी 10 कमरे एयर कंडीशनर सुविधायुक्त दो मंजिला इमारत में बनेंगे। समाज के कमजोर वर्ग के बालकों को प्राथमिकता से प्रवेश मिलेगा। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन, आवास, स्कूल व कोचिंग आने-जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध रहेगी। चांदमल सोमाणी, सत्यनारायण मंत्री, गोपाललाल तुरक्या, मुकेश सोमाणी, जितेंद्र मूंदड़ा, महावीर जागेटिया, बनवारीलाल सोमाणी, मुकेश काबरा, अरविंद चांडक, अनिल सोमाणी, सुशील तोषणीवाल आदि मौजूद थे। संचालन नारायण जागेटिया ने किया।

कोटा बालिका छात्रावास में प्रवेश की सूचना

श्री बालचंद मोदी माहेश्वरी छात्रावास कोटा

द्वारा संचालित

बाईज़ हास्टल के अलावा बालिका छात्रावास कोटा में एडमिशन शुरू हो गया है।

छात्रावास में प्रवेश हेतु फ़ॉर्म भरने के लिये शीघ्र ही छात्रावास में सम्पर्क करे।

आफिस - 20-21 राजीव गांधी नगर कोटा

फोनः 0744-2427575 (M)7976636008(मुकुट बिहारी नागर)

छात्रावास- 28 राजीव गांधी नगर कोटा

- निवेदक -

राधेश्याम चेचानी 9829047693

एन एस कालानी 9929909777

बागड़ी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

नागपुर. स्थानीय सूर्योदया इंजीनियरिंग व पॉलीटेक्निक कॉलेज के नौवें वार्षिक कार्यक्रम जलसा में कॉलेज के 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें विशेष अतिथि व मोटिवेशनल वक्ता के तौर पर ख्यात समाजसेवक, लेखक व पोर्टफोलियो कंसल्टेंट शरद बागड़ी को आमंत्रित किया गया। श्री बागड़ी ने मोटिवेशनल संबोधन में इंजीनियरिंग छात्रों को समय व पैसे के सही उपयोग पर मार्गदर्शन दिया। अंत में कॉलेज मैनेजमेंट की तरफ से श्री बागड़ी का स्मृति चिह्न भेंटकर आभार माना।

टुकलिया में बनेगा विश्रामगृह

नागौर. जिले के टुंकलिया (गोठन) ग्राम में हुरकट खांप की कुलदेवी श्री बिसाथ (बिशु) माताजी विराजमान हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आवास की परेशानी न आए इसके लिए रामेश्वरीलाल शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई द्वारा अखिल भारतीय हुरकट, विश्रामगृह का निर्माण किया गया है। रामविलास हुरकट, राजाराम हुरकट तथा नवीन हुरकट (माहेश्वरी) ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 22 अप्रैल को प्रातः 11 बजे इस नवनिर्मित विश्रामगृह का उद्घाटन समारोहपूर्वक होगा। आयोजन समिति ने इस समाचार को ही आमंत्रण मानकर समारोह में उपस्थित होने की समस्त हुरकट समाजजनों से अपील की।

द्वारिका में सेवा ट्रस्ट बनाएगा भवन

द्वारिका. श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, द्वारका (गुजरात) के द्वारा पुरी में बलिया पंडा रोड, होटल ब्ल्यू लीली से 200 मीटर आगे, समुद्र से 300 मीटर सामने 45000 वर्गफीट भूमि क्रय की है। भूमि पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। वर्तमान निर्माणाधीन स्थल पर दो कमरे, एक रसोईघर, एक डायनिंग कमरा व पुरुष व महिला के लिए अलग-अलग टायलेट बनाये गए हैं। आगामी योजना के अंतर्गत यथाशीघ्र वहां आधुनिक सुविधा युक्त भवन बनेगा।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. रक्तदान करना एवं उसकी प्रेरणा देना दोनों ही पुण्य के काम हैं। उक्त विचार पूर्व शहर अध्यक्ष भाजपा सुशील नुवाल ने न्यू महेश सेवा समिति, तिलक नगर, आदर्श नगर, सांगानेर कॉलोनी क्षेत्रीय माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान व्यक्त किए। रक्तदान प्रभारी रामकिशोर सोमानी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ पूर्व सभापति ओमप्रकाश नराणीवाल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष राजेंद्र जागेटिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व शहर अध्यक्ष भाजपा सुशील नुवाल, जिला माहेश्वरी सभा जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री केदार गगराणी, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, कैलाश मूंदड़ा, पूर्व युवा प्रदेशाध्यक्ष लोकेश आगाल, नगर अध्यक्ष हरीश पोरवाल आदि मौजूद थे। राजेंद्र पोरवाल, मनोज नकलक, सुशील बसेर, महिला मंडल अध्यक्ष सपना नकलक, संरक्षक निर्मला तापड़िया सहित कई सदस्याओं का सहयोग रहा।

कवि सम्मेलन में बरसे काव्य रस

हैदराबाद. बागलिंगपल्ली स्थित आरटीसी कल्याण मंडपम् में राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में लोहिया ग्रुप के चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन सावित्रीदेवी पॉली फैब्रिक्स के प्रबंध निदेशक विशंभरलाल अग्रवाल ने किया। अतिथि स्वागत आरजीए के अध्यक्ष गोविंद राठी ने किया। शिक्षा न्यास की जानकारी मधुसूदन मंत्री द्वारा दी गई। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. वेणुगोपाल अग्रवाल ने की। इस अवसर पर आरजीए के अध्यक्ष सुरेश काबरा, दीपककुमार बंग, सहमंत्री अरुण लाहोटी, कोषाध्यक्ष प्रकाशनारायण राठी, कवि सम्मेलन समिति के प्रधान संयोजक पं. रामकृष्ण पांडेय, समन्वयक डॉ. मोहन गुप्ता, सह-संयोजक द्वारकाप्रसाद असावा, मुख्य परामर्शदाता रमेशकुमार भट्टड़ सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

मैले ही जाते हैं सम्बन्ध भी वस्त्रों की तरह
कभी कभी इनको भी स्नेह से धोना चाहिए

चांडक का किया पुण्य स्मरण

बरेली. गत 11 मार्च को सच्चिदानंद स्वरूप चांडक मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में स्व. सच्चिदानंदस्वरूप चांडक के चतुर्थ स्मृति दिवस पर आईवीआरआई सभागार में एक वृहद सम्मान समारोह एवं काव्योत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अरुणकुमार नागर विधायक बरेली, केसरसिंह गंगवार विधायक नवाबगंज, राजकुमार ठुकराल विधायक रुद्रपुर, उत्तराखंड महेशचंद्र गुप्ता विधायक बदायूं, वरीप्रसाद गंगवार जिला पंचायत ऊधमसिंह नगर उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष सुमन चांडक ने की। ट्रस्ट सचिव शरद चांडक व कोषाध्यक्ष शशांक चांडक अतिथि थे। इस अवसर पर क्षेत्र में साहित्यिक व विशिष्ट सेवा देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

लड्ढा के समर्थन में दिया ज्ञापन

हुरडा. सरवाड़ नगरपालिका चेयरमैन विजयकुमार लड्ढा के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं मारपीट के विरोध में हुरडा तहसील माहेश्वरी सभा द्वारा गुलाबपुरा में गत 17 मार्च को उपखंड अधिकारी को स्वायत्त शासन मंत्री श्रीचंद कृपलानी के नाम ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार कालिया, तहसील मंत्री पुरुषोत्तम नवाल, समाजसेवी बसंतीलाल कालिया, महावीर सोनी, महावीर अजमेरा, शिव कास्ट, मनोज तोषनीवाल, सत्यनारायण सोमानी, अशोक अजमेरा सहित सैकड़ों समाज सदस्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि गत 14 मार्च को नगरपालिका सरवाड़ के पार्षद पति भगवानप्रसाद भट्ट ने चेयरमैन श्री लढ़ा के साथ गालियां देते हुए मारपीट की थी।

नवीन कार्यकारिणी गठित

नागपुर. नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा की नई कार्यकारिणी का गठन गत 24 फरवरी को हुआ। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष विनोद लाखोटिया, उपाध्यक्ष पुखराज बंग व विट्ठलदास तापड़िया, कोषाध्यक्ष बसंत सांवल, सचिव घनश्याम चांडक व सहसचिव ललित गांधी चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

महिला दिवस पर कार्यशाला आयोजित

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में सरकारी अस्पताल की लेडी डॉक्टर ने कन्या भ्रूणहत्या को रोकने और बेटियों को पढ़ाकर पैरों पर खड़े करने के लिए माता-पिता के दायित्व को समझाया। मंडल की सक्रिय सदस्य तथा समाज की उभरती लेखिका सुमिता मूंधड़ा ने भी विचार प्रकट किए। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने महिला डॉक्टर तथा सुमिता मूंधड़ा का पुष्प देकर सम्मान किया। मंडल सदस्यों ने महिला दिवस के शुभ अवसर पर सरकारी अस्पतालों में जाकर 60 से अधिक नवजात शिशुओं को वस्त्र और माताओं को ब्लाऊज पीस देकर खुशी दर्शाई। मंडल अध्यक्ष सरिता कैलाश बाहेती ने ड्रेस स्पॉन्सर करने वाले सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। शारदा लाहोटी ने आभार माना। शमा जाजू, हेमा तापड़िया, उषा बाहेती, सुमिता मूंधड़ा, भगवती भूतड़ा आदि मौजूद थीं। सोनल काला ने स्वरचित काव्यवाचन किया।

पेड़ीवाल बने आईसीएआई में चेयरमैन

लुधियाना. माहेश्वरी समाज अध्यक्ष सीए पंकज पेड़ीवाल को नॉर्थर्न इंडिया रीजनल कौंसिल ऑफ इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह वर्ष 2018-19 के लिए इस पद पर रहेंगे। वर्ष 2011-12 में श्री पेड़ीवाल आईसीएआई की लुधियाना शाखा के भी चेयरमैन रह चुके हैं।

अस्पताल को भेंट की कुर्सियां

भीलवाड़ा. आरकेआरसी माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में अध्यक्ष दिलीप कोगटा व सचिव प्रशांत समदानी के नेतृत्व में सभी सदस्यों द्वारा हड्डी वार्ड का निरीक्षण किया गया तथा हड्डी वार्ड में मरीजों के बैठने हेतु युवा संगठन की ओर से कुर्सियां भेंट की गईं। इसके अंतर्गत उदयलाल समदानी को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर संगठन के नरेंद्र डाड, अनिल लड्ढा, राजन चेचानी और कमल कोठारी मौजूद थे।

पदाधिकारियों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली

नागपुर. प्रगति राजस्थनी महिला मंडल वर्धमान नगर द्वारा गत 15 मार्च को पदारोहण समारोह व होली उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वर्तमान अध्यक्ष विजयश्री सारड़ा ने नई अध्यक्ष अनीता भैया को पदभार सौंपा। मुख्य अतिथि सुनीता सोनी ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। सचिव निकिता बागड़ी, उपाध्यक्ष मंगल सारडा, कोषाध्यक्ष सपना मणियार, प्रचार मंत्री अरुणा पसारी नियुक्त की गईं। कार्यक्रम की संयोजिकाएं सुशीला मंत्री, सरिता पसारी व अरुणा पसारी थी। कार्यकारिणी सदस्यों को सुंदर उपाधियों से अलंकृत किया गया। सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। चंद्रकांत मणियार, मधु सारडा, सरला सोमाणी, उषा सोनी, सरोज पसारी, सरिता पसारी, विजया सारडा आदि मौजूद थीं।

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Spectrum TM
Where service is religion

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

डायबिटीज व ब्लड प्रेशर जांच शिविर

भीलवाड़ा. भोपालगंज माहेश्वरी सेवा समिति एवं सोनी हॉस्पिटल के तत्वावधान में डायबिटीज एवं ब्लड प्रशर जांच शिविर गत 25 फरवरी को सूचना केंद्र चौराहे पर सुबह 9 से 1 बजे तक आयोजित किया गया। भोपालगंज क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष रमेशचंद्र नामधरानी व मंत्री अशोक मालू ने बताया क्षेत्रीय सभा द्वारा दूसरी बार ऐसा शिविर शहर के मध्य में लगाया गया, जिसका 525 व्यक्तियों ने लाभ लिया। अतिथि पूर्व सभापति ओमप्रकाश नराणीवाल, पुष्कर सेवा समिति उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र मूंदड़ा, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया थे।

महिला दिवस पर महिलाएं सम्मानित

पुलगांव. जागतिक महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय रामदेव बाबा मंदिर में वर्धा जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी महिला मंडल पुलगांव ने 'महिला सम्मान 18' मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उषा करवा (अध्यक्ष विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन) ने की। विशेष अतिथि भारती राठी सचिव विदर्भ संगठन, प्रमुख अतिथि जयश्री पनपालिया एवं सुनीता तापड़िया (संयोजिका सुषमा समिति) थीं। वर्धा जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष मंगला राठी एवं सचिव शोभा मूंधड़ा, पुलगांव माहेश्वरी मंडल की अध्यक्ष शकुन मोकाती भी मंचासीन थीं। प्रमुख अतिथि जयश्री पनपालिया ने आदर्श महिला व्यक्तित्व पर मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर अलका जाजू को वर्धा जिला गौरव पुरस्कार, कंचन मूंधड़ा एवं जयश्री पनपालिया को सुश्रिता नारी पुरस्कार प्रदान किए गए। काजल चतुर्भुज पनपालिया का एमकॉम में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सत्कार किया गया।

सच्चाई और अच्छाई की तलाश में दुनिया घूम लें वह अपने में नहीं तो कहीं भी नहीं

नवागत पुलिस कमिश्नर का सम्मान

वरंगल. स्थानीय वरंगल अर्बन के नूतन पुलिस कमिशनर डॉ रविंदर आईपीएस से औपचारिक भेंट माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी व प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा ने की। उन्होंने शॉल व पुष्पगुच्छ से उनका सम्मान किया। समाज की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी एवं हनुमान जन्मोत्सव पर समाज की ओर से रंगमपेट हनुमान मंदिर आने के लिए निमंत्रण दिया।

एमवीपीएम स्कॉलर अवॉर्ड समारोह संपन्न

पुणे. माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल (एमवीपीएम) द्वारा स्थापित एमवीपीएम स्कॉलर अवॉर्ड पुरस्कार के छठवें संस्करण का गत 11 जनवरी को एक गौरवपूर्ण आयोजनपूर्वक लोकार्पण किया गया। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ माहेश्वरी समाज के चौदह प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र, विश्वराज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरुण लखानी, प्रतिष्ठित आईवीएफ विशेषज्ञ और एंजेल इंवेस्टर डॉ. अनिरुद्ध मालपाणी के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार विजेताओं को दुनिया भर से प्राप्त आवेदनों से विशेषज्ञों की टीम द्वारा चुना गया। पुरस्कार कैलाश बियानी मुंबई, शिवनारायण रामनाथ कासट ग्रुप पुणे, मुकुंददास पुरुषोत्तम लोहिया पुणे, डीजे मालपानी समूह संगमनेर, श्रीराम सोनी पुणे, राजेंद्र तापड़िया पुणे और एमवीपीएम होस्टल के पूर्व छात्रसंघ द्वारा प्रायोजित थे। माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल के अध्यक्ष अतुल लाहोटी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

नववर्ष का किया स्वागत

हैदराबाद. महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में हिंदू नववर्ष उगादी के अवसर पर पंचांग श्रवण ज्योतिषाचार्य पं. भवानीशंकर केरिया व पं. यज्ञनारायण शर्मा द्वारा किया गया। चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन ईमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेशचंद असावा एवं बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक व अधिकारी उपस्थित थे।

अब 'पुरी' को मिलेगी सेवा सदन की सौगात

शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने किया भूमिपूजन, सात मंजिला बनेगा भव्य भवन

पुष्कर. देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर माहेश्वरी संस्कृति के अनुरूप तीर्थ यात्रियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने वाली शीर्ष सेवा संस्था अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुरी में भी अपनी सेवा प्रदान करेगा। इसके लिए 7 मंजिला भव्य भवन का निर्माण किया जाएगा, जो 2 वर्ष में पूर्ण होकर समाज की सेवा में समर्पित हो जाएगा।

लंबे समय से पुरी में सेवा सदन के भवन का सपना देखने वाले समाजजनों का सपना पूर्ण होने जा रहा है। इसके लिए यहां एक एकड़ भूमि कृपालुजी महाराज के आश्रम के सामने 200 फीट चौड़ी रोड पर खरीदी गई है। भवन निर्माण के लिए सेवा सदन मंत्री कैलाश सोनी को भवन निर्माण संयोजक बनाया गया है। दानदाता भी इसके निर्माण में खुलकर सामने आ रहे हैं। यदि सबकुछ ठीक रहा तो सेवा सदन का यह प्रयास है कि यह भवन आगामी 2 वर्ष में पूर्ण होकर समाज को समर्पित हो जाएगा। यह भवन सेवा सदन के सेवा भवनों की शृंखला में एक नया आयाम होगा।

भव्य रूप में हुआ भूमिपूजन

गत 12 मार्च को श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर के अंतर्गत पुरी में भवन बनाने हेतु भूमिपूजन एवं शिलान्यास संपन्न हुआ। मुख्य यजमान एवं शिलान्यासकर्ता कटक के शंकरलाल मूंधड़ा थे। मुख्य अतिथि लक्ष्मीनारायण सोमानी (मुंबई), विशिष्ट अतिथि जयनारायण भूतड़ा (कोलकाता) एवं स्वागताध्यक्ष पुरुषोत्तम मीमानी (कोलकता) थे। इस कार्यक्रम में गोवर्धनपीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने शिलालेख का अनावरण किया। इस अवसर पर एक सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें सेवा सदन की ओर से भूमि भामाशाहों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवा सदन के अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला, महामंत्री रमेश छापरवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश झंवर मौजूद सहित कई पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्यगण, मार्गदर्शकगण, विशेष आमंत्रित सदस्यगण सहित 500 से अधिक समाजजनों की उपस्थिति रही। महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने सभी का आभार माना।

सर्वसुविधायुक्त व भव्य रहेगा भवन

इस परियोजना के भवन निर्माण संयोजक कैलाश सोनी एवं सहसंयोजक मदनमोहन राठी ने बताया कि यह भवन 1 एकड़ भूमि पर बनेगा जिसमें 120 कमरे, 1 बड़ा हॉल (7 हजार वर्गफीट), 2 मिनी हॉल, 1 कॉन्फ्रेंस हॉल, 3 रसोई सहित डाइनिंग हॉल, बेसमेंट पार्किंग इत्यादि के साथ आधुनिक सुविधाओं सहित भवन का निर्माण होगा। इसके पीछे लक्ष्य यही है कि श्रद्धालुओं को उनकी आवश्यकता व संस्कृति के अनुरूप सुविधाजन आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। हमारा प्रयास है कि इसे आगामी 2 वर्ष में पूर्णकर समाज को समर्पित किया जा सके।

मिसाल बनी आदर्श विवाह

कन्नौद. देवास में राजेश तथा सुनीता धूत की सुपुत्री शुभी की सगाई, रविकुमार तथा रेणु केला के पुत्र अनुराग से करने हेतु केला परिवार के सदस्य अमरावती से आए थे। 16 फरवरी को सगाई हुई। विवाह 20 अप्रैल का तय हुआ मगर सगाई होने के बाद वर एवं वधू के पहल पर दोनों पक्षों ने सहमति से सगाई के तुरंत दो दिन बाद ही यानी 18 फरवरी को शुभ मुहूर्त में शादी व बिदाई कर दी। सादगी से इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वर-वधू ने समाज की आने वाली पीढ़ी के लिए एक आदर्श स्थापित किया है। माहेश्वरी समाज इंदौर व युवा संगठन ने दोनों पक्षों का हार्दिक सत्कार किया। पश्चिमांचाल महासभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी भी विशेष रूप से मौजूद थे।

नवसंवत का किया स्वागत

भीलवाड़ा. चैत्र नवरात्रा हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2075 की प्रातः वेला पर शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन पर सुबह 7 से 9 बजे तक नववर्ष मिलन समारोह रखा गया। मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि उद्घाटन नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री केदार गगरानी, शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष फतहलाल जैथलिया, शिव नुवाल, सत्यनारायण मूंदड़ा, रतनलाल चेचानी, सुशील मरोठिया, हरिनारायण मोदानी, प्रहलाद मंडोवरा आदि ने किया।

महिला दिवस पर बियानी–खटौड़ सम्मानित

खरगोन. जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी और जानकी खटौड़ का महिला दिवस पर रोटरी क्लब ने सम्मान किया। अपने अनेकों रूपों में इस सृष्टि का सफल संचालन कर रही नारी शक्ति की महत्ता का स्मरण कराते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर निमाड़ की मातृशक्ति हेतु खरगोन नगर में रोटरी क्लब खरगोन के माध्यम से यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

भंडारी हुईं सम्मानित

उदयपुर. क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 28 महिलाओं को इस वर्ष के वूमेन ऑफ सब्स्टेन्स अवॉर्ड से नवाजा गया। इस सम्मान समारोह के समन्वयक संयोजक अल्पेश लोढ़ा थे। मुख्य अथिति डॉ. आनंद गुप्ता थे। इस अवसर पर डॉ. विमला भंडारी को उनकी दीर्घकालीन उल्लेखनीय साहित्यिक सेवा के लिए अवॉर्ड दिया गया। जिसके तहत उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया।

मालानी बने तहसील अध्यक्ष

चिखली (बुलढाणा). समाज के सक्रिय कार्यकर्ता कमलनयन मालानी का चिखली तहसील अध्यक्ष पद पर मनोनयन हुआ है। आप हाल ही में चिखली अर्बन कोऑपरेटिव बैंक से निवृत्त हुए हैं।

बाहेती बने युवा संगठन सचिव

अकोला. महाराष्ट्र के युवा संगठक में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता गणपतलाल बाहेती के सुपुत्र प्रो. राम बाहेती सचिव चुने गए। नियुक्ति पर सभी समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अर्ची को एकेडेमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड

इंदौर. अर्ची काबरा को माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे ने एकेडेमिक एक्सीलेंस के लिए स्कॉलर 2017 की पदवी से नवाजा और गोल्ड मेडल प्रदान किया। अर्ची को यह पुरस्कार देश के शीर्ष उद्योगपति अरुण लखानी एवं एंजेल इंवेस्टर डॉ. अनिरुद्ध मालपानी के करकमलों द्वारा पुणे में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रदान किया गया। अर्ची ने आईआईटी मुंबई से बीटेक एवं एमटेक श्रेष्ठ अंकों के साथ उत्तीर्ण किया है।

बेस्ट आइडिया के लिए डॉ.माहेश्वरी पुरस्कृत

उदयपुर. राजस्थान आईटी दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर में आयोजित हुए डिजीफेस्ट के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आइडियाज को आमंत्रित करने के लिए 'एजुहेक प्रतियोगिता' आयोजित हुई। इसमें राज्य के 51 प्रतिभागियों में शिक्षा के क्षेत्र में बेस्ट आइडिया के लिए राजकीय मीरा कन्या कॉलेज में भूगोल के सहआचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी को प्रथम पुरस्कार मिला।

ब्यूटी विथ ब्रेन बनी चंचल

इंदौर. समाजसेवी चंचल झंवर ने सिंगापुर में आयोजित मिसेज इंडिया इंटरनेशनल 2018 में विजेता बनकर फर्स्ट रनरअप का ताज अपने नाम कर लिया। इसके अलावा उन्हें सर्वोच्च सम्मान ब्यूटी विथ ब्रेन की विजेता के ताज से भी नवाजा गया। इस स्पर्धा के फाइनल राउंड में चंचल ने कई देशों से आई 32 खूबसूरत प्रतियोगियों को सभी राउंड में पीछे छोड़कर जीत हासिल की।

दम्माणी ने आयोजित किया निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श

बीकानेर. दम्माणी फूड्स प्रोडक्ट्स द्वारा गत 23 मार्च को स्थानीय गोपीनाथ भवन (दम्माणी मोहल्ला) में एएसजी नेत्र चिकित्सालय समूह के तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इसमें श्री गोपीनाथ मंदिर ट्रस्ट ने सहभागिता निभाई। शिविर में डॉक्टर निशांत पुरोहित ने करीब 250 नेत्र रोगियों के नेत्रों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया व निःशुल्क दवा का वितरण किया। दम्माणी फूड्स प्रोडेक्ट्स के संचालनक नारायणदास दम्माणी ने बताया कि सुबह से ही बड़ी संख्या में रोगियों ने अपना पंजीकरण करवाने का कार्य प्रारंभ कर दिया था। श्री गोपीनाथ भवन के मैनेजर ताराचंद मूंधड़ा ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। किसन दम्माणी, किसनगोपाल दम्माणी, राजेश मोहता, पवन राठी, सुशील दम्माणी, दीपक मूंधड़ा, डॉ. प्रीति गुप्ता (नाड़ी वैद्य), रमेश धनानी आदि उपस्थित थे।

भूतड़ा बने प्रथम श्रेणी न्यायाधीश

खामगांव. सामाजिक कार्यकर्ता स्व. श्री किशनगोपाल भूतड़ा के ज्येष्ठ सुपुत्र ओमप्रकाश भूतड़ा की जिला न्यायाधीश 1 पद पर पदोन्नति हुई है। उनकी पदस्थापना सत्र न्यायाधीश के रूप में (जलगांव) खानदेश में हुई है।

शालिनी बनी डेंटल ऑफ सर्जन

उज्जैन. समाज के वरिष्ठ ओमप्रकाश मूंदड़ा की पौत्री व संजय-मंजू मूंदड़ा की सुपुत्री शालिनी को मणिपाल यूनिवर्सिटी द्वारा डेंटल ऑफ सर्जन की उपाधि से नवाजा गया है। शालिनी समाजसेवी अजय मूंदड़ा की भतीजी हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हाइकू

आँखों से भी बताई जाती हैं
सच्चाईयाँ कुछ,
लफ़्ज़ों की ज़रूरत
हर बार नहीं होती।

अपनी हर फतह पर
इतना गुरुर मत कर...!
मिट्टी से पूछ आजकल
सिकंदर कहाँ है?

जो सच है
छुपा लेती हो मुझसे,
तुम्हें तो अखबार
होना चाहिए था।

जैसा मूड़ हो
वैसा मंजर होता है..
मौसम तो इंसान के
अंदर होता हैष्ठ

सारे "परफ्यूम"
एक तरफ...
माँ के ठपल्लूठ की
"खुश्बू" एक तरफ...

राम मूंदड़ा, इन्दौर

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
"खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon
जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
"**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

नए साहित्यकारों का संबल बनेगा

ऋषिमुनि प्रकाशन

आप अच्छे लेखक है तो आपको एक अच्छे प्रकाशक की भी जरूरत है जो आपके बजट में आपकी अनमोल कृति का प्रकाशन कर पाठकों तक पहुंचा सके। देश में ऐसे कई प्रतिभाशाली लेखक है जिनकी कृतियां केवल प्रकाशन के अभाव में पाण्डुलिपि की मुद्रा में ही रखी रह गई है। ऐसे सभी लेखकों के लिए उज्जैन का ख्यात ऋषिमुनि प्रकाशन आपके लिए समाधान बनकर आया है। हम नये साहित्यकारों को उनकी पुस्तक के प्रकाशन में मदद करेंगे। आपकी रचनाओं को प्रकाशित करने की चिंता अब हम लेने को तैयार है, आपने जिस चिंतन, मनन और भावनाओं को शब्दों में पिरोया है उन शब्दों की माला पाठकों तक पहुंचाने के लिए हमारा प्रकाशन आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार है तो बस अब आप अपनी रचनाओं का प्रकाशन कराने के लिए शीघ्र सम्पर्क कीजिए। जल्दी ही आप देश के साहित्य जगत में प्रतिष्ठित होंगे।

30 साल का हमारा अनुभव

भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन (मप्र) से लगभग 30 वर्ष पूर्व 'ऋषिमुनि प्रकाशन' ने एक लघु पौधे के रूप में अपनी शुरुआत की थी। लक्ष्य था कला, साहित्य व धर्म की सेवा करना। प्रकाशन ने कई ख्यात पुस्तकों का प्रकाशन इस दौरान किया और वह एक वटवृक्ष का रूप लेता चला गया। वर्तमान में ऋषिमुनि प्रकाशन पुस्तकों के प्रकाशन के साथ ही नियमित रूप से लोकप्रिय मासिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स, साप्ताहिक समाचार पत्र ऋषिमुनि, मालवी पत्रिका 'म्हारो मालवो' आदि का नियमित प्रकाशन कर रहा है। इसके साथ ही ज्योतिष जगत में विशेष मान्यता प्राप्त श्री विक्रमादित्य पंचांग तथा अवंतिका पंचांग का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

आईएसबीएन की साख भी

आपकी पुस्तक आकर्षक कलेवर में 'आईएसबीएन' के साथ प्रकाशित होगी। यह आईएसबीएन नम्बर किसी भी पुस्तक के लिए इसलिए जरूरी है कि इससे पुस्तक की प्रमाणिकता और साख स्थापित होती है, जो अन्य कई प्रकाशक नहीं दे पाते। आपकी कृति का प्रकाशन न्यूनतम दर पर किया जाएगा। इसमें आपके सहयोग के लिए कई सेवाएं भी समाहित होंगी, जैसे- टाइपिंग, प्रूफ रीडिंग, डिजाइनिंग आदि। आप अपनी रचनाओं को दे सकेंगे, अत्यंत उत्कृष्ट स्वरूप और वह भी आपके बजट में। यह सहयोग आपको साहित्य जगत में एक लेखक के रूप में प्रतिष्ठित करेगा।

सम्पर्क

90, विद्या नगर, सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष – 0734-2526561, 2526761 मोबाइल : 094250-91161

E-mail : rishimuniprakashan@gmail.com

स्नेह की कुहारों में भीगा 'माहेश्वरी मन'

रंगोत्सव होली व फागोत्सव माहेश्वरी समाज ने अपनी परम्परा के अनुसार सामूहिक रूप से मनाया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा होली स्नेह मिलन समारोहों का आयोजन भी किया गया। जिनमें प्रतिभाओं ने भी अपनी प्रतिभाओं के रंग दिखाऐं

पिपरिया. स्थानीय महिला परिषद ने फाग मंडली का आयोजन किया। इस अवसर पर फागुनमास के महीने में होली रंगपंचमी के त्योहार को लेकर वैष्णव परिवारों में भजन कीर्तन कर आयोजन किया जाता है। प्रचार प्रसार मंत्री अंजू घुरका ने बताया कि होली के गीतों पर शिल्पा भट्टर, शिवानी जावंधिया, श्वेता, प्रियंका, नुपूर आदि ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय महिला परिषद कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, प्रदेश सचिव आशा मालपानी, प्रदेश सौष्ठा संयोजक सरला भट्टर, महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, सहसचिव साधना घुरका, उपाध्यक्ष किरण हुरकट सहित समाज की कई सदस्याएं मौजूद थीं।

खरगोन. माहेश्वरी महिला मडंल ने मनाया फाग उत्सव मनाया। फूलों व गुलाल से भजन के साथ होली खेली गई। अनेक प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं। इनमें अलका सोमानी व पुष्पा जाजू को पुरस्कृत किया गया। प्रथम अलका सोमानी, द्वितीय उषा सोमानी व तृतीय किरण आगाल रहीं। आयोजन जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी के निवास पर हुआ। उषा सिंगी, अलका सोमानी, जानकी खटौड़, अमिता खटौड़, उषा सोमानी, पुष्पा जाजू आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

बीकानेर. एमडीवी सेलिब्रेटी ग्रुप द्वारा मुरलीधर व्यास नगर के सामुदायिक भवन नंदीश्वर महादेव मंदिर पार्क परिसर में होली स्नेह मिलन समारोह मनाया गया। पूनम राठी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगंगानगर पारिवारिक मामलों के न्यायाधीश लक्ष्मणदत्त किराडू, समाजसेवी राजेश चूरा, डॉ. राहुल हर्ष, विनीताकुमार (डीजीएम एसबीआई), पीएस यादव (एजीएम एसबीआई), पार्षद नरेश जोशी, केपी बिस्सा आदि ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक योगेश बिस्सा व सहआयोजक किशोर पारिक ने बताया कि इस अवसर पर चंग पर धमाल व फागोत्सव कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें बीकानेर, मथुरा व वृंदावन से आए कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन पवन राठी ने किया।

मेरठ. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा मंदिर में ठाकुरजी के साथ होली उत्सव मनाया गया। फूलों व गुलाल से होली खेली गई। होली के भजन गाये गए। इस दिन अन्नपूर्णा मंदिर सदर में बच्चों व गरीबों को भोजन कराया गया तथा सभी को गुलाल के पैकेट्स, फल व बिस्कुट उपहार में दिए गए। महिला मंडल की तरफ से 501 रुपए मंदिर में अखंड दीपक जलाने के लिए दिए।

सिलीगुड़ी. माहेश्वरी समाज सिलीगुड़ी की ओर से गत 25 फरवरी को स्थानीय माहेश्वरी सेवा सदन के लॉन में होली मिलन समारोह 'होली धमाल 2018' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर बंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी, माहेश्वरी युवा संस्था व माहेश्वरी महिला मंडल के पदाधिकारियों ने किया। तत्पश्चात चारों संस्थाओं की ओर से होली की शुभकामना के साथ होली गुलाल उड़ाकर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कोलकाता से आमंत्रित 16 सदस्यीय टीम ने संगीतमय नाटिका 'साजनजी घर सूं फरार' का मंचन किया। नृत्य नाटिका में राजस्थानी गीत संगीत का भी समावेश किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में उत्तर बंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी, माहेश्वरी युवा संस्था, माहेश्वरी महिला मंडल के सभी सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन रात्रि सहभोज के साथ हुआ।

नौखा. प्रतिवर्षानुसार माहेश्वरी समाज नौखा द्वारा होली स्नेह मिलन कार्यक्रम 'होली धमाल' धूमधाम से मनाया गया। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि इसका आयोजन 28 फरवरी को श्रीकृष्ण मंदिर प्रांगण में 3 से 7 बजे तक माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। युवाओं ने चंग की थाप पर होली के गीतों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान स्वांग प्रतियोगिता भी रखी गई। प्रथम तीन स्थान पर रहने वालों को पुरस्कृत किया गया। पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर, समाजसेवी जगदीश बागड़ी, जेठमल दरक, उप्र माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष लता मूंधड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उज्जैन. माहेश्वरी महिला मंडल एवं प्रगति मंडल ने श्री चारभुजानाथ मंदिर गोलामंडी में फाग उत्सव मनाया। कान्हा बनी उषा सोडानी, राधा बनी रितु समदानी के साथ भजनों में सखियां बन सब थिरके। गुलाल व अबीर तथा फूलों से भगवान के साथ होली खेली। तेजूदेवी तोषनीवाल, शांतादेवी मंडोवरा, पुष्पा मंत्री, संगीता भूतड़ा, आरती राठी, सरिता बाहेती, विमला कासट, शोभा मूंदड़ा, उषा मूंदड़ा, हेमा समदानी, निशा राठी, ममता बांगड़, संध्या हेड़ा सहित करीब 50 सदस्याएं मौजूद थीं।

बैंगलोर. माहेश्वरी सभा का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम गत 4 मार्च को पैलेस ग्राउंड स्थित किंग्स कोर्ट में संपन्न हुआ। सचिव निर्मलकुमार तापड़िया ने समाज बंधुओं को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनका स्वागत किया। पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठ सदस्यों किशनलाल डागा व माधवदास जाजू द्वारा दीप प्रज्वलित किया। सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा ने उद्बोधन में समाजबंधुओं को होली की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद स्पर्धा एवं प्रादेशिक स्तर पर लिटिल स्टार प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया ने बैंक संबंधित जानकारी दी। समाज सदस्य श्रीकुमार लखोटिया का उनकी उपलब्धि पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहसचिव अजय राठी ने किया। आभार कार्यसमिति सदस्य नंदकिशोर दरक ने व्यक्त किया।

फरीदाबाद. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा होली पर्व को माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में युवा संगठन ने 5 दिवसीय चंग वादन के कार्यक्रम के साथ आयोजित किया। इसके लिए राजस्थान के छापर शहर से 15 कलाकारों की पार्टी पूरे साज बाज के साथ बुलवाई गई। इस आयोजन को सफल बनाने में राकेश सोनी, राजू सोमानी, दिलीप जाजू, नवरतन बिहानी, नंदकिशोर झंवर, आनंद बागड़ी, सुशील सोमानी, शैलेष मूंधड़ा, मनीष नेवर, संजय सोमानी, संजीव मेहता व संदीप कोठारी का विशेष योगदान रहा। महिला मंडल ने भी आकर्षक नृत्य (घूमर) आदि पेश किए। समारोह समापन में मंडल अध्यक्ष सुशील नेवर व सचिव बिनोद बिहानी ने सभी बंधुओं को चंदन का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं।

सब कुछ चाहने से हासिल हो
ये मुमकिन नही
ये जिंदगी है
माता पिता का घर नहीं

नीमच. विधायक दिलीपसिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य में माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी भवन की महेश विंग के 19 कमरों का लोकार्पण व होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से मिलकर माहेश्वरी समाज को स्कूल के लिए भूमि दिलाने का प्रयास किया जाएगा। नीमच-मनासा सीमेंट-क्रांकीट सड़क की सुविधा क्षेत्रवासियों के लिए अभिनव सौगात है। भवन निर्माण में आतिश तोतला व सुनील गगरानी का योगदान सम्मान योग्य कदम है। एलन इंस्टिट्यूट निदेशक गोविंद माहेश्वरी ने प्राकृतिक फूलों से ही होली खेलने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष अतिथि पूर्व विधायक डॉ. संपतस्वरूप जाजू थे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश मंत्री एवं मनोज नवाल ने किया। समारोह में रामकिशोर राठी अजमेर, आतिश तोतला, सत्यनारायण गट्टानी ने भी विचार व्यक्त किए। शुभारंभ सूरजदेवी गट्टानी, लक्ष्मी बियानी, लीला मंडोवरा, शारदा गट्टानी ने किया। समारोह में गोविंद माहेश्वरी, डॉ. संपतस्वरूप जाजू, रामकिशोर राठी, समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश मंत्री, वंदना मंत्री, किरण माहेश्वरी कोटा, मनमोहन, सरोजदेवी गट्टानी, अतिष तोतला, सुनील गगरानी, ठेकेदार पृथ्वीराज कुमावत, महावीर, किशोर कुमावत, निर्मल विश्वकर्मा, हलवाई सुखलाल का शॉल-श्रीफल व साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन मौजूद थे।

बीकानेर. स्थानीय श्री माहेश्वरी महिला समिति द्वारा होली उत्सव उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। पवन राठी ने बताया कि फागोत्सव के कार्यक्रम का आयोजन महिला समिति अध्यक्ष अंजलि झंवर के नेतृत्व में किया गया। महिला समिति सचिव कंचन राठी ने बताया कि राधा-कृष्ण के साथ तरह-तरह के रंगों व फूलों से सभी ने होली खेलकर फागोत्सव का आनंद लिया। श्रीकृष्ण की समिति उपाध्यक्ष निशा झंवर राधा के रूप में विभा बिहाणी ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर महिला समिति संरक्षिका किरण झंवर, सरला लोहिया, प्रिया राठी, वीणा झंवर, रेखा लोहिया, मंजू दम्माणी, रश्मि झंवर, रश्मि लाठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की एकमात्र पारिवारिक संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा होली से पूर्व मुरलीधर व्यास नगर रोड स्थित दम्माणी हैरिटेज में फागोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पवन राठी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में उप्रा अध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी, प्रीति क्लब अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, सचिव नारायणदास दम्माणी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, अशोक बागड़ी, विजय थिराणी आदि ने भगवान राधा-कृष्ण के छायाचित्र पर पुष्पमाला पहनाकर व गुलाल द्वारा तिलक कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया। समाज के प्रमुख गायक नारायण बिहाणी, भतमाल पेड़ीवाल व अनीता मोहता ने अपनी मधुरवाणी में होली के गीतों के रसियों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रीति क्लब के सचिव नारायणदास दम्माणी ने किया। मगनलाल चांडक, कालू राठी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, कामिनी कल्याणी, लक्ष्मी दम्माणी, सपना बागड़ी, नारायण दम्माणी, घनश्याम कल्याणी, पवन राठी, राजेंद्र चांडक, किशन दम्माणी, नारायण डागा आदि उपस्थित थे।

दिल्ली. गत 28 फरवरी को उत्तरी क्षेत्र दिल्ली का होली मंगल मिलन समारोह आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र के पदाधिकारी अध्यक्ष माणकलाल झंवर, सचिव चंद्रमोहन मूंधड़ा द उपाध्यक्ष राजेश सोनी के सान्निध्य में मिलन समारोह मनाया गया। इसमें समाज के छोटे बच्चों द्वारा गणेश वंदना व गायन की प्रस्तुति दी गई। चंग की धमाल संस्था के सदस्य व समाजजनों द्वारा होली के गीत व चंग का प्रोग्राम राकेश चंडालिया एंड धमाल पार्टी द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन मीनू व पायल द्वारा किया गया। आयोजन स्थल पुराना बासत घर, गुलाबी बाग, दिल्ली था। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा श्याम जाजू थे।

भोपाल. अंतरराष्ट्रीय कलाकार मोंटी नटराजन की टीम ने रास नृत्य और मप्र के सुप्रसिद्ध भजन गायक रवि खरे के फाग गीतों की धुनों पर मानस भवन का मुक्ताकाशी मंच वृंदावन की मस्तीभरी फूलों की होली से सराबोर हो गया। अवसर था, माहेश्वरी समाज भोपाल पूर्वांचल द्वारा आयोजित होलिकोत्सव का।

राज्यमंत्री विश्वास सारंग एवं सांसद आलोक संजर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा झंवर, सचिव अनीता जावंधिया, प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश झंवर, भोपाल जिला सभा अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी (बांगड़), सचिव राजेंद्र गट्टानी, महिला संगठन जिलाध्यक्ष रंजना बाहेती, सचिव जयश्री बजाज सहित वरिष्ठ समाजसेवी वैद्यराज रमेश माहेश्वरी, गोपाल गोदानी, जीपी सोमानी, ओमप्रकाश काबरा, मेघराज भुराड़िया, रूपनारायण भट्टर, अशोक मूंदड़ा, दीपक बाहेती सहित समाजजन मौजूद थे। माहेश्वरी समाज पूर्वांचल के अध्यक्ष शिशिर माहेश्वरी एवं सचिव सुनील मानधन्या, महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता झंवर, सचिव सरिता मालपानी और कार्यक्रम संयोजक विकास प्राची मूंदड़ा तथा सहसंयोजक मनोज-मनीषा काबरा और अनुभव-तृप्ति राठी आदि की टीम ने इस आयोजन को स्मरणीय बना दिया।

इटारसी. माहेश्वरी समाज द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन मप्र पूर्व क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विजय राठी एवं मानद मंत्री लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर इटारसी माहेश्वरी समाज एकत्रित था। संगीतमय महेश वंदना की प्रस्तुति रीतू राठी एवं अर्चना चांडक द्वारा दी गई। इसके पश्चात मंचासीन पदाधिकारियों के आतिथ्य में स्वागत गीत की संगीतमय प्रस्तुति रेखा राठी एवं सोनी राठी द्वारा दी गई। स्थानीय इकाई के अध्यक्ष मेघराज राठी होशंगाबाद, हरदा जिला महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा भूतड़ा एवं स्थानीय इकाई की सचिव ममता बंग द्वारा होली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस अवसर पर अभा स्तर पर चल रहे आर्थिक सर्वे के फॉर्मों की छायाप्रति, मानद मंत्री को सौंपी गई। कार्यक्रम का संचालन आरके बंग द्वारा किया गया।

भूमि मोवा पर किया गया। महेश सभा, महेश महिला संगठन एवं महेश युवा संगठन के सदस्यों द्वारा एक-दूसरे को केसर का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। महेश महिला संगठन के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं घूमर नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान ठंडाई, भोजन आदि की व्यवस्था रखी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रकाश भट्टड़, कन्हैयालाल करनानी, किसनलाल राठी, जगदीश मोहता, महावीर मंत्री आदि उपस्थित थे। जानकारी महेश सभा के सचिव किसनगोपाल करवा ने दी।

इंदौर. श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी समाज का स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह दलाल बाग में संपन्न हुआ। सम्मेलन के अतिथि सुभाष राठी, श्रीनिवास सोनी, राजेश भट्टड़ व सुरेश बाहेती थे। संस्था अध्यक्ष जयनारायण दम्माणी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में मप्र फॉर्मासिल काउंसिल में मप्र शासन के द्वारा युवा समाजसेवी घनश्याम काकाणी को उपाध्यक्ष मनोनीत करने पर अभिनंदन किया गया। 3 कुंवारी कन्याओं व सीए एवं डॉक्टर बनने वाले गोविंद सोमानी, दीपक भूतड़ा व मरणोपरांत नेत्रदान व देहदान करने वाले मालपानी परिवार का सम्मान किया। इस अवसर पर महिला मंडल के द्वारा होली नृत्य नाटिका, युवा संगठन के द्वारा रंगारंग तंबोला एवं सखी संगठन के द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशेष रूप से अशोक डागा, कैलाश मूंगड़, लक्ष्मण माहेश्वरी, रामेश्वर असावा, राधाकिशन सोनी, बंसीलाल किरण, गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, डिंपल माहेश्वरी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कमलेश माहेश्वरी ने किया।

कोलकाता. सामाजिक संस्था नींबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब एवं श्री नींबूतल्ला भवन ट्रस्ट द्वारा हर्षोल्लास के साथ होली प्रीति सम्मेलन का आयोजन गत 25 फरवरी को ट्रस्ट भवन में किया गया। कई सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता इस समारोह में शामिल हुए। सुबह कच्ची रसोई, शाम को ठंडाई एवं उत्तम अल्पाहार की व्यवस्था थी। इसमें पुरुषोत्तमदास मिमानी, सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा, घनश्यामदास मुंधड़ा, अनिल पोद्दार 'सत्यम', किशनलाल मोहता, अमित दम्माणी, जयकिशन झंवर, दिलीप पचिसिया, किरण झँवर आदि मौजूद थे।

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फागुण महोत्सव मनाया गया। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की मयूर रूप में झांकी प्रस्तुत की गई। सूत्र संचालन शमा जाजू ने किया। किरण जाजू, बीना भंडारी, शारदा लाहोटी, सुमिता मूंधड़ा, सरला सारडा, प्रेमा सारडा, अंजू दरक आदि का विशेष सहयोग रहा।

गुना. माहेश्वरी समाज द्वारा गत 2 मार्च को होली मिलन समारोह पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके बाद फूलों की होली खेली गई। आखिरी में स्वल्पाहार से कार्यक्रम का समापन किया गया। माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रवीण सोमानी, अध्यक्ष आशा राठी, सचिव पद्मा लाहोटी, ममता माहेश्वरी, रेणु सोमानी सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

नागपुर. नगर वरिष्ठ माहेश्वरी सभा द्वारा होली मिलन समारोह महेश भवन गांधीबाग नागपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रमेश गांधी थे। डॉ. रमेश गांधी ने अपने प्रस्तावित भाषण में 'हास्य का स्वास्थ्य से क्या संबंध है? विषय पर प्रकाश डाला। समारोह का विशेष आकर्षण गोपाल सादानी, विजय पचीसिया, ललित गांधी, ओमप्रकाश सोनी, घनश्यामदास पनपालिया, घनश्याम चांडक, डॉ. राजकुमार राठी आदि रहीं। कार्यक्रम में रामरतन सारडा, गोविंदलाल सारडा, भगवानदास डागा, लक्ष्मणसिंह मोहता, चंद्रकिशोर चांडक, मथुरादास पनपालिया, बद्रीनारायण छापरवाल, सत्यनारायण जाजू सहित कई सदस्य मौजूद थे।

सौसर (छिंदवाड़ा). राजस्थानी महिला मंडल द्वारा गत 11 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन केसरबाई चांडक भवन में किया गया। संस्थापिका सरला चांडक एवं शीला डांगर द्वारा नए पदाधिकारी का चुनाव किया गया। इसमें अध्यक्ष चित्रा राठी, उपाध्यक्ष सुरेखा डागा, सचिव सुनीता बागानी, सहसचिव कंचन राठी, कोषाध्यक्ष प्रतिभा चांडक, सहकोषाध्यक्ष वैशाली पालीवाल चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्याएं भी चयनित की गईं।

नागदा. स्थानीय श्री माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में होली पर्व (धुलेंडी) एक नई पहल के साथ शहर के बाहर हताई-पालकी हनुमान मंदिर के पास परंपरागत तरीके से मनाया गया। इसमें काव्य गोष्ठी, होली की रंगारंग हाऊजी गेम, होली का नाटक, ठंडाई, खेलकूद एवं फूल गुलाल की होली का भरपूर आनंद उठाते हुए सुमधुर संगीत के साथ भोजन का भरपूर आनंद लिया गया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, सचिव तारा मोहता, नई मुंबई के खारगर समाज अध्यक्ष मदन माहेश्वरी, समाज के वरिष्ठ गोविंदलाल मोहता, बंशीलाल राठी, ताराचंद मालपानी, गोपाल मोहता, नरेंद्र राठी, प्रदीप राठी, बंशीलाल मालपानी आदि कई समाजजन उपस्थित थीं।

भीलवाड़ा. मरूधरा माहेश्वरी संस्थान द्वारा होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक शांतिप्रकाश मोहता ने बताया कि मरूधरा माहेश्वरी संस्थान के अध्यक्ष नंदकिशोर झंवर, श्याम चांडक, धनराज जाजू, राजेंद्रप्रसाद मूंदड़ा, राधाकिशन सोमानी, अनिल राठी व राधेश्याम सोमानी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सचिव राकेश काबरा ने बताया कि शाम 6 बजे से राजस्थानी लोकगीत, चंग धिंदड़ व धमाले आदि की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर आरएन नौलखा, कैलाश कोठारी, देवेंद्र सोमाणी, सुरेश कचौलिया, राधेश्याम चेचाणी, राजेंद्र कचौलिया, केदार गगरानी, गोपाल नराणीवाल, राजेंद्र बिड़ला, नरेंद्र मंडोवरा, हरीश पोरवाल, तरुण सोमाणी, जगदीश लढ़ा आदि ने चंग का आनंद लिया।

गणगौर से अखंड दाम्पत्य की कामना

गणगौर पर्व माहेश्वरी ही नहीं बल्कि राजस्थानी संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। इसके अन्तर्गत ईशर गौर की पूजा कर महिलाएं अखंड दाम्पत्य की कामना करती हैं। माहेश्वरी समाज की विभिन्न महिला संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से गणगौर पर्व का आयोजन मनोरंजक व धार्मिक कार्यक्रमों के साथ किया गया।

● **अहमदाबाद.** सुचिता समिति के अंतर्गत माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद द्वारा गत 5 मार्च को हर्षोल्लास के साथ गणगौर उत्सव मनाया गया। इसमें तीन-तीन सखियों का ग्रुप बनाकर चार राउंड में स्पर्धा रखी गई, जिनमें मिट्टी की गणगौर बनाकर सजाना, झेल सजाना, गौर का गीत गाना तथा गणगौर पर्व पर प्रश्न उत्तर शामिल थे। इसमें 24 सखियों ने भाग लिया एवं स्पर्धाओं का आनंद लिया। इसमें संगठन की 120 सदस्याएं मौजूद थीं। उक्त जानकारी अध्यक्षा मीना मूंदड़ा और सचिव अनुराधा अजमेरा ने दी।

● **खरगोन.** गणगौर पर्व पर माहेश्वरी समाज की महिलाओं द्वारा फूलपाती खेली गई। गणगौर माता को पाणी पिलाकर पति की लंबी उम्र की कामना की तथा गेम खेले। प्रथम उषा सोमानी, द्वितीय अंजलि जाजू, तृतीय जाजू रहीं। जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, सेक्रेटरी उषा सोमानी, जानकी खटौड़, उषा सिंगी, कांता सोनी, पुष्पा जाजू, अंजलि जाजू, अलका आदि उपस्थित थे।

● **उदयपुर.** होली के पावन पर्व के दूसरे दिन से आयोजित होने वाले गणगौर पर्व में कुंवारी कन्याएं अच्छे वर व विवाहिताएं पति की दीर्घायु के लिए पूजन करती हैं। मनोज राठी ने बताया मुरलीधर व्यास नगर स्थित भूतनाथ मंदिर के पीछे "शांता कुंज" में शीतलाष्टमी से आयोजित पर्व में दातणीये व बांसे की रस्म निभाई गई। इसके अंतर्गत सभी बालिकाओं व महिलाओं ने एक थीम "मेहरुन रंग" की साड़ियां पहन रखी थीं। राजस्थानी तथा फिल्मी धुन पर आधारित गीतों में मुख्य रूप से शांता राठी, रश्मि राठी, पुष्पा मूंधड़ा, लक्षिता (रानी), महक राठी, पूजा राठी, मंजू चांडक, पिंकी बिहाणी, मनीषा राठी आदि ने विशेष प्रस्तुति दी। इस अवसर पर नन्हीं बालिकाएं महक राठी व लक्षिता राठी ने नृत्य भी पेश किया।

● **सीताबर्डी.** माहेश्वरी महिला संगठन सीताबर्डी माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी द्वारा राजस्थान का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार 'गणगौर की उमंग-सखियों के संग' का आयोजन मोतीलाल केला सभागृह, माहेश्वरी भवन, में किया गया। इसका आयोजन महिला संगठन अध्यक्षा राजबाला कमलेश राठी, सचिव निशी गोपाल सांवल, संयोजिका उमा राजेंद्र राठी, ज्योति नवल हेड़ा, स्वाति गोपाल चांडक, माहेश्वरी पंचायत सचिव शिवदास राठी, माहेश्वरी युवा अध्यक्ष हेमंत राठी द्वारा किया गया। प्रमुख अतिथि डॉ. शोभा रमेश राठी व विशेष अतिथि भारती शरद बागड़ी थीं। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज की करीब 600 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निशी सांवल, ज्योति हेड़ा व पूर्णिमा काबरा ने किया। आभार प्रदर्शन निशी सांवल ने किया।

● **कांकरिया.** माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 17 मार्च को पिकनिक हाउस में संगठन सदस्यों के लिए गणगौर मेले का आयोजन किया गया। इसमें अध्यक्ष विनीत मूंदड़ा के नेतृत्व में बहुत सुंदर तरीके से माहेश्वरी संस्कृति प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शोभायात्रा से हुई। लगभग 600 सदस्यों ने गणगौर महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया। कार्यक्रम के दौरान चार स्पर्धाएं रखी गईं। कार्यक्रम का मंच संचालन टीना राठी, भाग्यश्री मूंदड़ा, मंजुला तथा मृदुला बांगर ने किया। विनीत मूंदड़ा और मंत्री ओम मनियार ने कार्यक्रम प्रायोजक सुनील मधुसूदन मणियार तथा परिवार, आई बॉल के विकास मूंदड़ा एवं शिवम एग्रो उद्योग का आभार व्यक्त किया।

● **हैदराबाद.** राजस्थानी महिला संगठन, इसामिया बाजार द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। इस अवसर पर संगठन में उल्लेखनीय सेवा देने वाली महिलाओं को अवॉर्ड भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी कमलनारायण लीलादेवी राठी और कैलाशचंद्र ललिता मणियार थे। संगठन की अध्यक्ष सुमन लोया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष सुमन लोया व सहमंत्री किरण राठी ने किया। इस अवसर पर सोना-चांदी तंबोला का आयोजन किया गया। लकी ड्रॉ निकाला गया। आभार मंत्री संगीता बियाणी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में उमा तोताल, मंत्री संगीता बियाणी, कोषाध्यक्ष संगीता मालाणी, उपाध्यक्ष सुधा लाहोटी, सहमंत्री किरण राठी, सहकोषाध्यक्ष भाग्यश्री भट्टड़, सुमित्रा राठी, लीला राठी, लक्ष्मी मालाणी, सुनीता तापड़िया, शोभा लाहोटी, सरला धूत, विष्णुकांता टावरी सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

● **गुलबर्गा.** गत 18 मार्च को उगादि के पावन पर्व पर गणगौर का त्योहार मनाया गया। जुगलकिशोर पुष्पादेवी मालू के घर से गणगौर का बंदोरा दिया गया। सभी महिलाएं केसरिया पहनावे में शृंगार करके आईं। लगभग एक से डेढ़ घंटे तक यह कार्यक्रम चला और बाद में खुबाप्लाट के ईश्वर मंदिर में समापन हुआ। आरती करके बाद अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

● **चंद्रपुर.** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव गीतों के कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने गणगौर के गीतों पर नृत्यकर सबका मन मोह लिया। गणगौर के पाने की प्रतियोगिता भी रखी गई। ईसर गौर के साथ लक्ष्मीनारायण मंदिर से भव्य रैली निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन पूजा मूंधड़ा व स्वाति माहेश्वरी ने किया। निर्मला जाजू की अध्यक्षता में माहेश्वरी महिला मंडल सदस्या दीपा जाजू, हर्षा तोषणीवाल, मोनिका सोमानी, आरती चांडक, राधा भट्टड़, राधा सोनी, दुर्गा सारडा, कविता लोहिया आदि समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

● **उज्जैन.** माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल द्वारा होटल सुराना पैलेस में गणगौर का सिंझारा मनाया गया। इसमें माहेश्वरी समाज एवं प्रगति मंडल की सदस्याएं मौजूद थीं। मारवाड़ी महिला मंडल की अध्यक्ष शारदा भंडारी ने विभिन्न खेलों एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया। तत्पश्चात रात्रि में सभी ने भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम की सूत्रधार नेहा भंडारी थीं। संगीतमय रिश्ते पहचाने, गणगौर तंबोला, हैप्पी गणगौर इत्यादि मनोरंजक खेलों ने सिंझारे की संध्या को रोमांचक और खुशनुमा बनाए रखा। रितिका भंडारी द्वारा मंच एवं हॉल की व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग दिया गया।

● **धंतोली.** निकुंज माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर गोठ का आयोजन किया गया। शुरुआत मंडल अध्यक्ष नीता लड्ढा और सचिव पुष्पा कलंत्री द्वारा गणेश व गणगौर पूजन से की गई। कृष्णा मोहता और साधना नबीरा द्वारा सभी सदस्याओं को टीका और गजरा लगाया गया। वंदना राठी ने सरप्राइज गेम खिलाया। सामूहिक गणगौर के गीतों की स्पर्धा में प्रथम स्थान शुभा धीरन, कल्पना हेड़ा, उषा बिरला और संगीता माहेश्वरी को मिला। रूपा चांडक ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनीता माहेश्वरी, लता झंवर, प्रतिभा चांडक, मंजू दमानी, संगीता माहेश्वरी, सरिता झंवर, प्रमिला भट्टड़, श्वेता कासट, सरला राठी ने योगदान दिया। जानकारी प्रचार मंत्री पूनम राठी ने दी।

● **जयपुर.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गणगौर सिंजारा उत्सव मनाया गया। इसमें शहर के चारों क्षेत्रीय महिला संगठनों द्वारा विभिन्न गीत, गायन आदि के सुंदर एवं आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। 40 वर्ष से ऊपर की महिलाओं ने रैंप वॉक में भाग लिया। विभिन्न कार्यक्रमों की विजेता तथा भाग लेने वाली सभी महिलाओं को पुरस्कार दिए गए। महिलाएं राजस्थानी वेशभूष लहंगा-चुन्री तथा विभिन्न आभूषण पहनकर आई थीं। अध्यक्ष उमा परवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान करने वाली व विशेष सहयोग प्रदान करने वाली सभी सदस्याओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की संयोजिका संगीता मोदानी एवं कृष्णा सोनी थीं। मंच संचालन सविता राठी ने किया।

● **नागदा.** माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर पर्व पर एक विशाल सेल का आयोजन किया गया। यह शिवशंकर मंदिर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस शंकर मंदिर पहुंची। इसका जगह-जगह समाजजनों ने स्वागत किया। समाज की महिलाओं ने भारी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जानकारी विपिन मोहता ने दी।

● **हापुड़.** नगर में माहेश्वरी महिला मंडल का गणगौर का उत्सव सोलह दिनों तक मनाया गया। इसमें गौरी तृतीया और सौभाग्य गौरी व्रत भी कहते हैं। समाज की महिलाओं ने सोलह शृंगार कर गणगौर व ईसर जी का पूजन किया। इस अवसर पर मधुकांता माहेश्वरी, आशा सोमानी, आशा तापड़िया, कांता, श्वेता माहेश्वरी, साधना लोया आदि कई सदस्याएं मौजूद थीं।

● **हैदराबाद.** उन्नति महिला मंडल, चप्पल बाजार द्वारा 'गणगौर उत्सव' विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया। संयोजिका शकुंतला जाजू ने बताया कि इस अवसर पर उत्सव के अंतर्गत कंप्लीमेंट्री तंबोला एवं चांदी का महातंबोला कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक नृत्य का आयोजन भी किया गया। नाटक के माध्यम से संयुक्त परिवार में आधुनिक यंत्रों द्वारा सास-बहू के रिश्तों की बढ़ती दूरियों पर प्रकाश डाला गया। चांदी तंबोला, गौर ईसर सजावट एवं 16 शृंगार की लकी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। विशेष अतिथि के रूप में गोपाल बल्दवा एवं मंजू बल्दवा मौजूद थीं। कैलाश काबरा एवं सविता काबरा ने किया। शकुंतला जाजू, मंगला बंग, वंदना अट्टल, सविता काबरा, सरिता राठी, चंद्रकांता झंवर, सारिका सोनी, लीला बंग, संगीता चांडक, संगीता सारडा, सुनीता चांडक, प्रेमा लोहिया आदि का सहयोग मिला।

● **नापासर.** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में गत 17 मार्च को गणगौर महोत्सव का आयोजन माहेश्वरी भवन प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में नृत्य गीत, गेम्स घूमर, नाटक इत्यादि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सहभोज का आयोजन भी किया गया। उक्त जानकारी ममता लखाणी ने दी।

● **चेन्नई.** स्थानीय श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर की चौथ का कार्यक्रम श्री माहेश्वरी भवन के प्रांगण में रखा गया। प्रायोजक शकुंतला किशोरीलाल डागा थीं। मंडल सचिव शिवानी मूंधड़ा ने बताया कि उस दिन पारंपरिक गीतों के अलावा, दो तरह के कांपीटिशन भी रखे गए, जिसमें मां गौरा की मूर्ति बनाकर उसका साज शृंगार करनाव घर से ही गुल्ला सजा के लाना शामिल थे। मंच संचालन अध्यक्षा बीना मूंधड़ा ने किया।

● **इंदौर.** श्री माहेश्वरी मेड़ता थोक का वार्षिक स्नेह सम्मेलन गणगौर उत्सव एवं सम्मान समारोह संकल्प माहेश्वरी (सलाहकार चीफ मिनिस्टर यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम) के मुख्य आतिथ्य एवं घनश्याम काकाणी (उपाध्यक्ष-मप्र स्टेट फार्मेसी कौंसिल) के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर थोक के वरिष्ठ सदस्य प्रहलाददास-मगनदेवी राठी, कुसुमलता-पवनकुमार अजमेरा एवं सरला-बसंतकुमार गट्टानी का शॉल-श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र द्वारा अभिनंदन किया गया। शैक्षणिक उपलब्धि के लिए भी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

● **वरंगल.** राजस्थानी महिला मंडल एवं माहेश्वरी महिला मंडल वरंगल के तत्वावधान में गणगौर उत्सव 18 से 21 मार्च तक धूमधाम से मनाया गया। मंडल अध्यक्ष मीना लाहोटी एवं मंत्री अनुराधा मूंदड़ा ने बताया कि 19 मार्च सिंजारा में पिन्नावारी विधि स्थित बालकिशन गोविंदनारायण लाहोटी के निवास से गणगौर शोभायात्रा निकाली गई। मंच पर राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष मीना लाहोटी, मंत्री अनुराधा मूंदड़ा, उपाध्यक्षा बीना बोहरा, सुजाता जाखोटिया, सह मंत्री पूनम खंडेलवाल, संगीता बजाज, कोषाध्यक्षा उषा बजाज, सहसांस्कृतिक मंत्री मंजू लाहोटी आदि उपस्थित थीं। स्पर्धाओं की विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

● **छिंदवाड़ा.** माहेश्वरी महिला मंडल के अंतर्गत गणगौर गोठ का आयोजन किया गया। सचिव अर्चना चांडक ने बताया कि कार्यक्रम में ममता मालपानी, अलका जाखोटिया, छाया गांधी, उषा राठी, संगीता राठी, कंचन परवाल, शारदा परवाल, अल्पना भैया, उषा डागा, शुचिता राठी, विमला राठी, कविता नत्थानी, कुंजबाला काबरा, रेणु चांडक, ब्रजलता राठी सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

● **खंडवा.** माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फाल्गुन मास में फाग उत्सव मनाया गया, साथ ही गणगौर पर्व 16 दिनों तक धूमधाम से मनाया गया। इसमें समाज की सभी बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया रोज गणगौर माता के झाला लिए गए। रत्ना राठी के साथ शिल्पा जाखेटिया, किरण मंत्री, निशा चांडक, मनीषा गांधी, प्रतिभा राठी, विद्या राठी सहित समस्त सदस्याओं ने पूर्ण सहयोग दिया।

● **हैदराबाद.** माहेश्वरी समाज महिला मंडल दिलसखुनगर का त्योहारों के रंग गणगौर के संग कार्यक्रम भव्य रूप से विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूजा अर्चना के पश्चात सोना-चांदी तंबोला आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर गोपाल बल्दवा-मंजू बल्दवा, बद्रीविशाल मूंदड़ा, लक्ष्मीनारायण राठी, रूपनयन दरक आदि मौजूद थे।

● **जिंतुर (परभणी).** स्थानीय राजस्थानी महिला मंडल द्वारा 8 दिवसीय गणगौर पर्व मनाया गया। इसमें ईसर-गौरादे का छांटना, बिनायक, मेहंदी, बनोला, शादी और बिदाई तक के सारे कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाए गए। 2 दिन गाजे-बाजे के साथ प्रोसेशन निकाली गई। समस्त सदस्याओं ने प्रतिदिन पारंपरिक गीत, संगीत और नृत्य के साथ गरमा गरम नाश्ते का आनंद लिया।

● **कोलकाता.** महानगर के हिंदीभाषी बड़ा बाजार अंचल से मां गवरजा माता की सार्वजनिक पूजा-अर्चना के साथ शोभायात्रा 9 स्थानों से निकलती है। श्री श्री गवरजा माता गांगुली लेन सेवा ट्रस्ट की सहयोग संस्था श्री श्री गवरजा माता गांगुली लेन की गवरजा माता की ऐतिहासिक काठ की मूर्ति का विसर्जन नहीं होता है। उत्सव मां गवरजा माता की पूजा-अर्चना शंख बाजों के साथ एवं दो दिन 20 व 21 मार्च को शोभायात्रा व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जयकिशन झंवर, लक्ष्मणप्रसाद शर्मा, किशन तापड़िया, अशोक कोठारी, हरिनारायण भट्टड़, पुरुषोत्तम खत्री, विष्णु दम्माणी, नवनीत कोठारी आदि मौजूद थे।

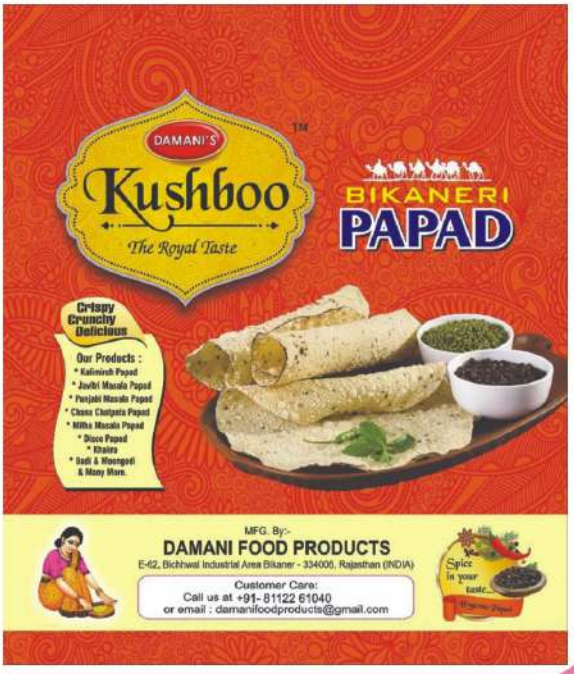

मुकुल बने सीए

भीलवाड़ा. राष्ट्रपति से मदर टेरेसा अवॉर्ड से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी उदयलाल समदानी के पौत्र व प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष महावीर समदानी के पुत्र मुकुल समदानी ने सीए की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण की। मुकुल ने 12वीं की परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की थी आईपीसीसी की तैयारी मुंबई में रहकर की। इसके साथ मल्टी नेशनल कंपनी डेलाइट्स में आर्टिकलशिप की। मुकुल ने बैडमिंटन में राज्य स्तर पर भी सफलता प्राप्त की है।

अदिति बनी सीएस

मुंबई. समाज सदस्य राजेश काबरा की सुपुत्री अदिति ने सीएस फाइनल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की। अदिति शोभापुर निवासी रामशंकर काबरा व मोहनीदेवी काबरा की सुपौत्री है। इस सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मधु बाहेती हुईं सम्मानित

सूरत. समाजसेवी श्रीमती मधु ललित बाहेती को संगठन 'इंटरनेशनल बिजनेस चेंबर' द्वारा वूमन ऑफ डिग्निटी इंटरनेशनल अवॉर्ड 2018 से सम्मानित किया गया। उन्हें स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आर्गेनिक फूड के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान दीपक के. चौकसी, निहार सारसवाला व डॉ. विमला राठी ने प्रदान किया।

दर्शन बने सीएमए

सांचौर. श्रीमती पुष्पादेवी व अशोककुमार फरसराम बाहेती के सुपुत्र दर्शन ने सीएमए (कॉस्ट मैनेजमेंट अकाउंटेंट) की परीक्षा उत्तीर्ण की। दर्शन ने सीएस भी उत्तीर्ण किया है।

प्राची बनीं सीए

अकोला. प्रतिष्ठित व्यवसायी तथा आईएमसीसी के अध्यक्ष सुनील तथा कंचन नावंदर की सुपुत्री प्राची प्रथम प्रयास में ही सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की हैं इसमें उन्होंने अकोला जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्राची ने सीए-सीपीटी तथा आईपीसीसी परीक्षा में राष्ट्रीय सूची में भी स्थान प्राप्त किया था।

ऐश्वर्या बनीं सीए

अमरावती. समाज सदस्य जयकिशन व पद्माबाई राठी की पौती व सुरेश व नीता राठी की सुपुत्री ऐश्वर्या राठी ने सीए की परीक्षा पहले प्रयास में उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है।

स्मिता की पेंटिंग प्रथम

बेमेतरा. अभा माहेश्वरी संगठन के द्वारा विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका विषय बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ था। इसमें देश के 27 प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें छत्तीसगढ़प्रदेश से प्रथम स्थान स्मिता श्याम लखोटिया की पेंटिंग ने प्राप्त किया।

अंकिता ने किया एमबीबीएस

नांदुरा. शहर के प्रतिष्ठित सराफा व्यवसायी गजानन मोहनलाल लड्ढा की सुपुत्री अंकिता ने वर्धा शहर के सांवग्रा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। साथ ही उन्होंने एमडी पैथोलॉजी के लिए उसी कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है।

नेहा को सीएम फाउंडेशन में 15वीं रैंक

बीकानेर. समाज के वरिष्ठ गोपालदास बिन्नाणी की सुपौत्री व किशनकुमार बिन्नाणी तथा शशि बिन्नाणी की सुपुत्री नेहा बिन्नाणी ने वर्तमान में आयोजित सीएस फाउंडेशन परीक्षा में ऑल ओवर इंडिया में 15वीं रैंक हासिल की। इसमें उन्होंने बीकानेर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कक्षा 12वीं (वाणिज्य वर्ग) में भी बीकानेर जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

सुष्मिता बनीं सीए

जलगांव. यवल तहसील के चिंचोली निवासी समाज सदस्य शिरीष व कल्पना बेहेड़े की सुपुत्री सुष्मिता ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कृष्णा को पीएचडी उपाधि

अमरावती. संत गाडगे बाबा अमरावती विवि के 34वें दीक्षांत समारोह में चांदूर रेलवे की कृष्णा संजय पनपालिया को 'आर्गेनिक केमिस्ट्री' विषय पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

किसी ने क्या
खूब कहा है
'उसके दुश्मन बहुत हैं,
आदमी जरूर अच्छा हैं

समाजसेवा के लिए किसी क्षेत्र विशेष की जरूरत नहीं होती। बस जरूरत होती है तो मन में मानवीय संवेदना की। इन्हीं पंक्तियों को साकार कर रही हैं, दिल्ली प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष किरण लढ़ा। उन्होंने राजनीति के क्षेत्र को भी अपने सेवा कार्यों से समाजसेवा का रूप दे दिया है।

समाजसेवा के साथ राजनीति में भी सक्रियता

किरण लढ़ा

SMT टीम

माहेश्वरी समाज को दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहीं किरण लढ़ा की पहचान समाज में तो एक समर्पित समाजसेवी के रूप में है ही, लेकिन सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं हैं। वे राजनीतिक रूप से भाजपा से जुड़ी होकर भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री के रूप में सेवा दे रही हैं। उनकी सेवा भावना ने उनकी इस राजनीतिक यात्रा को भी सेवा यात्रा बना डाला। श्रीमती लढ़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' एवं 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियानों से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों में सक्रिय भागीदारी भी कर रही हैं। उनका अधिकांश समय सार्वजनिक सेवा कार्यों तथा इन्हीं से संबंधित प्रवास में व्यतीत होता है। इसमें परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होता है।

पारिवारिक संस्कारों ने भी दी जीवन को दिशा

श्रीमती लढ़ा को मानवीय संवेदनाएं बचपन से पारिवारिक संस्कारों के रूप में ही मिलीं। उनका राजस्थान के नागौर जिले के कुचामन नामक कस्बे में 2 मार्च 1966 को पारंपरिक व धार्मिक मान्यताओं में आस्था रखने वाले मध्यमवर्गीय परिवार में श्रीमती रामीदेवी रामगोपाल तोषनीवाल के यहां हुआ। आप पांच भाई बहनों में सबसे छोटी थीं। पारिवारिक संस्कारों का उनके दैनिक जीवन में गहरा प्रभाव पड़ा। प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा कुचामन के ही सरकारी स्कूलों से कर स्नातक स्तर तक शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भरपूर सक्रियता रही। बचपन में ग्रामीण जीवन को बहुत नजदीक से देखने का अवसर मिला। सामाजिक रीति-रिवाजों और सभी पारंपरिक तीज त्योहारों के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था बचपन से ही थी। धार्मिक अनुष्ठानों में अत्यधिक रुचि थी। परिवार निंबार्क संप्रदाय का अनुयायी था।

ऐसे बनी दिल्ली कर्मस्थली

नावा (जिला नागौर) के मूल निवासी लढ़ा परिवार के रमेश लढ़ा के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। मार्बल, ग्रेनाइट का उनका पारिवारिक व्यवसाय है। विवाहोपरांत नईदिल्ली में स्थायी रूप से बस गईं। विवाह के बाद 20 वर्षों तक होम मेकर की भूमिका ही निभाई। इस दौरान किसी प्रकार की सार्वजनिक गतिविधियां नहीं रहीं। इसके बाद पारिवारिक एवं कौटुम्बिक जिम्मेदारियां निभाते हुये सामाजिक कार्यों में सहभागिता शुरू की। पश्चिमी दिल्ली में कार्यरत अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़ाव हुआ। दिन-प्रतिदिन इन संस्थाओं में तन-मन-धन का योगदान निरंतर बढ़ता गया। माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यों में सक्रियता जिलाध्यक्ष के रूप में हुई। 2008 में दिल्ली प्रदेश के नए जिला क्षेत्र 'पश्चिम दिल्ली माहेश्वरी महिला संगठन' का गठन हुआ। इस क्षेत्रीय संगठन की संस्थापक अध्यक्ष के रूप में निरंतर दो सत्र तक दायित्व निर्वहन किया। इस कार्यकाल के दौरान संगठनात्मक रूप से इस क्षेत्र को अत्यंत सुदृढ़ किया। क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक माहेश्वरी परिवार तक संगठन की पहुंच बनाई। विविध विषयों के बड़े स्तर के अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें निरंतर महासभा और महिला संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति भी रही।

कई संगठनों को समर्पित सेवा

श्रीमती लढ़ा वर्तमान में कई समर्पित संगठनों से सम्बद्ध होकर अपनी समर्पित सेवा दे रही हैं। इसके अंतर्गत अध्यक्ष दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन, अ.भा.मा.म.सं.कार्यसमिति सदस्य, ऑल इंडिया वैश्य फेडरेशन में दिल्ली प्रदेश महिला समिति की कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय सेविका समिति में विभाग बौद्धिक प्रमुख, वेस्ट देहली लायंस क्लब में उपाध्यक्ष, नवज्योति इंडिया फाउंडेशन में कोर कमेटी मेंबर, माहेश्वरी महिला उद्योग में सहसचिव, क्षेत्र की धार्मिक संस्थाओं, न्यासों में सक्रिय भूमिका एवं कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न संस्थाओं में कार्य करते हुए वे दिल्ली महानगर के अन्य समाजों में माहेश्वरी समाज की गरिमा, संस्कारों व सेवाकीय प्रवृत्तियों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रही हैं, जिससे समाज को एक प्रतिष्ठापूर्ण पहचान प्राप्त हुई। उनके परिवार में वर्तमान में दो विवाहित पुत्र दुष्यंत व राघव तथा पुत्रवधू सुनीति व कोमल तथा पौत्र व पौत्री हैं। दोनों पुत्र पारिवारिक व्यवसाय को सफलतापूर्वक संभाल रहे हैं और पूरा परिवार उनके पदचिह्नों पर चलते हुए प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सेवा पथ पर भी अपना योगदान दे रहा है।

वैसे तो जोधपुर शहर के लिए डॉ. रजनी लखोटिया एक ऐसी सिद्धहस्त सर्जन हैं, जिनके हाथों ऑपरेशन का अर्थ ही होता है, सफल होना। यह अस्वाभाविक जरूर लगेगा लेकिन बड़ा सत्य है कि उनकी पहचान वर्तमान में सिर्फ एक सर्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी धार्मिक मार्गदर्शक के रूप में भी है। तो आईये जानें उनके जीवन का यह मोड़ क्यों और कैसे आया?

SMT टीम

मन के रोग की सर्जन
डॉ. रजनी लखोटिया

पेशे से डॉक्टर रजनी लखोटिया ने सर्जरी में स्पेशलाइजेशन सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर से किया है। तत्पश्चात राजस्थान सरकार में कार्य करते हुए आज वो जोधपुर में प्रमुख विशेषज्ञ सर्जरी के पद पर आसीन हैं। बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉक्टर रजनी ने संगीत में भी एमए किया है। यह जानते हुए कि विभिन्न रोगों का इलाज म्यूजिक थैरेपी द्वारा भी किया जाता है, आपने इस रुचि को अपने प्रोफेशन में शामिल किया है। कारण उनका लक्ष्य अपने प्रोफेशन से सिर्फ पैसे कमाना कभी नहीं रहा, बल्कि वे रोगी की रोगमुक्ति में अपने आत्मिक आनंद को हमेशा तलाशती रहीं।

गीता व रामचरितमानस ने बदला जीवन

बहुत समय से आपकी रुचि आध्यात्म में रही है। शुरू में पतंजलि योग दर्शन, योग वशिष्ठ, अष्टावक्र गीता का अध्ययन किया, लेकिन मन मस्तिष्क में एक हलचल सी बनी रही, कहीं ठहराव नहीं महसूस किया, लेकिन जब भगवतगीता व रामचरितमानस का अध्ययन किया तो पाया कि सभी समस्याओं का समाधान इन दो ग्रंथों में निहित है। विश्व के सभी ग्रंथों का आधार ये दो ग्रंथ ही हैं। डॉ. लखोटिया का कहना है कि इन ग्रंथों का ज्ञान मन को असीम शांति प्रदान करता है। मैं कौन हूं? मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? अगर हमें इन दो प्रश्नों का उत्तर मिल जाए तो जीवन सफल है। यह सब गीता व मानस में भली प्रकार समझाया गया है जिससे जीवन आनंद से भर जाता है।

अब आध्यात्म से भी मन की चिकित्सा

आज का समाज आनंद को भूलकर भोग व रोग का जीवन जी रहा है। वर्तमान समाज में जो ज्वलंत समस्याएं हैं जैसे शादी में अनाप शनाप खर्च, तलाक, शादी पूर्व के संबंध, 50 वर्ष के बाद का अकेलापन, टूटते परिवार इत्यादि ये सभी समस्याएं इसलिए हैं कि लोगों ने राम की मर्यादा और कृष्ण के उपदेश भूला दिए हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु आप भगवत गीता वह राम चरितमानस को आधार बनाकर मोटिवेशन व्याख्यान देती है। गीता के श्लोक व मानस की चौपाइयां कितनी वैज्ञानिक है, यह अपने व्याख्यानों द्वारा समझाने की चेष्टा करती है। आप व्याख्यान में आध्यात्म और विज्ञान को एक कड़ी में पिरोकर प्रस्तुत करती है। इसी विशेषता के कारण आपको विभिन्न संस्थाओं द्वारा आमंत्रित किया जाता है। आपका यह भी मानना है कि ईश्वर की कृपा से अगर किसी को विशेष ज्ञान मिला है तो उसे अपने तक ही सीमित न रखकर समाज के कल्याण हेतु भी लगाना चाहिए, क्योंकि ज्ञान दान सबसे बड़ा दान है।

देश को जितना खतरा अपराधियों से रहता है, उससे कम बड़ा खतरा काला धन भी नहीं है। यदि अपराधी कानून व्यवस्था बिगाड़ते हैं, तो काला धन देश की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़कर रख देता है। ऐसे ही काले धन के जमाखोरों के लिए खौफ बनी हुई हैं, भोपाल की एडिशनल कमिश्नर IRS माया (जाजू) माहेश्वरी।

SMT टीम

कालेधन की 'खौफ' माया माहेश्वरी

काला धन कितना बड़ा खतरा है, उसी का उदाहरण प्रधानमंत्री का अनायास नोटबंदी कर कालाधन निकालने का प्रयास है। कालाधन वह है, जिससे देश पूर्णतः वंचित रहता है, जिसका देश के विकास में कोई योगदान नहीं होता। वर्तमान दौर में कालेधन की वृद्धि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने के लिए पर्याप्त है। इसी सोच को 17 वर्षो से अंजाम दे रही हैं, भोपाल आयकर कार्यालय की अपर आयुक्त माया माहेश्वरी। उनकी छवि कालेधन वालों के बीच ब्लैकमनी की इनकाउंटर स्पेशलिस्ट से कम नहीं है। उन्होंने अपने इस सेवाकाल में करोड़ों रुपए का कालाधन सरकारी खजाने में जमा करवाया है। किसी भी महिला अधिकारी के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

शुरुआत से रहीं प्रतिभावान

श्रीमती माहेश्वरी का जन्म 24 मई 1971 को भोपाल के कॉस्ट अकाउंटेंट चैप्टर के पूर्व सभापति व मप्र फारेस्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन के जनरल मैनेजर स्व. श्री नारायणदास जाजू के यहाँ सबसे छोटी सुपुत्री के रूप में हुआ। प्रारंभ से ही वे प्रतिभावान रहीं। दसवीं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया तो 12वीं में वे मप्र बोर्ड की टॉपर रहीं। इसके लिए 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित भी किया गया था। फिर ग्रेजुएशन और बीई इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल से किया। पढ़ाई के साथ वाद-विवाद और क्विज स्पर्धा में भाग लेना और पुरस्कार जीतना भी चलता रहा। आप अच्छी वक्ता भी हैं। खैर इंजीनियरिंग के साथ ही नया और अनूठा करने की उनकी चाह ने उन्हें प्रेरित किया और उन्होंने चुना 'कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट अकाउंटिंग' को। वे देश की कम उम्र प्रोफेशनल एण्ड मैनेजमेंट अकाउंटेंट में से एक हैं। फिर उन्होंने डिस्टिंक्शन के साथ मास्टर्स ऑफ टेक्नोलॉजी इन डिजिटल कम्यूनिकेशन की उपाधि प्राप्त की।

इंजीनियरिंग सेवा से आईआरएस का सफर

1994 में उन्होंने तीव्र प्रतिस्पर्धा के बाद भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर्स सेवा ज्वाइन की। अगले 2 वर्ष कठोर ट्रेनिंग के रहे, आधुनिक सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन तकनीक बहुत पेचीदा भी है और चुनौतीपूर्ण भी लेकिन अपने परिश्रम और कार्यकुशलता की गहरी छाप यहां भी उन्होंने छोड़ी। उन्होंने 1996 में नए धरातल की खोज उन्हें इंडियन रेवन्यू सर्विसेज में खींच लाई। यहां भी 80 प्रशिक्षुओं (प्रोबेश्नर्स) में वे बेस्ट ऑलराउंड परफॉर्मेंस के लिए चुनी गईं।

कालेधन वालों के लिए बनीं दहशत

उनकी पहली नियुक्ति गृहनगर भोपाल में आयकर सहआयुक्त के रूप में हुई। 2001 में उन्हें इन्वेस्टिगेटिंग विंग में भेजा गया, जहाँ सामान्यतः महिलाएं जाना कम ही पसंद करती हैं। फिर क्या था, काले धनवाालों को उनके नाम से दहशत होने लगी थी। उन्होंने करोड़ों रुपए के कालेधन को पकड़ा और वहाँ भी छापे डाले, जहाँ विभाग अभी तक नहीं पहुंचा था। निष्ठा और ईमानदारी से किए उनके कामों ने एक ओर जहां उन्हें विभाग में प्रतिष्ठा दिलाई वहीं सरकारी खजानों में भी वृद्धि हुई। 8 वर्षों तक भोपाल में रहने के बाद उनका तबादला हैदराबाद हुआ। 8 वर्ष बाद पदोन्नति पर पुनः भोपाल पदस्थ किया गया। अतिरिक्त आयकर आयुक्त के पद से वे 4 दिसंबर 2017 में नागपुर में आयकर आयुक्त (अपील्स) के पद पर उनकी पदोन्नत हुईं।

प्रशासनिक सेवा में आएं महिलाएं

उनका मानना है कि लड़कियों को उच्च शिक्षा के बाद प्रशासकीय सेवाओं में अवश्य आना चाहिए। वे समाज के चेहरे और चरित्र को बनाए रखने के लिए समाजसेवा को भी आवश्यक मानती हैं। श्रीमती माहेश्वरी के पति राधेश्याम माहेश्वरी भी आईआरएस और जीएसटी कमिश्नर हैं। बड़ी बेटी परिधि आईआईटी कानपुर में पढ़ रही हैं और छोटा बेटा पर्व डीपीएस भोपाल की आठवीं कक्षा का छात्र है। वे समाजसेवा के लिए समय निकाल लेती हैं और दुर्बल वर्ग के उन लोगों का मार्गदर्शन करती हैं जो प्रशासकीय सेवा में जाना चाहते हैं।

पुरुष प्रधान क्षेत्र में सफलता हासिल करना बहुत बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ी चुनौती पुरुष वर्ग से ही नहीं बल्कि सामाजिक परिवेश से भी होती है। कूच बिहार की सोनम माहेश्वरी एक ऐसी पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने न सिर्फ इन सामाजिक बाधाओं को पार किया बल्कि महिला होने का लाभ लिए बिना राज्य के पुलिस विभाग में स्थानीय बोली में 'टाउन बाबू' कहे जाने वाले उच्च पद पर आसीन होने की उपलब्धि भी प्राप्त की है।

SMT टीम

कूच बिहार की प्रथम महिला टाऊन बाबू
सोनम माहेश्वरी

कूच बिहार अर्थात पश्चिम बंगाल का बिहार की सीमा से लगा हुआ व भूटान का निकटवर्ती शहर जो जिला भी है। यह शहर वास्तव में पिछड़ा हुआ ही है और वह भी विशेष रूप से नारी शिक्षा के मामले में। ऐसे में सोनम माहेश्वरी अपनी उपलब्धियों से स्थानीय महिलाओं की रोल मॉडल बनी हुई हैं। उन्हें कूच बिहार शहर के पुलिस विभाग में ऐतिहासिक रूप से प्रथम बार महिला कूच बिहार शहर महिला टाउन बाबू के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके पहले इस पद पर किसी भी महिला को नियुक्त नहीं किया गया था। लेकिन इस बार जिले की ही बेटी सोनम को यह दायित्व मिला है। उन्हें टाउन बाबू का दायित्व मिलने से कूच बिहार शहरवासियों के साथ-साथ मारवाड़ी समाज एवं माहेश्वरी समाज में भी उत्साह का माहौल है। वर्तमान में आप एसएचओ इनचार्ज के रूप में दिनहता महिला पुलिस स्अेशन पर नियुक्त हुई है।

पुरुषों के समकक्ष दायित्व

सोनम माहेश्वरी को टाउन बाबू का पद देने के साथ कूचबिहार जिला पुलिस में भी बड़ा रद्दोबदल किया गया है। कुल 41 अफसरों का तबादला इस आदेश के साथ किया गया। कूचबिहार जिला पुलिस अधीक्षक अनूप जायसवाल ने बताया कि नियमानुसार ही समस्त अधिकारियों का तबादला किया गया है। महिला बोल कर किसी को अलग छूट नहीं दी गई है। जिन लोगों ने अच्छा काम किया है उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इसी के अंतर्गत सोनम कूच बिहार कोतवाली थाना अंतर्गत टाउन आउट पोस्ट के एसआई (टाउन बाबू) का दायित्व निभाएंगी।

ऐसी चली उनकी सफलता की कहानी

कूच बिहार की निवासी सोनम माहेश्वरी ने सब इंस्पेक्टर पद की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ट्रेनिंग लेकर सर्वप्रथम कूचबिहार जिला के माथाभांगा में कुछ दिन काम करने के बाद कूचबिहार जिले की अदालत के एसआई पद पर कुछ दिनों तक दायित्व संभाला। गत अगस्त से वह कूचबिहार कोतवाली थाने में महिला सब इंस्पेक्टर के रूप में काम कर रही थीं। माथाभांगा में रहते वक्त सोनम अपने दायित्व को अच्छी तरह संभालने को लेकर समाचार पत्रों की हेडलाइन भी बनी थीं। सोनम मानती हैं कि यह दायित्व जो उन्हें दिया गया है उसे वह निष्ठापूर्वक संभालेंगी। सोनम ने कहा कि इस पद पर काम करने का दायित्व एक चैलेंज है। मेरे ऊपर जो भरोसा रखा गया है, उस भरोसे को मैं अपनी पूर्ण मर्यादा और निष्ठा के साथ पालन करने की कोशिश करूंगी।

सभी को उन पर गर्व

सोनम के टाउन बाबू बनने से पूरे मारवाड़ी एवं माहेश्वरी समाज में अलग सा आनंद है। सोनम मारवाड़ी युवा मंच कूच बिहार शाखा की नारी चेतना की कन्वीनर भी हैं। मारवाड़ी युवा मंच कूचबिहार शाखा के अध्यक्ष पवन बूच्चा ने कहा कि सोनम को जो दायित्व मिला है, इससे हम काफी गर्वित हैं। हमारा पूरा समाज गर्वित है। जिस निष्ठा के साथ काम कर रही हैं, आगे भी करेंगी, वह बहुत ऊपर जाएंगी और हमारे समाज के साथ कूच बिहार का नाम रोशन करेंगी। माहेश्वरी समाज कूचबिहार के अध्यक्ष जगदीश कल्याणी ने कहा कि हमारे समाज के लिए सोनम एक आइडियल है। हम कूचबिहारवासियों का सौभाग्य है कि वह यहां पर ऑफिसर के रूप में पदस्थ हैं।

'जुम्बा' चाहे हमारे देश में एक नया नाम है, लेकिन दुनिया के लिए नया नहीं है। यह डांस का ऐसा रूप है, जो एक्सरसाइज के रूप में वेट लॉस में अत्यंत प्रभावी रूप से उपयोग होता है। इसी अनोखी कला का देश में प्रशिक्षण दे रही हैं, इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक इंदौर निवासी आरती माहेश्वरी।

अंतरराष्ट्रीय जुम्बा प्रशिक्षक
आरती माहेश्वरी

SMT टीम

इंदौर निवासी अवधेश माहेश्वरी की धर्मपत्नी आरती माहेश्वरी वर्तमान में 'जिन' उपाधि के साथ जुम्बा और एक्वा जुम्बा की अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में शहर की खास हस्तियों में शामिल हैं। जुम्बा वास्तव में एक पाश्चात्य नृत्य विधा है, जो कला के आनंद के साथ व्यायाम का वह लाभ भी देती हैं, जो वजन को संतुलित करता है। बढ़ते वजन से परेशान होकर डॉक्टरों के चक्कर काटने वाले लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। वर्तमान में श्रीमती माहेश्वरी शहर में संचालित अपने तीन केंद्रों के माध्यम से जुम्बा का प्रशिक्षण दे रही हैं। कई शिबिरों व विशिष्ट आयोजनों में भी वे इसका प्रशिक्षण दे चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वे राज्य के "मोस्ट इन्सपायरिंग वूमन एक्सिलेंस अवॉर्ड" से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

खेलों से मिली प्रेरणा

श्रीमती माहेश्वरी का जन्म देवास में समाज के प्रतिष्ठित परिवार में सुरेंद्रकुमार व श्रीमती शारदा माहेश्वरी के यहाँ हुआ। स्कूली शिक्षा देवास से ही ग्रहण करते हुए कक्षा 11वीं के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन स्पर्धा में भाग लिया। उच्च शिक्षा देवी अहिल्या विवि इंदौर से ग्रहण करते हुए खो-खो में विवि चैंपियन रहीं। फिर विवाह इंदौर निवासी अवधेश माहेश्वरी के साथ हुआ, तो फिर कर्मभूमि इंदौर हो गई। खेल के प्रति रुझान को उन्हें जुम्बा की ओर खींच ले आया। श्रीमती माहेश्वरी ने लगभग 3 वर्ष पूर्व मुंबई से यह कोर्स किया। अमेरिका के ट्रेनर से ट्रेनिंग ली और जुम्बा व एक्वा जुम्बा प्रशिक्षक का अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस प्राप्त किया। वर्तमान में वे व्यक्तिगत स्तर पर तो इंदौर में 3 प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर ही रही हैं, साथ ही उनकी टीम 10 से अधिक स्थानों पर प्रशिक्षण भी दे रही हैं।

सेवा की लंबी श्रृंखला

2 मार्च को अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित होली मेनिया तथा 4 मार्च को इंदौर सुपर चार्जर्स द्वारा आयोजित 10के कलर रन में नेहरू स्टेडियम में प्रशिक्षण दे चुकी हैं। 20 जनवरी को नेहरू स्टेडियम में ही माय एफएम ग्लो रन, पिंक एथेलॉन, 15 जनवरी को सायक्लोथॉन के साथ ही नगर निगम के स्वच्छता अभियान, एसडीपीएस कॉलेज, एमआईटी कॉलेज, अवंतिका विवि, अग्रसेन यूथ क्लब, माहेश्वरी समाज, भास्कर समाचार पत्र समूह के आयोजन आदि कई अवसरों पर उन्होंने प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया है। कार्पोरेट स्तर पर सिप्ला फॉर्मा में 12 माह का प्रशिक्षण दिया। रेडियो मिर्ची के साथ होली बाश (जुम्बा पार्टी) का आयोजन किया। इन्फोबीन्स के अंतर्गत जुम्बा वर्कशॉप, दैनिक भास्कर व नगर निगम के साथ राहगिरी में इंदौर शुभ सहित कई विशिष्ट अवसरों पर श्रीमती माहेश्वरी अभी तक अपने सैकड़ों प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर चुकी हैं।

संगीत तो अपने आप में आनंद ही है और भक्ति संगीत 'परमानंद'। इसी परमानंद की निःस्वार्थ भाव से गत 15 वर्षों से सुर लहरी बिखेर रही हैं, भीलवाड़ा की ललिता राठी। आईये जानें उनकी समाजसेवा की यात्रा।

भक्ति संगीत की सुर लहरी ललिता राठी

शंकर सोनी, भीलवाड़ा

न सिर्फ माहेश्वरी बल्कि अन्य प्रतिष्ठित परिवारों में भी जब भक्ति संगीत या मांगलिक गीतों का जिक्र होता है तो उनकी जुबान पर ललिता राठी का नाम आए बिना नहीं रहता। इसका कारण हैं उनके योगदान, जो वे गत 15 वर्षों से सतत रूप से देती आ रही हैं। इन 15 वर्षों में उन्होंने अनगिनत भक्ति संगीत कार्यक्रमों की विभिन्न अवसरों पर निःशुल्क प्रस्तुति दी है। उनके इन भक्ति संगीत कार्यक्रमों के आयोजन का कोई शुल्क नहीं होता। आमंत्रण मिलते ही श्रीमती राठी अपनी पूरी टीम के साथ पहुँच जाती हैं। उनकी इन सेवाओं ने चाहे आर्थिक लाभ नहीं दिलाया हो, लेकिन इससे उन्हें जो आत्म संतोष और सम्मान प्राप्त हुआ है, उसकी तुलना किसी भी आर्थिक लाभ से नहीं की जा सकती।

पारिवारिक माहौल ने दिखाई राह

श्रीमती राठी का जन्म कोलिया जिला डीडवाना (राज.) में सन 1975 में हुआ। बचपन से ही धार्मिक माहौल मिला, जिस कारण भक्ति संगीत जीवन का एक हिस्सा ही बन गया। वर्ष 1995 में उनका विवाह पाली मारवाड़ हो गया। यहाँ पर भी सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति में वे आगे ही रहती थीं। फिर वर्ष 2004 में वे सपरिवार भीलवाड़ा आ गईं। बस यहां उन्हें दिशा मिल गई, भक्तिरस बिखेरने की। फिर उनकी यह निःस्वार्थ सेवा जो चली तो थमी नहीं। गत 3 वर्षों से वे मांगलिक कार्यक्रमों में भी संगीतमय गीत गुंजन की प्रस्तुति देती आ रही हैं। अभी तक वे इनके 200 से अधिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दे चुकी हैं।

परिवार व समाज को भी समर्पित

लगातार 10 वर्षों से काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी महिला संगठन के साथ-साथ पिछले 5 वर्षों से रोटरी क्लब भीलवाड़ा में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। श्री श्याम मंदिर काशीपुरी और दुर्गा माता मंदिर से लगातार 13 वर्ष से उनका भजनों का कार्यक्रम जारी है। इन सभी भूमिकाओं के बीच काशीपुरी स्थित स्वयं की मेचिंग सेंटर की दुकान भी 15 साल से अनवरत संचालित कर रही हैं। अपने दोनों बच्चों को उच्च शिक्षित करने में भी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रखी। बड़ा पुत्र मुम्बई से एमबीए कर रहा है। छोटा पुत्र काशी हिंदू विवि से आईआईटी की पढ़ाई कर रहा है। क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसायटी में 10 वर्ष से टीम लीडर रहीं और नगर माहेश्वरी महिला संगठन से भी पिछले 2 वर्ष से सम्बद्ध हैं।

मैनेजमेंट में डॉक्टरेट डॉ. अमृता झंवर

पारिवारिक जिम्मेदारी हमेशा उच्च शिक्षा में बाधा नहीं बनती। इसका उदाहरण हैं, डॉ. अमृत झंवर जिन्होंने विवाह के बाद मैनेजमेंट जैसे कठिन क्षेत्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

विवाह नारी की उन्नति में बाधक नहीं बनता, इस बात को चरितार्थ कर रही हैं, दिल्ली निवासी डॉ. अमृता झंवर दम्मानी। शादी के बाद अंकुर दम्मानी की धर्मपत्नी और समाज के वरिष्ठ श्रीकिशन व सरोज दम्माानी की पुत्रवधू अमृता ने अपनी प्रतिभा, लगन व कड़ी मेहनत से आज ''लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट'' में दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (पूर्वा दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) से पीएचडी हासिल कर पूरे परिवार और समाज को गौरवान्वित किया है। अपनी पढ़ाई के कार्यकाल में ही उन्हें मां बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अब 2 वर्षीय पुत्र अथर्व भी उनकी कामयाबी का हिस्सा है। पीएचडी की डिग्री में उनके 6 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन, 1 राष्ट्रीय प्रकाशन, पुस्तक अध्याय और 3 प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के शामिल हुए हैं।

ऐसे चली उनकी सफलता की यात्रा

नागपुर के प्रतिष्ठित सदस्य चिरंजीलाल और भानुमति झंवर की सुपुत्री अमृता ने शादी से पहले ही इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग में बीई और एमटेक की डिग्री हासिल कर श्री रामदेव बाबा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में लेक्चरर के पद सेवा दी थी। वर्तमान में अमृता एचएमआर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वे हम्मिंगबर्ड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड में फ्रेंचाइजी पार्टनर भी हैं। उनका एक यूट्यूब चैनल है, जिसके 6 महीने में ही 1 लाख से ज्यादा व्यूज हैं और 750 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स उन्हें फॉलो करते हैं। इन सभी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए डांस, रंगोली, पाकशास्त्र आदि में भी अमृता बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं।

माहेश्वरी महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा व क्षमता का ध्वज फहरा रही हैं। इससे अब बॉक्सिंग जैसा कठिन क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। आलीराजपुर की दिव्या गुप्ता अपने मुक्कों की धाक से न सिर्फ समाज बल्कि क्षेत्र व प्रदेश का भी राष्ट्र स्तर पर नाम रोशन कर रही हैं। उन्हें मप्र की पहली माहेश्वरी महिला बॉक्सर होने का गौरव भी प्राप्त है।

SMT टीम

महिला बॉक्सिंग चैंपियन दिव्या गुप्ता

हम मप्र के सबसे पिछड़े जिले आलीराजपुर की बात कर रहे हैं, जहां जागरुकता का बहुत ज्यादा अभाव है। यहां सैकड़ों बालिकाओं को इसलिए स्कूल नहीं भेजा जाता है क्योंकि वो बालिका हैं। फिर भी तमाम विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए जिले की प्रथम महिला बॉक्सर दिव्या गुप्ता ने अपने परिवार, माहेश्वरी समाज के साथ प्रदेश व देवी अहिल्या विवि, इंदौर का नाम देशभर में रोशन किया है। श्रीमती गुप्ता भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) की ओर से ऑल इंडिया बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडलिस्ट भी हैं। श्रीमती गुप्ता को मप्र की पहली माहेश्वरी बॉक्सर होने का गौरव प्राप्त है। वे आलीराजपुर के गुप्ता (बाहेती) परिवार के पत्रकार एवं व्यवसायी गोविंदा गुप्ता की धर्मपत्नी व गोवर्धनलाल गुप्ता तथा श्रीनिवास गुप्ता की पुत्रवधू हैं।

ऐसे चला उनका संघर्ष

देवी अहिल्या विवि ने महिला बॉक्सिंग को छोड़ शेष सभी खेलों को खेल कैलेंडर में स्थान दे रखा था। दिव्या ने लड़ाई शुरू कर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, आयुक्त को पत्र लिख कर विवि के खेल कैलेंडर में महिला बॉक्सिंग को जोड़ने की मांग की थी। इस मांग पर मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेकर आदेश देकर वर्ष 2015 से डीएवीवी में भी महिला बॉक्सिंग को जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की। विवि के खेल विभाग के निदेशक अजय कुमार ने महिला बॉक्सिंग को भी कैलेंडर में जोड़कर श्रीमती गुप्ता को भी पत्र प्रेषित कर शुरू करने का आश्वासन दिया था और इसे उन्होंने पूरा किया। इसके बाद से ही श्रीमती गुप्ता हर वर्ष ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में देवी अहिल्या विवि का नेतृत्व कर रही हैं। प्रथम वर्ष 2016 में वे अपनी टीम को लेकर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने कप्तान के रूप में हरियाणा के कुरुक्षेत्र गईं और शानदार प्रदर्शन किया। द्वितीय वर्ष 2017 में भी दिव्या ने पंजाब के जालंधर में हुई स्पर्धा में पहुंचकर इंदौर का परचम फहराया।

ग्रामीण छात्राओं को भी दे रही प्रशिक्षण

श्रीमती गुप्ता अभी भी निरंतर बॉक्सिंग की प्रैक्टिस कर आगे की तैयारियां कर रही हैं। इतना ही नहीं आदिवासी बाहुल्य वाले जिले में जनहितैषी युवक मंडल नामक आईएसओ सर्टिफाइड संगठन अध्यक्ष के रूप में जिले की ग्रामीण युवतियों को भी आत्मरक्षा के गुर निःशुल्क सिखाकर आत्मनिर्भर और निडर बना रही हैं। उनके द्वारा जनहितैषी युवक मंडल के माध्यम से संचालित 3जी बॉक्सिंग क्लासेस में तीन वर्ष में लगभग 2000 से ज्यादा बालिकाओं को बॉक्सिंग का प्रशिक्षण दिया गया है, जो निरंतर जारी है।

नेशनल बिल्डर अवार्ड से सम्मानित

प्रदेश की प्रथम माहेश्वरी महिला बॉक्सर दिव्या गुप्ता को उन के सामाजिक एवं जनहितैषी कार्यों को देखते हुए इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में 'नेशनल बिल्डर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। उक्त अवॉर्ड देवी अहिल्या विवि कुलपति नरेंद्र धाकड़, पूर्व सांसद सज्जनसिंह वर्मा व भाजपा विधायक राकेश सोनकर ने दिव्या को प्रदान किया।

नारी में प्रकृति प्रदत्त रूप से स्नेह व संवेदना का दरिया बहता है। यही कारण है कि उसकी 'शक्ति' हमेशा कल्याणकारी होती है। झाबुआ निवासी ऋतु सोडानी अपने संगठन के माध्यम से इसी सोच के साथ जरूरतमंदों के बीच खुशियां बांटने में जुटी हैं, पूरी शक्ति के साथ।

SMT टीम

सेवा की शक्ति ऋतु सोडानी

झाबुआ एक पिछड़ा हुआ आदिवासी शहर व जिला है। इस शहर में 33 वर्षीय ऋतु सोडानी एक जाना माना नाम हैं। इसके दो कारण हैं, एक तो उनकी कोरियोग्राफी और दूसरी समाजसेवा। अनाथ बच्चे हों या अन्य जरूरतमंद, हर पर्व त्योहार पर उनकी आंखें श्रीमती सोडानी व उनकी साथियों की राह देखती हैं। कारण उनके लिए तो वे खुशी का पर्याय ही बन चुकी हैं। श्रीमती सोडानी के संगठन का लक्ष्य रहता है, कोई भी चेहरा मुरझाया हुआ न रहे। बस मुस्कान बांटना ही उनका लक्ष्य बन चुका है।

16 शक्तियों का साथ

अपनी इस समाजसेवा को वे संगठन इनरव्हील क्लब झाबुआ शक्ति के माध्यम से अंजाम दे रही हैं। वर्तमान में इसमें कुल 16 सदस्याएं हैं। उनका संगठन अपना हर पर्व त्योहार अनाथ, दिव्यांग बच्चों तथा गरीब बच्चों के बीच मनाता है। गत दीपावली पर्व उन्होंने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया और उन्हें उपहार मिठाइयों और पटाखे भेंट कर उनकी खुशियों को चार चाँद लगा दिए। अनाथ आश्रम के बच्चों के स्कूल को स्पीकर तथा साउंड सिस्टम ही भेंट नहीं किये बल्कि वहां के 60 बच्चों को 26 जनवरी के कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए स्वयं ने नृत्य भी सिखाया। वे गरीब लोगों के लिए नेकी की गाड़ी चलाती हैं, जिसके माध्यम से दैनिक जीवन की आवश्यक सामग्री एकत्र कर वे कपड़े, जूते, कंबल आदि उन तक पहुँचाती हैं। संगठन की सभी सदस्याओं ने नेत्रदान के संकल्प पत्र भी भरे हैं।

इवेंट की दुनिया की उभरती स्टार चंचल राठी

इवेंट का क्षेत्र आमतौर पर पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता है, लेकिन माहेश्वरी महिला शक्ति की सफलता के परचम से यह क्षेत्र भी अछूता नहीं है। खामगांव निवासी चंचल राठी ने इस क्षेत्र में अपनी ऐसी पहचान बनाई कि धूम ही मचा दी।

SMT टीम

"आकांक्षा थी कि कुछ ऐसा कर जाऊं।
बनकर पहचान सारे जहां पर छा जाऊं।।"

यह कहना है आत्मविश्वास की धनी चंचल का। इवेंट की दुनिया में अपना लोहा मनवाने की जिद और अपनी पहचान बनाने में चंचल का सफर काफी रोमांचक रहा। इवेंट के क्षेत्र में उनकी विशिष्ट पहचान एंकरिंग है, जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात आदि में तो लगभग धूम ही मचा दी है।

विवाह के 12 वर्ष बाद की शुरुआत

दुर्ग के विट्ठलदास भूतड़ा (वर्तमान में छत्तीसगढ़प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष) एवं शांता भूतड़ा के यहां जन्मी चंचल ने बीकॉम, एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। विवाह खामगांव निवासी प्रदीप राठी के बड़े सुपुत्र अक्षय के साथ धूमधाम से हुआ। चंचल को मंच संचालन एवं कविताएं करने का बेहद शौक था, इसलिए शुरुआत आर्ट ऑफ स्पीच के सेमिनार लिया करती थीं, और कई मंच का संचालन बखूबी किया। संयुक्त परिवार व चार पीढ़ियों में तालमेल करते हुए अपनी जिम्मेदारियों को समर्पित भाव से निभाने की बखूबी कला वो जानती हैं। अपनी दो प्यारी बेटियों वैदेही और अनन्या की रहनुमा बनते हुए इवेंट की दुनिया में विवाह के 12 वर्ष पश्चात पदार्पण किया लेकिन अब तक 35 शोज बेहद सफलता के साथ होस्ट कर चुकी है।

विश्वास बना संबल

19 वर्ष की उम्र में मिस माहेश्वरी दुर्ग बनीं और 2015 में मिसेस विदर्भ बन पुणे में विदर्भ का प्रतिनिधित्व किया। अभी हाल ही में उन्होंने बुलढाणा जिला की मिसेस माहेश्वरी (सुश्रीता) का खिताब अपने नाम किया। चंचल कहती हैं कि कई जगह ढेरों शोज किये पर अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि और समाज की सेवा का एक मौका उन्हें 27-28 जनवरी 2018 में छत्तीसगढ़प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन में मिला, जब चंचल ने 2 हजार लोगों के बीच दो दिवसीय मंच संचालन सफलता के साथ किया। खामगांव में भी आयोजित परिचय सम्मेलन में भी दो दिवसीय मंच संचालन किया। अपनी सफलता का संपूर्ण श्रेय वह अपने पति अक्षय राठी एवं अपने भाई प्रवीण भूतड़ा को देती हैं। कहती हैं ये दो मजबूत हाथ हमेशा मेरी हर सफलता के पीछे होते हैं। यह इन दोनों का ही विश्वास था कि मैं इवेंट की दुनिया में अपनी पहचान बनाऊंगी और वही हुआ।

पिता के सपने को साकार करने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट बनीं और उन्हीं की प्रेरणा ने उन्हें मात्र एक प्रोफेशनल बनने की जगह समाजसेवा की ओर मोड़ दिया। बीपीटीएच, सीबीएनटी, सीएमएफआरटी, सीटीटी, सीसीटी व फैशियल योग इंस्ट्रक्चर आदि उच्चस्तरीय डिग्री प्राप्त करने के बाद भी क्यों बढ़े सेवा पथ की ओर उनके कदम? आईये जानें जयसिंगपुर महाराष्ट्र की डॉ. ममता बियानी की जुबानी उन्हीं की कहानी।

जरूरतमंदों का सहारा बनी डॉ. ममता बियानी

SMT टीम

20 फरवरी 1986 में मेरा जन्म इंदौर के निकट जीरापुर नामक एक छोटे से कस्बे में स्व. श्री भगवानदास मूंदड़ा के यहां हुआ था। परिवार की पहली बालिका होने के कारण माता-पिता का अपार स्नेह मिला। 5 भाई-बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण पापा की सबसे प्यारी बेटी थी। पर कुछ वर्षों बाद पापा की बीमारी के कारण हमारी जिंदगी सिर्फ घर और अस्पताल के बीच सिमट कर रह गई। 4 वर्षों के अथक प्रयास व इलाज के बावजूद इतनी कम उम्र में पिता के प्यार से वंचित होना पड़ा। हमारे लिए यह एक बहुत ही बड़ा झटका था, लेकिन मम्मी श्रीमती इंदिरा मूंदड़ा और श्रीमती शंकुतला मूंदड़ा ने बड़े ही साहस के साथ हम 5 भाई बहनों के परिवार व कारोबार को संभाला। पापा की बीमारी और अस्पताल के माहौल ने मेरा ध्यान डॉक्टरी पेशे की ओर आकर्षित किया। उस छोटी सी उम्र में ही मैंने डॉक्टर बनने का निर्णय लेकर लोगों की सेवा करने का मन बना लिया था। अपनी प्राथमिक शिक्षा जीरापुर से पूर्ण करने के बाद मैंने इंदौर से अपनी आगे की पढ़ाई की।

ऐसे चली उनकी सेवायात्रा

मेरा विवाह 21 साल की उम्र में ही जयसिंगपुर निवासी श्री भगवान बियाणी के सुपुत्र निकेत बियाणी के साथ एक संपन्न परिवार में हुआ। शादी के बाद मैं एक सुशील बहू के सारे दायित्व पूर्ण करने में लग गई। मुझे हर क्षेत्र में आगे रहने का शौक था, चाहे वो खेल हो या नृत्य। इसी शौक के चलते मुझे मिसेस सांगली फर्स्ट रनरअप व मिसेस इचलकरंजी विनर 2017 का गौरव प्राप्त हुआ। मन में कहीं ना कहीं हमेशा एक अधूरापन सा लगता था। अतः मैंने अपनी एक मित्र व घरवालों के सहयोग से 'रिकवरी ए फिजियोथैरेपी' क्लीनिक की स्थापना की। इसमें मेरे सास-ससुर व पति प्रेरणास्रोत रहे। बहुत कम समय में क्लीनिक ने बुलंदियों को छू लिया। उज्जैन, जयसिंगपुर व शिरोल में हमारे क्लीनिक की 3 ब्रांच की स्थापना हुई। सिर्फ 2 वर्षों में ही 300 से अधिक पेशेंट को उनके दर्द से निजात दिलाई गई।

जरूरतमंदों को दिया ''आसरा''

फिर भी मुझे ऐसा लगता था कि शायद अभी मैं वो नहीं कर पाई हूं जो मेरा मन चाहता था। एक निर्णय मैंने बचपन में लिया था कि प्रभु ने मुझे इतना सक्षम बनाया है तो क्यों ना मैं उन लोगों तक भी पहुंचूं, जिन तक कोई और मदद के हाथ ना पहुंच पा रहे हैं। इसी सोच के साथ मैंने 4 अन्य मित्रों के सहयोग से आसरा फाउंडेशन की स्थापना की। एक ही लक्ष्य था कि सही चीज सही इंसान तक (जरूरतमंद) पहुँचाई जा सके। इस ग्रुप से हमने 200 से अधिक महिलाओं को जोड़ा। उनकी मदद से, उनके घर में न काम आने वाली चीजों को और अन्य सामानों को जैसे राशन, कपड़े, स्टेशनरी, कंबल, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं इत्यादि जमा कर उन्हें रिपेयर और रिपैक करवाकर इस्तेमाल के लायक बनाकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का काम शुरू किया। हर महीने हम एक नया लक्ष्य रखकर चीजें जमा करते हैं। लक्ष्य बस यही है कि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाई जा सके।

आज के दौर में जब बीमारियां दवाओं से बेअसर होकर नए-नए रूपों में सामने आ रही हैं, ऐसे में होम्योपैथी के प्रति लोगों का विश्वास सतत बड़ा है। नागपुर निवासी प्रो. डॉ. रेखा सूर्यकांत भूतड़ा ऐसे ही दौर में न सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्कि प्रोफेसर के रूप में भी नए-नए योग्य चिकित्सकों की सौगात दे रही हैं।

होम्योपैथी चिकित्सा गुरु
प्रो.डॉ. रेखा भूतड़ा

नागपुर निवासी प्रो. डॉ. रेखा सूर्यकांत भूतड़ा न सिर्फ नागपुर व मुंबई बल्कि पूरे महाराष्ट्र के लिए एक प्रख्यात होम्योपैथिक विशेषज्ञ रूप में जाना माना नाम हैं। उनकी इस क्षेत्र में विशेषज्ञता स्किन एस्थेटिक्स, ट्राईकोलॉजिस्ट, कॉस्मेटोलॉजिस्ट, एलर्जी तथा स्किन व हेयर केयर क्षेत्र में है। उनके नागपुर के साथ ही मुंबई में भी क्लिनिक हैं। वे कई राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों में अपने शोधपत्र तथा कई पत्र-पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशन के द्वारा मार्गदर्शन देती रही हैं। मानद चिकित्सक के रूप में मुख्य पुलिस हॉस्पिटल नागापाड़ा (मुंबई), सिटी पुलिस हॉस्पिटल नागपुर व पुलिस हॉस्टिपल अजनी नागपुर में अपनी सेवा दे रही हैं। बांबे हॉस्पिटल में भी लम्बे समय तक स्कीन व एलर्जी विशेषज्ञ के रूप में सेवा दे चुकी है।

कई कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में मार्गदर्शन

एमडी होम्योपैथी तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी आपकी शिक्षा की यात्रा थमी नहीं। उन्होंने वर्ष 1990 में हॉस्पिटल मैनेजमेंट व फिर स्किन एस्थेटिक्स कॉस्मेटोलॉजी व ट्राइकोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स पूर्ण किए। ऑस्ट्रेलिया से संबद्ध ट्यूलिप इंटरनेशनल वेटलॉस टेक्निक व कॉस्मेटिक मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण किए। इसके साथ ही एक्यूपंक्चर व सिविल डिफेंस में भी सर्टिफिकेट कोर्स किए। इसके साथ ही उनके प्रोफेशन में चिकित्सा क्षेत्र की नवीन तकनीकों के प्रशिक्षण व सेमिनारों तथा अपने शोध के द्वारा हमेशा ही अपडेट होती रहीं। यही कारण है कि उनकी छवि देश की सीमाओं से बाहर कई देशों तक फैली हुई हैं। वे देश-विदेश की कई चिकित्सा संस्थाओं से भी संबद्ध हैं।

चिकित्सा गुरु के रूप में भी सेवा

डॉ. भूतड़ा एनसीएचबी नागपुर की प्राचार्य प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष मेटेरिया मेडिका के रूप में सेवा दे चुकी हैं। नागपुर के साथ ही नासिक, फरीदकोट (पंजाब), बीड, आगरा, कोल्हापुर, जयपुर, नवी मुंबई सहित कई होम्योपैथिक कॉलेजों को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में सेवा दे रही हैं। वे 21 वर्ष अंडर ग्रेजुएट तथा 15 वर्ष से विभिन्न पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में सेवा दे रही हैं। उनकी चिकित्सा सेवा यात्रा तो 32 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। नागपुर व नासिक विवि की परीक्षा मूल्यांकनकर्ता के साथ ही अमरावती, मराठवाड़ा, राजस्थान, गोवा, बाबा फरीद विवि पंजाब व दिल्ली विवि आदि को बाह्य परीक्षक व प्रश्न पत्र सेटर के रूप में भी सेवा दे चुकी हैं। इनके कई कार्यक्रम आकाशवाणी, दूरदर्शन व ईटीवी आदि चैनल पर प्रसारित हो चुके हैं।

प्रतिभा ने दिलाया सम्मान

डॉ. भूतड़ा बचपन से प्रतिभावान छात्रा रही हैं। स्कूली जीवन से ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा खेलकूद में भी वे अपना परचम लहराती रही हैं। वे वाद-विवाद, लांग जंप, निडल एंड थ्रेड, बैडमिंटन, कैरम व दौड़ आदि में कई स्पर्धाओं की विजेता भी रही हैं। उन्होंने इसके साथ ही हॉकी, संगीत, संस्कृति ज्ञान सहित कई स्पर्धाओं में भी अपना परचम लहराया है। वे अभी तक विभिन्न संस्थाओं से ग्रेट मास्टर्स अवॉर्ड, बेस्ट इंटरप्रेन्योर लेडी ऑफ द ईयर, राष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार, बेस्ट मोडरेटर आदि कई सम्मानों से नवाजी जा चुकी हैं।

12-14 साल की गूगल गर्ल
स्मृधी—आरजू

▸▸SMT टीम

आजकल गूगल का अर्थ हो गया है, जिसके लिए सबकुछ संभव हो। ऐसी ही गूगल गर्ल के रूप में सूरत में अपनी पहचान बना रही हैं, 12 वर्षीय बालिका स्मृधी व उनकी 14 वर्षीय बहन आरजू बाहेती। आईये देखें कैसे?

14 वर्षीय आरजू तथा 12 वर्षीय स्मृधी बाहेती की गूगल गर्ल की विशिष्ट पहचान उनकी विशिष्ट प्रतिभा के कारण है। इसी का उदाहरण गत दिनों आयोजित एक स्पर्धा में दिखा। डिसेबल वेलफेयर ट्रस्ट ऑफ इंडिया और एक कोचिंग क्लासेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रोनाउंसेशन मैराथन में 12 साल की स्मृधी ने 12 घंटे में अंग्रेजी के तीन हजार शब्दों का ब्रिटिश तरीके से फोनेमिक ट्रांसक्रिप्शन (सिम्बल) लिखकर सभी को चौंका दिया। दोनों बहनें आरजू व स्मृधी समाज सदस्य ओमप्रकाश व संगीता बाहेती की सुपुत्री हैं।

गूगल की तरह जानकारी का खजाना

देश-दुनिया के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए लोग गूगल सर्च इंजन का उपयोग करते हैं। वहीं सूरत में रहने वाली बीकानेर जिले के श्रीडुंगरगढ़ बीगावास राजस्थान मूल की ये दो बहनें किसी भी देश का क्षेत्रफल, भौगोलिक स्थिति, कौन सा देश कब और किस देश से आजाद हुआ यह तारीख महिना साल, सभी प्रमुख देशों की नदी व पर्वतों के नाम और रामायण-महाभारत के पौराणिक पात्रों के नाम आसानी से बता देती है। दोनों बहनें सिर्फ सामान्य ज्ञान का खजाना ही नहीं हैं, बल्कि डांसिंग, कराते, नृत्य और संगीत में भी अव्वल हैं।

कई क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा

दोनों ने सिर्फ सामान्य ज्ञान में ही महारथ हासिल नहीं की है, बल्कि वे नृत्य, संगीत, खेल में भी प्रतिभावान हैं। दोनों बहनें सात सालों से भरत नाट्यम, संगीत का प्रशिक्षण ले रही हैं, साथ ही दोनों सितार और हारमोनियम भी बजाती हैं। इसमें अपनी प्रतिभा भी दिखा चुकी हैं। दोनों ने बताया कि उन्होंने एक वर्ष पहले ही सामान्य ज्ञान जुटाने की शुरुआत की, माता संगीता और पिता ओमप्रकाश बाहेती ने सामान्य ज्ञान बढ़ाने में उनकी मदद की। माता-पिता बच्चों के करियर और उनमें सामान्य ज्ञान बढ़ाने के साथ वे हर क्षेत्र में काबिल बनें, इसके लिए उनका सप्ताहभर का टाइम-टेबल रखते हैं। 12 साल की उम्र में ही स्मृधी भारत नाट्यम में विशारद की पदवी तक पहुंच चुकी हैं तो कराते में ब्लैक बेल्ट की पायदान पर हैं। इसके अलावा वह हारमोनियम और सितार वादन में भी माहिर हैं। इन उपलब्धियों को लेकर स्थानीय युवा संगठन द्वारा दोनों बहनों को सम्मानित भी किया गया है। स्मृधी स्केटिंग डांस भी कर लेती है।

रेडियो उद्घोषिका दीपा माहेश्वरी

उम्र कभी सपनों को साकार करने में बाधक नहीं बनती। इसी का उदाहरण है, मुम्बई निवासी दीपा माहेश्वरी। उन्होंने बचपन में उद्घोषिका बनने का सपना देखा फिर भी 40 वर्ष की उम्र तक साकार नहीं कर पाई, लेकिन हार नहीं मानी और 40 वर्ष की उम्र में इसे साकार करते हुए रेडियो उद्घोषिका बनीं।

▸▸SMT टीम

जुलाई की झमझमाती बरसात में इन्दौर के स्व. श्री रमेश मंडोवरा के घर एक पुत्री का जन्म हुआ। दादाजी ने इस लाड़ली पौती का नाम रखा 'दीपा'। बचपन से ही चपल, चंचल होने के कारण दीपा परिवार के साथ पूरे मोहल्ले की लाड़ली भी थी। जैसा कि कहते हैं कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। ठीक उसी प्रकार नन्ही सी दीपा के पैर किसी भी संगीत को सुनकर थिरकने लगते थे। बचपन से ही संगीत और नृत्य का शौक रखने वाली दीपा को पता नहीं था कि जिस रेडियो के बिना वे सो भी नहीं सकती थी, एक दिन उसी रेडियो के प्रसिद्ध प्रोग्राम सखी-सहेली की वो उद्घोषिका भी बनेंगी। घर में हंसी खुशी का माहौल रहता था। एक खेल हुआ करता था कि रेडियो पर कोई गीत बजा और अचानक चाचा ने पूछ लिया बताओ ये किस फिल्म का गीत है और किस की आवाज है? संयुक्त परिवार की खूबी की हास्य और वाकपटुता में दीपा कब माहिर हो गयी, उन्हें पता भी नहीं चला।

पति-पत्नी एक दूसरे के सहयोगी

बचपन का दौर कुछ इसी तरह हंसते-खिलखिलाते बीत गया और विवाह का पड़ाव आ गया। इनका विवाह उज्जैन/इन्दौर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामेश्वर भूतड़ा के छोटे बेटे एवं श्री दिनेश माहेश्वरी के छोटे भाई श्याम माहेश्वरी के साथ संपन्न हुआ। पति टी.वी. सीरियलों के निर्देशक हैं। उन्होंने कई सीरियल्स का निर्देशन भी किया लेकिन सपना था, फिल्म निर्देशक बनने का। दीपा ने अपने पति के स्वप्न को अपना बनाकर उनका भरपूर साथ दिया और फिल्म बनाने के अपने पति के सपने को न सिर्फ सच में बदलने में साथ दिया बल्कि उस फिल्म 'चरणदास चोर' की प्रोड्यूसर भी बनीं। किचन में हमेशा रेडियो सुनने की आदत में एक दिन अचानक रेडियो पर दीपा ने उद्घोषिका की आवश्यकता के बारे में सुना, तुरंत अपने पति श्यामजी को इस जॉब के लिए उत्सुकुता जताई। यहां पति श्यामजी ने उन्हें ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ऐसे हुआ सपना साकार

उम्र हो गई थी 40 वर्ष और दीपा को लगता था कि उनका चुनाव होना संभव नहीं है। कलापारखी नजर रखने वाले उनके पति ने उन्हें हौसला दिलाया ये नहीं भूलना चाहिये कि हम मप्र के मूल निवासी हैं और हिंदी हमारी मूलभाषा है। बस चल पड़ी दीपा ऑडिशन देने और 240 प्रतियोगियों के बीच मात्र 5 प्रतियोगियों का विविध भारती के प्रसिद्ध प्रोग्राम 'सखी-सहेली' के लिए चयन हुआ। उनमें से एक नाम था 'दीपा माहेश्वरी' का। आज वे विविध भारती पर न सिर्फ उद्घोषिका हैं बल्कि कथक जैसे शास्त्रीय नृत्य को भी सीख रही हैं, जो कि आम महिलाओं के लिए अनुकरणीय है। श्रीमती माहेश्वरी का कहना है कि उम्र के अंकों पर न जाए, जीवन सिर्फ एक ही बार मिलता है। अतः जब भी जिस भी उम्र के पड़ाव पर अगर आपको वो करने का मौका मिले जिसे करके आप अपने हर दुःख को भूल जायें, तो ऐसे सपने को अवश्य पूरा करना चाहिये।

विश्वस्तर पर समाज का नाम रोशन करने वालों में माहेश्वरी समाज पीछे नहीं है। इनमें ही कासगंज की रिचा माहेश्वरी भी शामिल हो गई हैं। इस दुनिया को मात्र 6 सेकंड में बचाने के गूगल व यूनाइटेड नेशन्स के मिशन द्वारा वे इसके लिए लोगों में जागरुकता पैदा कर रही हैं।

दुनिया बचाने का अलख जगाती रिचा माहेश्वरी

SMT टीम

देश को गौरवान्वित करने वाले लोगों की सूची में एक और नाम जुड़ गया कासगंज की रिचा माहेश्वरी का। उन्हें गूगल व संयुक्त राष्ट्र संघ के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इनिशिएटिव (लिटल बाई लिटल) के जरिये जागरुकता फैलाने के लिए चुना गया है। इस कार्यक्रम में वे अपने द्वारा बनाई गयी वीडियोस के जरिये लोगो में ये जागरुकता फैलाएंगी कि कैसे अपने कीमती समय में से सिर्फ कुछ सेकंड निकालकर हम सभी एक बेहतर भविष्य के लिए योगदान कर सकते हैं। वे विभिन्न सामाजिक मुद्दों जैसे गरीबी उन्मूलन, पानी व ऊर्जा संरक्षण, सभी के लिए सुलभ शिक्षा, लिंग समानता, पयावरण संरक्षण, अच्छा एवं स्वस्थ जीवन जीने के तरीके आदि ऐसे ही 17 गोल्स पर वीडियोस बनाएंगी। अपने इस कार्यक्रम द्वारा गूगल व यूनाइटेड नेशंस का उद्देश्य दुनियाभर के प्रभावी वीडियो क्रिएटर्स द्वारा लोगों को जागरूक कर 2030 तक विश्व से इन 17 समस्याओं को समाप्त करने का है। शीघ्र ही उनके द्वारा बनाई गई वीडियोज को उनके यूट्यूब चैनल गर्ल-गर्ल व यूनाईटेड नेशन व गुगल के लिटलबाई लिटल प्रोग्राम के यूट्यूब चैनल 'लिटल एवं लिटल' पर देखा जा सकेगा।

मिशन से कैसे जुड़ीं

रिचा माहेश्वरी कासगंज में गली शिवालय निवासी अनुज माहेश्वरी की धर्मपत्नी और सतीशचंद्र माहेश्वरी की पुत्रवधू हैं। ऐसा मौका मिलने से स्वयं रिचा व उनका परिवार बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। रिचा डेढ़ साल से भी अधिक समय से एक एनजीओ इंस्पिरिट सोशल फाउंडेशन व विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के घरेलू उपायों को बताकर, ब्यूटी, डांस टिप्स एवं महिला सशक्तीकरण के उपाय बताकर जागरुकता फैलाने का कार्य करती रही हैं। रिचा के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 8 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। उनके लाइव सेशन में हजारों लोग उनसे जुड़ते हैं एवं उनकी बातों को सुनकर प्रोत्साहित होते हैं। पिछले माह रिचा को गूगल द्वारा ऑनलाइन क्रिएटर्स के प्रोमोशन के लिए बनाए प्लेटफॉर्म के जरिये इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके क्रम में उन्हें हाल ही में अपने बनाये वीडियोस द्वारा यूनाइटेड नेशंस के इस कार्यक्रम को प्रचारित करने के लिए चुना गया। ऐसा मौका पाने वाली वे चुनिंदा लोगों में से एक हैं।

कैसे उत्पन्न करेंगी जागरुकता

रिचा ने बताया कि वह अपने द्वारा बनाये गये वीडियोस द्वारा लोगों में विभिन्न अच्छी आदतों को लेकर जागरुकता फैलाएंगी एवं उन्हें बताएंगी कि कैसे सिर्फ 6 सेकंड देकर पृथ्वी को भविष्य की परेशानियों से बचाया जा सकता है। इसके साथ ही वे जिस एनजीओ इंस्पिरिट सोशल फाउंडेशन से जुड़ी हैं, उसके द्वारा भी लोगों से जुड़कर इस जागरुकता को फैलाएंगी। रिचा का कहना है कि सभी युवा लड़कियों को आगे आना चाहिए और अपने अंदर की महिला शक्ति का सही दिशा में उपयोग करना चाहिए। अगर हम एक सही दिशा में प्रयास करते हैं तो हमारे प्रयास कभी न कभी सफल जरूर होते हैं और समाज में हमारे प्रयासों की सराहना भी की जाती है। शीघ्र ही जागरुकता के विभिन्न मुद्दों पर बनाई गई उनकी वीडियोस को उनके यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकेगा

महिला विशेषांक के प्रकाशन पर सभी समाजजनों को हार्दिक शुभकामनाएं

KOTHARI AGENCY
2037-38 Silk City Market, Ring Road
Surat- 395 002 (Guj.) INDIA
Ph. : +91-261-2330738, 3002050, 3014514
E-mail : kothariagency1975@gmail.com

संवेदना की चितेरी स्मिता लखोटिया

किसी भी कलाकृति का सृजन सिर्फ कलाकार का ब्रश नहीं करता बल्कि वह तो उसकी आंतरिक संवेदनाओं का ही साकार रूप होती हैं। इन्हीं पंक्तियों को अपनी कला व अपनी समाजसेवा दोनों से साकार कर रही हैं, बेमेतरा (छ.ग.) की ख्यात चित्रकार स्मिता लखोटिया। आईये जानें उनकी कहानी कैसे 'कलाकार मन' ने बढ़ाया सेवापथ पर कदम?

▸▸SMT टीम

''कोई भी पेंटिंग सिर्फ पेंटिंग नहीं होती, बल्कि वह तो कलाकार के अपने जीवन की अभिव्यक्ति होती है। कलाकार कभी भी केवल ब्रश से ही पेंटिंग नहीं बनाता बल्कि वे उसके जीवन की अच्छी और बुरी स्थितियों की सोच से सृजित होती हैं। अपने इसी अनुभव व ज्ञान से वह पेंटिंग बनाने का प्रयास करता है।'' ये विचार किसी दार्शनिक के नहीं बल्कि स्वयं स्मिता लखोटिया के हैं। उनके ये शब्द किसी भी कलाकार की अप्रतीम संवेदना को व्यक्त करने के लिये पर्याप्त हैं। वास्तव में उनका जीवन स्वयं भी इसे अभिव्यक्त कर रहा है। स्मिता न सिर्फ बच्चों के लिये कला इंस्टिट्यूट चला रही हैं, बल्कि प्रतिवर्ष 20 अनाथ बच्चों को अपने खर्च से पढ़ा भी रही हैं, जिससे वे अपने सपने पूरे कर सकें।

बचपन से रही कला ही उनकी आत्मा

स्मिता का जन्म बेमेतरा (छ.ग.) में श्री श्याम-श्यामा लखोटिया के यहां उनकी सबसे छोटी तृतीय पुत्री के रूप में हुआ। माता-पिता न सिर्फ उनके सहयोगी रहे बल्कि उनके लिये आदर्श भी रहे। प्राथमिक शिक्षा उसी छोटे से कस्बे से पूर्ण की। इसी दौरान उनके नन्हे हाथों ने कला सृजन प्रारंभ कर दिया था। ख्यात चित्रकार एम.एफ. हुसैन व अमृता शेरगिल उनकी प्रेरणा थे। उनकी यह कला तो अत्यंत प्रारंभिक या कहें शौकिया स्तर पर ही थी। उस समय उन्होंने कल्पना ही नही की थी कि एक दिन लोग उन्हें उनकी कला के लिये जानेंगे।

ऐसे चला कला का सफर

उन्होंने वर्ष 2006 में स्नातकोत्तर पूर्ण किया और उनके मन ने पूर्णतः कला की ओर मोड़ दिया। उन्होंने ''इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में प्रवेश लेकर वर्ष 2009 में 'आर्ट प्रेसिएशन कोर्स' पूर्ण किया, जिसमें उन्होंने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। बस फिर क्या था, बचपन से एक कलाकार बनने का सपना साकार होता चला गया। स्मिता ने ''स्वरूप आर्ट एंड इंस्टिट्यूट'' प्रारंभ किया जिसका लक्ष्य ही सपने व कल्पनाओं को साकार करना था। इसके माध्यम से वे प्रशिक्षण प्रदान कर बच्चों की कल्पनाशीलता तथा उनकी छुपी हुई दक्षता को उभार रही हैं।

कला ने दिलाया सम्मान

स्मिता की कला के नजारे कला दीर्घा में तो दिखे ही समाज का मंच भी इससे अछुता नहीं रहा। उन्होंने अपनी दक्षता व प्रतिभा का प्रदर्शन महिला संगठन द्वारा आयोजित अपरूपा-2014, अरुणोदय व सतरंगी बयार-2016 में भी किया। ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में स्मिता राष्ट्रीय प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी हुई हैं। उनका लक्ष्य अब एक आर्ट गेलरी प्रारंभ करना तथा स्वयं की पुस्तक प्रकाशित करवाना है, जिससे अधिक से अधिक लोग कला के विभिन्न रूपों से परिचित हो सकें।

सफेद दाग के रोगियों की मसीहा
डॉ. स्नेहा राठी

सफेद दाग कितनी कष्टप्रद बीमारी है, यह वही जानते हैं जो इससे ग्रसित हैं। अपनों की उपेक्षा और हजारों रुपए खर्च करने के बाद भी इससे आसानी से छुटकारा नहीं मिलता। इसी लाइलाज सी बीमारी को मिटाने का बीड़ा उठाया है, नागपुर की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. स्नेहा राठी ने। आइये जानें उनकी कहानी, उन्हीं की जुबानी।

मैं गत 14 वर्षों से सफेद दाग का आयुर्वेद द्वारा सफल इलाज कर रही हूं। पढ़ाई में शुरू से ही अव्वल रही। जब मैं सातवीं में थी, मेरे ताऊजी के बेटे को सफेद दाग हो गया। वो परिवार के कर्ताधर्ता थे और उनको इस रोग ने इतना ग्रसित किया कि उन्होंने कई सालों तक एकाकी जीवन व्यतीत किया। समाज में आना-जाना तक छोड़ दिया और अनेक इलाज किए परंतु सब व्यर्थ। उनकी इस तकलीफ ने मेरी डॉ. बनने की चाह और बढ़ा दी। मुझे शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज नागपुर में प्रवेश मिला और मेरा डॉ. बनने का सपना पूरा हुआ। मुझे लगने लगा कि जो लोग सफेद दाग से ग्रसित हैं, उनके लिए कुछ इलाज खोजना चाहिए क्योंकि यह रोग ऐसा है जो रोगी के साथ पूरे परिवार को भी मानसिक प्रताड़ना देता है। मैंने उन लोगों के लिए कुछ करने की ठानी।

सपना साकार करने की शुरुआत

इसी बीच मेरी शादी हो गई। मुझे बहुत अच्छा परिवार मिला जो मेरे सपनों की उड़ान में शामिल हो गया और हर समय मुझे प्रोत्साहित करता रहा। कुछ समय बाद मैंने आयुर्वेद की जनरल प्रैक्टिस शुरू की, परंतु दिल में सफेद दाग से ग्रसितों के लिए कुछ करने की ठानी हुई थी तो धीरे-धीरे मेरी रुचि उस ओर बढ़ती गई। मैंने सन् 2004 में गुरु मां की कृपा से 'गुरु मां आयुर्वेदिक स्किन क्लीनिक' प्रारंभ किया और मेरी पहचान सफेद दाग की विशेषज्ञ के रूप में स्थापित होने लगी। आयुर्वेद में केवल एक रोग पर प्रैक्टिस करने वाली पूरे महाराष्ट्र में मैं एकमात्र महिला चिकित्सक हूं। इस कार्य में मुझे मेरे पति गोपाल राठी और सासू मां लीलादेवी राठी ने सहयोग दिया।

जंगलों से तलाशी औषधि

मैं अभी भी आयुर्वेदिक कॉलेज जाकर प्राध्यापकों से मिलती हूं और अपने प्रश्नों के उत्तर खोजती हूं। मैंने बहुत जंगलों का भ्रमण किया है। जंगल जाकर अनेक वनस्पतियां, जड़ी-बुटियां लाती हूं, आदिवासी लोगों से मिलती हूं। उनसे परंपरागत आयुर्वेद की जानकारी लेती हूं। इसमें पति गोपाल हर समय मेरे साथ जंगल चलते हैं। जड़ी-बुटियों द्वारा दवाइयां मैं स्वयं ही तैयार करती हूं, जो रोगियों को दी जाती है। अभी तक मैं 90 प्रतिशत मामलों में सफल हो चुकी हूं। वर्तमान में मेरे पास वेस्टइंडीज, इटली, अमेरिका, यूके, कुवैत, दुबई, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, आबूधाबी, मलेशिया, नेपाल, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों के रोगी आते हैं।

रोगमुक्ति में ही सच्ची खुशी

रोगी जब पूर्णतः ठीक होते हैं, तब एक जॉब सेटिस्फेक्शन होता है। मेरा तो सफेद दाग रोगियों को कहना है कि समय रहते इलाज शुरू कर देना चाहिए ताकि यह रोग और फैले नहीं। मैं उनमें एक आशा की किरण जगाना चाहती हूं कि सफेद दाग एक मानसिक पीड़ादायक जिद्दी चर्म रोग है परंतु निराश न होईए। समय रहते इलाज किया तो इलाज संभव है और हम इससे मुक्त हो सकते हैं। दैनिक भास्कर समाचार पत्र द्वारा नागपुर, छिंदवाड़ा, गोंदिया आदि में मेरी कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुझे गुजराती समाज (मुंबई) ने सफेद दाग पर लेक्चर देने मुंबई आमंत्रित किया था। मैंने इंटरनेशल आयुर्वेदिक कॉन्फ्रेंस पुणे 2018 में सफेद दाग पर पेपर प्रजेंटेशन दिया था।

नारी मन का दार्शनिक चिंतन

माहेश्वरी महिलाएं अपनी चिंतनशीलता में शिखर पर ही हैं। इसी की झलक उनके लेखन में भी नजर आती हैं। आइये नजर डालें समाज की कुछ प्रमुख चिंतनशील महिलाओं के चिंतन पर।

आत्मीय प्रेम ही मिसाल

क्षमताएं तो सभी में होती हैं, पर उनके परिलक्षित होने में संयोग बनते हैं। किसी लक्ष्य को अंतर्मन से चाहो तो संयोग भी घटित होते हैं। इसीलिए मेरा मानना है पसंदीदा से प्रेम नहीं किया जा सकता बल्कि प्रेम होने पर कुछ पसंद बन जाती है। लेकिन लेखिका होकर भी प्रेम की वास्तविक व्याख्या मैं कर नहीं पाई। एक दिन दीदीजी ने अपने हाथ में थोड़ा पानी भरा और खुली मुट्ठी मेरे सामने रखकर कहा 'देखो ये प्रेम है, जब तक मैं ध्यान से मुट्ठी खुली और सीधी रखूंगी तब तक ये रहेगा और जैसे ही मैं पकड़ने की कोशिश करूंगी, यह गिर जाएगा। लोग अक्सर प्रेम में यह गलती करते हैं। जब प्रेम पर अपना अधिकार करने की कोशिश करते हैं, तो प्रेम पानी की तरह छलक जाता है। प्रेम अधिकार की वस्तु नहीं, समर्पण का भाव है। मैं तो जैसे उनकी बात सुनकर चौंक ही गई। कितनी सटीक और गहरी बात अशिक्षित होने के बावजूद कितने सरल तरीके से बता दी थी उन्होंने।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया जोधपुर (राजस्थान)

सोच से उपजी विवाह की समस्या

आज अपने समाज में सबसे बड़ी समस्या है विवाह। आज विवाह योग्य वधू-वर ढूंढना बहुत मुश्किल हो रहा है। आज अगर देखा जाए तो हर माता-पिता अपनी लड़की के लिए नौकरीवाले लड़के को अपनी पहली पसंद बताते हैं। लड़का अकेला हो, उसका खुद का घर हो, गाड़ी हो, खेत हो। ये उम्मीद-अपेक्षा गलत हैं, मैं ऐसा नहीं कहती हूं। सभी माता-पिता अपनी बेटी के लिए अच्छा ही सोचते हैं, लेकिन लड़का अकेला ही चाहिए, तो माता पिता जाएँगे कहां? सोचो हर कोई नौकरीवाला लड़का पसंद करेंगे तो व्यापार से जुड़े बच्चों का भविष्य क्या होगा? देखना ही है तो यह देखें कि लड़का या लड़की के संस्कार कैसे हैं? उनका परिवार कैसा है? उनकी सोच कैसी है क्योंकि घर-गाड़ी जैसी चीजें हमेशा आपके साथ रहेंगी ये जरूरी नहीं, लेकिन सच्चाई यह है कि अच्छे संस्कार आपके साथ हमेशा रहेंगे जो जीवन को खुशियों से भर देते हैं।

श्वेता अभिषेक काबरा, इचलकरंजी

नैतिकता की पाठशाला है परिवार

जरा सोच कर देखें अगर हमारे जीवन में मां नहीं होती तो क्या होता? हमारे तमाम प्रश्न अनसुलझे रह जाते। अर्थात मां हमारे ज्ञान के चक्षु खोलती हैं। बालक दुनिया में आंखें खोलने के साथ ही सीखना शुरू कर देता है। कहते हैं मां ही बालक की पहली गुरु होती है। अगर हमारे जीवन में पिता नहीं होते तो कौन हमें अंगुली पकड़कर डग भरना सिखाता? हौसलों की उड़ान भरना बालक पिता के साहचर्य में ही सीखता है। सपनों को यथार्थ में बदलने की काबिलियत पिता के दिशा निर्देशन में से ही पनपती है। मां-पिता बालक के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं फिर भी कहीं कुछ अगर अधूरा छूट जाता है तो वह हमारे जीवन में दादा-दादी, नाना-नानी, बुआ, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, मामा-मामी, मौसा-मौसी जैसे कई रिश्ते भी हैं। वे कहानी किस्से जो दादी-नानी-बुआ गाएब गाए सुनाया करती थीं। उनकी कही कहानी का अर्थ हुआ करता था। कभी छिपा हुआ संदेश तो कभी मुखरित होता उपदेश जो बालक का नैतिक ज्ञान बढ़ाते हुए उसके व्यक्तित्व का विकास में सहयोगी बनता था। नैतिक ज्ञान के बिना मानव सभ्यता की बात सोची नहीं जा सकती। दुनिया में आज अगर मनुष्य मानव से दानव बन रहा है तो वह उसकी नैतिक ज्ञान की कमी के कारण ही ऐसा हो रहा है। बालक को सहृदय और संवेदनशील बनाने में कभी संयुक्त परिवार के सदस्यों की अहम भूमिका रहती थी किंतु आज संयुक्त परिवार टूट चुके हैं। एकल परिवारों में मां-पिता बालक को वह सब नहीं दे सकते जो संयुक्त परिवार दिया करते थे। यदि बालक में नैतिक शिक्षा रोपन की बात करते हैं, तो हमें एकल और समूह की ताकत को समझना होगा।

डॉ. विमला भंडारी, सलूंबर (उदयपुर)

समस्या इतनी बड़ी नहीं होती जितनी हम मान लेते हैं, चिंता की जगह 5 मिनट शांति रखने से 80प्रतिशत बातों का हल दिमाग में आ जाता है..

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

क्यों जरूरी है नारी सशक्तीकरण

SMT टीम

नारी सशक्तीकरण का अर्थ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई रूपों में लिया जा रहा है। इसे कोई नारी के उन्मुक्तकरण से जोड़कर देख रहा है तो कोई सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था के लिए खतरे के रूप में। आईये जाने वास्तव में नारी सशक्तीकरण क्या है और क्यों जरूरी है, नासिक निवासी सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा के राष्ट्र स्तर पर विशेष उपलब्धि प्राप्त वाद-विवाद प्रतियोगिता के उनके विचारों से।

'नारी सशक्तीकरण'-दूसरे सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि नारी का ऐसा अस्तित्व एवं स्थिति जहां वह स्वतंत्रता के साथ अपने शिक्षा-करियर, शादी, रोजगार, परिवार नियोजन सहित सभी पारिवारिक और सामाजिक कार्यों/मुद्दों पर बिना किसी दबाव और मदद के निर्णय लेने की अधिकारी और निर्णय लेने में सक्षम हो। साथ ही साथ नारी को भी पुरुषों के समान सभी अधिकार प्राप्त हो और वह आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन जाएं।

अनादिकाल से ही नारी को चाहरदीवारी के अंदर घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित रखा गया है। नारी की इस परिस्थिति में तीस प्रतिशत बदलाव आया है, पूर्णतः नहीं और यह तब तक पूर्णतः संभव नहीं होगा जब तक हमारे पुरुष प्रधान समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा। नारी को अधिकारों के लिए स्वयं ही आगे आना होगा। कार्यक्षमता और शक्ति का परिचय देना होगा। नारी को साबित करना होगा कि वह सिर्फ भोग की वस्तु नहीं है, लाचार नहीं है। नारी को जागरूक होने की परम आवश्यकता है। नारी स्वयं के विकास, उन्नति, प्रगति, समृद्धि और अधिकारों के लिए जागरूक बनें और अन्य नारी-शक्ति को भी प्रेरित करे।

हमारी सामाजिक व्यवस्था सहयोगी

हमारी सामाजिक व्यवस्था ऐसी है कि यह कार्य आसान नहीं है पर निरंतर प्रयास से यह परिवर्तन भी संभव होगा। इसकी नींव नारी को सर्वप्रथम स्वयं के अंदर ही रखनी होगी। इसके लिए नारी स्वयं में निर्णय लेने और और नेतृत्व करने की क्षमता पैदा करे। दृढ़निश्चयी बने, अधिकारों और शक्ति को पहचाने। समाज में पुरुषों की सोच बदलने, स्वयं को स्थापित और साबित करने के लिए, अपने अस्तित्व को अक्षुण्ण रखने के लिए नारी को जागरूक और सशक्त बनना ही होगा। ऐसा करेंगे तभी सही मायने में महिला सशक्तीकरण का स्वप्न साकार और प्रयास सार्थक होगा। नारी सशक्तिकरण के साथ ही एक नए भारत और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।

समाज के बिना प्रयास अधूरे

भारतीय संविधान से लेकर सामाजिक संगठनों तक में नारी सशक्तीकरण की बड़ी-बड़ी बातें तो होती हैं पर अफसोस आज भी भारतीय नारी सशक्त नहीं हो पाई हैं। भारतीय संविधान के प्रावधान के अनुसार पुरुषों की तरह सभी क्षेत्रों में महिलाओं को बराबरी का अधिकार कानूनन प्राप्त है। हिंदुस्तान की जनसंख्या में लगभग आधी भागीदारी महिलाओं की है। महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र में इन्हें स्वतंत्रता प्रदान करने की जरूरत है। जिस देश में नारी को शक्ति का स्वरूप माना जाता है वहीं पर सबसे अधिक नारी सशक्तीकरण की आवश्यकता है। नारी की कोमल भावनाओं का सहारा लेकर उसे निर्बल, धर्म और मर्यादा की दुहाई देकर उसके अधिकारों की सीमाएं निश्चित कर दी जाती हैं। हमारे देश में नारी को मां का सबसे उच्च दर्जा प्राप्त है पर उसी मां को अधिकारों व विकास से बिल्कुल अनभिज्ञ रखा जाता है।

अर्द्धांग को सशक्त करना जरूरी

हमारे शास्त्रों में नारी को पुरुष की अर्धांगिनी के रूप में वर्णित किया गया है, पर यह सिर्फ शास्त्रों तक ही सीमित है। सही अर्थों में इसको कभी-भी परिमार्जित नहीं किया गया। दाम्पत्य जीवन में अर्धांगिनी शब्द को सार्थकता मिलने पर हमें नारी सशक्तीकरण में भरपूर योगदान मिलेगा। आज नारी शोषण से पूरा भारत भयभीत है। नारी की अस्मिता तार-तार होते देख रूह कांप उठती है। मानवता और पुरुषत्व को धिक्कारने का मन करता है। नारी की सुरक्षा को लेकर मस्तक-पटल पर सैदव चिंता की लकीरें खींची रहती हैं। ऐसी परिस्थिति में नारी सशक्तीकरण की सर्वाधिक जरूरत महसूस होती है। नारी पुरुष को रक्षक समझती है पर जब वही रक्षक भक्षक बन जाए तो नारी को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक सतर्क होने की जरूरत है। नारी को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं ही उठानी होगी।

Harish Chandak

With Best Compliments from

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises

(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | SURYA

USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

हार्दिक शुभकामनाएं.....

श्री निवास एंड ब्रदर्स

SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबु एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

Swastik

Supplying Company

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S
SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

Anil Lakhotiya
93930-33260, 98490-15470

14-7-362 BEGUM BAZAR, HYDERABAD-500012

Swastik Decor

SERVICES PRIVATE LIMITED

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S
SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

14-7-362, begum Bazar, HYDERABAD-500012
Tel : 24614196, 93930-33251, 93930-33250
E-mail : swastiksupplying@gmail.com

महिलाएं जाने अपने कर्तव्य और अधिकार

नारी को लेकर प्राचीन ग्रंथों से लेकर वर्तमान के साहित्यकारों ने बहुत कुछ लिखा है। चाहे सभी के शब्द अलग-अलग रहे हों लेकिन उनकी सोच एक ही रही है कि नारी अत्यंत सम्मानीय है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। इन विचारों को सार रूप में लोकप्रिय कवि जयशंकर प्रसाद के काव्य ग्रंथ कामायिनी की ये पंक्तियां व्यक्त करती हैं

नारी तुम केवल श्रद्धा हो,
विश्वास रजत नग पल तल में
पीयूष स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में।'

अर्थात हे नारी! आप सिर्फ श्रद्धा हैं, आप तो मात्र पुरुष के जीवन में अमृतदायिनी नदी होकर बहा करें। आपका होकर पुरुष सबका हो जाएगा, आपको खोकर वह सबसे भटक जाएगा। आप लक्ष्मी हैं, आप पुरुष के जीवन में सृष्टि की तरह बरसा करें। वास्तव में उसके योगदान या कहें कर्तव्य ही ऐसे हैं, जिन्हें कोई अन्य पूर्ण नहीं कर सकता। इस मानव सृष्टि की जन्मदात्री सिर्फ नारी है। उसके ही कारण परिवार की संरचना और पारिवारिक रिश्ते है। उसी में शक्ति है, सभी रिश्तों को स्नेह की डोर में बांधे रखने की। सबसे बड़ी बात तो यह है कि वही संस्कारों की प्रथम महागुरु है, जो एक अबोध बालक को ममता के साथ संस्कारों की घुट्टी भी पिलाती है। अतः नारी यदि श्रद्धा की केंद्र है, तो इसीलिए क्योंकि वह अपने इन आदर्शों को निभाती है। परिस्थितियों में उसकी भूमिका बदली है, उसके साथ भी उसके मूल कर्तव्य तो वही जुड़े हैं, क्योंकि उन्हें निभाने का सामर्थ्य किसी और में नहीं है।

सामाजिक व्यवस्थाओं तब छिन्न-भिन्न होती हैं, जब उसके सदस्यों को अपने कर्तव्यों व अधिकारों की जानकारी नहीं होती। कर्तव्यों की जानकारी न होने से अपना पर्याप्त योदान नहीं दे पाता और अधिकारों की जानकारी न होने से वह शोषण का शिकार हो जाता है। आईये जानें महिलाओं के उन कर्तव्यों समाज को सुख-समृद्धि की बगीचा और उनक अधिकारों को जो उन्हें हर स्थिति में सुरक्षा प्रदान कर सकें।

SMT टीम

अधिकारों के निर्धारण की जरूरत क्यों?

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय महिलाओं की दशा बड़ी सोचनीय थी। वे सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाहों, सती प्रथा, बहुविवाह आदि की शिकार थीं। महिला और पुरुष रथ के दो पहिये हैं, यदि एक पहिया भी छोटा, जर्जर अथवा कहीं खंडित होगा, तो स्पष्ट है कि रथ कहीं फंसेगा, कहीं धंसेगा और दाएं-बाएं डोलते हुए भयकारी रीति से चलेगा। इसलिए महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए भारतीय संविधान में महिलाओं को न केवल सभी मूल अधिकार प्रदान किए गए हैं, वरन राज्य को उनके लिए विशेष कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। 20वीं सदी के उत्तरार्ध में महिलाओं का उत्पीड़न रोकने और उन्हें उनका हक दिलाने के बारे में बड़ी संख्या में कानून पास हुए हैं। पुराने कानून बदले हैं और राजनीतिक तथा सामाजिक क्षेत्र में उन्हें कई अधिकार मिले हैं।

क्या हैं महिलाओं के अधिकार

- किसी हिंदू, ईसाई, पारसी पत्नी के जीवनकाल में यदि उसका पति दूसरा विवाह कर लेता है तो उसे

भारतीय दंड संहिता में द्विविवाह के लिए कारावास और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियत 2005 में हुए संशोधन के पश्चात न केवल पुत्री पिता की संपत्ति में पुत्र के बराबर हिस्सा प्राप्त करने की अधिकारी है वरन पैतृक संपत्ति में भी उसे पुत्र के बराबर ही हिस्सा प्राप्त होगा।

किसी भी महिला को शादी में मिले उपहार उसकी निजी संपत्ति हैं।

दहेज लेना व देना दहेज निषेध अधिनियम के तहत कानूनन जुर्म है। भारतीय दंड संहिता की धारा 898 (अ) के तहत दहेज की मांग को लेकर पति या पत्नी के रिश्तेदार अगर किसी महिला को परेशान करेंगे तो वे तीन वर्ष के कारावास एवं जुर्माने से दंडित किए जाएंगे।

कानूनन विवाह के अवसर पर वर-वधू को दिए जाने वाले उपहारों की सूची तैयार की जाना और सूची पर वर-वधू के दोनों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।

महिला शादी के पश्चात भी अपना पूर्व का नाम रख सकती हैं।

यदि पति बिना किसी कारण के या जान बूझकर वैवाहिक संबंधों का निर्वाह नहीं करें तो पत्नी अदालत में वैवाहिक संबंधों की पुनर्स्थापना के लिए प्रार्थना पत्र दायर करती है।

किसी भी महिला के शरीर के साथ उसकी इच्छा के बिना खिलवाड़ करना कानूनी अपराध है।

यदि कोई महिला स्वयं का भरण पोषण नहीं कर सकती तो वह अपने पति, बच्चों (पुत्र या पुत्री) अथवा पिता से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है। राज्य सरकार ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत 500-/ रुपए के स्थान पर 2500/- तक भरण पोषण दिलवाए जाने का प्रावधन किया है।

महिला की इच्छा के विरुद्ध गर्भपात करवाना अपराध है, किंतु कोई महिला बच्चे के विकलांग पैदा होने के डर से या बलात्कार से गर्भवती होने पर या परिवार नियोजन का साधन असफल होने के कारण गर्भवती होने पर गर्भपात करवाती है, तो वह कानूनन अपराध नहीं है।

किसी भी सरकारी नौकरी में स्त्री एवं पुरुष में धर्म, लिंग या जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा अर्थात समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाएगा।

कामकाजी महिला को आयकर में 5000/- रु. की छूट का प्रावधान है।

परित्यक्ता एवं विधवा महिला अपने पिता की पेंशन भी ले सकती है, यदि उनकी मां की मृत्यु हो चुकी है। यह पेंशन वे 25 वर्ष की उम्र तक ले सकती है। इसके पूर्व वे पुनर्विवाह कर लेती हैं, तो पेंशन पाने की हकदार नहीं है। अविवाहित पुत्री माता के ना रहने पर पिता की जीवन पर्यंत पेंशन ले सकती है।

हमारी संविधान में दहेज से जुड़े अपराध से महिलाओं की रक्षा के लिए खास अधिनियम है। इस अधिनियम का नाम दहेज निषेध अधिनियम है, जो वर्ष 1961 में लागू हुआ था। इसके अनुसार दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध हैं।

कानून में यह प्रावधान है कि पुलिस महिला को किसी भी पूछताछ के लिए थाने पर नहीं बुला सकती। इसके लिए उससे उसके घर पर ही पूछताछ की जा सकती है।

किसी प्रकरण में सामान्यतः महिला की रात्रि के समय गिरफ्तारी नहीं हो सकती। दिन के समय गिरफ्तारी के दौरान भी महिला कांस्टेबल का होना अनिवार्य है।

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

theinnerstrength foryourconstruction

Sanjay Kumar Somani +91 - 92465 34957
Sudhir Kumar Somani +91 - 98490 24065
Aakash Somani +91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY
MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123
Mahendra Rathi 92468-87753

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

vishalprinter.com

प्री-वेडिंग फोटोशूट को सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर माता-पिता की सहमति से विवाह पूर्व ही लड़के-लड़की की करीब-करीब हनीमून सरीखी तस्वीरों को खिंचवा कर विवाह समारोह में प्रदर्शन करना। इन प्री-वेडिंग फोटोशूट के वीडियो और तस्वीरों का प्रयोग सोशल मीडिया साइट्स एवं व्हाट्सएप्प द्वारा दोस्तों-रिश्तेदारों और समाज बंधुओं को आमंत्रण देने व अपनी आधुनिकता और स्टेट्स का प्रदर्शन करने के लिए भी किया जाता है। लेकिन क्या गरिमामय भारतीय संस्कृति में यह स्थिति उचित है? इसी पर श्री माहेश्वरी टाईम्स की ओर से मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार जानने की कोशिश की।

क्या प्रीवेडिंग शूट पर जरूरी है अंकुश

समाज के लिए अभिशाप

भौतिकवादी सुख सुविधा एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण तथा कुछ नया करने की प्रवृत्ति में भावी पीढ़ी अपनी परंपराओं एवं रीति रिवाजों से हटकर इवेंट मैनेजर एवं कोरियोग्राफर के कथनानुसार शादी के पहले वीडियो फोटोग्राफी करवाते हैं शादी में नवदंपत्ति को आशीर्वाद देने एवं जीवन साथी बनने के साक्षी होने वाले सगे संबंधी रिश्तेदार एवं समाजजनों को दिखाते हैं तो आशीर्वाद देने आने वालों का क्या औचित्य या महत्व रह जाता है? दूसरे फोटोशूट में बड़ों की मर्यादा का ध्यान रखा जाता है तो आगे भी परिवार में मान-सम्मान क्या बचेगा? तीसरे हमारे समाज में विवाह संस्कार को एडजस्ट व सहयोग के रूप में माना जाता है परंतु इन फोटो शूट की वजह से विवाह के पहले ही इतने करीब आ जाते हैं तो कभी-कभी छोटी-छोटी बातों से ही विचारों में दरार पड़ जाती है जो शीघ्र ही तकरार और तत्पश्चात तलाक में परिवर्तित तो जाती है। इसके निदान हेतु प्री वेडिंग शूटिंग के बजाय प्री वेडिंग काउंसलिंग करना चाहिए, क्योंकि शादी सिर्फ दो सदस्य ही नहीं, दो परिवारों का मिलन भी है। अतः दोनों की अपने-अपने दायित्व एवं कर्तव्य की जानकारी देना भी आवश्यक है।

सुशीला काबरा
पूर्व अध्यक्ष, अभा माहेश्वरी महिला संगठन

कथनी-करनी का भेद मिटाएं

समाज सुव्यवस्थित ढंग से चले इस हेतु महासभा द्वारा कई नियम-कायदों की आचार संहिता भी बनाई गई। आमजनों ने इसका पालन भी किया। बंद भी हुईं। किंतु समाज का प्रबुद्ध वर्ग और जिन पर नेतृत्व की जिम्मेदारियां दी गईं, वे लोग इसमें पतली गली ढूंढने लगे एवं नए आदर्श की बजाए पाश्चात्य प्रथाओं को जन्म देने लगे। समाज में अब प्री वेडिंग शूट का प्रदूषण बढ़ रहा है। दुर्भाग्य से यह भी उन परिवारों की देन है जो समाज को नई दिशा देने वाले कहे जाते हैं। यह सच है कि प्री वेडिंग शूट विवाह से पहले लड़के-लड़कियों की अंतरंगता बढ़ा रहा है इस प्रथा को केवल नियमों कायदों से बंद नहीं किया जा सकता अपितु नेताओं के आचरण से ही रोका जा सकता है।

राजकुमार आर जाजू (वर्धा)

यह परंपरा नहीं बेशर्मी

इस प्रक्रिया की अपने समाज के संदर्भ में ही विवेचना करनी होगी। अपनी पसंद से विवाह करने वाले युवा तो पहले से ही स्वतंत्रत हैं, कुछ भी शूट करने की होड़ में कोई भी पीछे क्यों रहे? बहुत ही व्यक्तिगत बातों को सार्वजनिक करने की मंशा तो शूट कराने वाले ही जानें लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी नजर में कुछ भी संकोच का विषय नहीं है। देखा देखी समाज में बेहूदापन दर्शाया जा रहा है जिसे परिस्थिति वश देखना व सहन करना पड़ रहा है। इतनी बेशर्मी तो विदेशों में भी नहीं है।

उर्मिला चांडक, कासगंज

कहां जा रहे हैं हम

शादी अरेंज हो या लव यह एक अनप्रीडिक्टेबल रिश्ता है। शादी से पूर्व अर्थात प्री वेडिंग अर्थात मिले, फोटो निकालें या फिल्म शूट करें यह खुशी एवं प्रेम का इजहार है.. यह निजता है, उसका प्रदर्शन यह प्रश्न है? प्री वेडिंग शूट करना और उसे डिस्प्ले करना यह वैभव और प्रेम का प्रदर्शन है जो ठीक नहीं है। निजी चित्रों को विवाह स्थल पर लगाना तो सर्वथा अनुचित ही है। टेक्नोलॉजी का अपना मजा है, लेकिन अपनी लक्ष्मण रेखा भी खुद बनानी है।

ज्योति देवकिशन बाहेती, अकोला (विदर्भ)

किसी ने ने क्या खूब कहा है
'उसके दुश्मन बहुत हैं,
आदमी जरूर अच्छा हैं

रोकने का पूरा प्रयास हो

विवाह संस्कार हमारी भारतीय संस्कृति के सोलह संस्कारों में से एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण संस्कार है। विवाह संस्कार से जुड़ी हमारी परंपराएं हमारे रीति-रिवाज सभी का सामाजिक-नैतिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण औचित्य है। इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन अभी कुछ सालों से एक नया इवेंट विवाह से जुड़ा 'प्री वेडिंग शूट'। यह नया कार्यक्रम हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं में किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं है। सिवाय एक अनैतिक प्रदर्शन के। हमें जहां तक हो हमारी नयी पीढ़ी को इसके परिणामों से अवगत कराना चाहिए और इसे रोकने का पूरा प्रयास करना चाहिए।

बिमलादेवी साबू, सूरत

मर्यादा में अनुचित नहीं

मेरा मानना है कि अगर दोनों परिवारों की सहमति हो तो सादगीपूर्ण तरीके से प्री-वेडिंग फोटोशूट करवाना किसी भी मायने में अनुचित नहीं है। पर एक बात का ख्याल सदा रखना चाहिए कि प्री-वेडिंग फोटोशूट हमारे परिवार-समाज के संस्कारों व मर्यादाओं के दायरे में किया जाए।

वर्षा माहेश्वरी, अहमदाबाद

यह पूर्णत: गलत परंपरा

यह हमारी भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के अनुरूप नहीं है। हिंदू धर्म में विवाह को एक संस्कार माना जाता है तथा पति-पत्नी के संबंधों को अत्यंत पवित्र माना गया है, जबकि प्री-वेडिंग शूट इस रिश्ते की निजता को ही समाप्त करने की ओर अग्रसर है। संबंध प्रगाढ़ होने के बजाय टूट रहे हैं। मेरे विचार से यह एक गलत परंपरा हमारे समाज में अपने पांव पसार रही है, जो समाज के लिए अत्यंत अहितकर है। हमें इसका विरोध करना चाहिए और समाज के हित में इसे बंद करना चाहिए।

- मोनिका माहेश्वरी, बरेली

विवाह संस्कार का करें सम्मान

विवाह संस्कार वास्तव में हमारे जीवन में ईश्वर का एक आशीर्वाद है, जो हमारी आत्मा के उत्कर्ष में सहयोग प्रदान करता है। अतः इसके संस्कारों के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए, न कि प्री वेडिंग शूट की तरह अनैतिक फूड़हता। विवाह की गरिमा को कम करना सभ्य समाज की पहचान नहीं हो सकती।

-डॉ. बीएम भट्टड़, नांदेड़ (महा.)

यह सामाजिक मर्यादा का हनन

माहेश्वरी परिवारों की पहचान धर्म-कर्म, समासेवा व उच्च कोटि के संस्कारों से है। लेकिन आजकल देखा जा रहा है कि पाश्चात्य शैली का हमारे समाज में प्री वेडिंग शूट के रूप में एक और बुराई के रूप में प्रवेश हो रहा है। अब सवाल यह है कि यह कौन सी संस्कृति हमारे समाज में घर कर रही है? क्या अब हमारे समाज की युवा पीढ़ी अपनी निजी जिंदगी को भी सार्वजनिक करने से नहीं कतराती है। इस प्री वेडिंग शूट के दौरान लड़का-लड़की द्वारा एक-दूसरे को अश्लील अदाओं से स्पर्श करना क्या उचित है? इस दौरान ये सभी शालीनता एवं मर्यादा भी एक खूंटी पर टांग देते हैं। युवा संगठनों का दायित्व है कि वे ही इन समस्याओं को लेकर समाज के युवाओं के बीच जाकर इसका सही रूप में पक्ष रखे और इस कुरीति को रोकने का प्रयास करें।

- रमेश काबरा

सम्पादक-समाज प्रवाह, मुम्बई

यह निजी मामला

विवाह के पल जिंदगी के सबसे खुशनुमा पल होते हैं। जीवन साथी के साथ जिंदगी बिताने की खुशी अनोखी ही होती है। यादों को सहेजने के लिए पहले जहां वीडियो शूटिंग होती थी, फोटोग्राफी होती थी, उसी का एक हिस्सा है प्री वेडिंग शूट। वैसे भी शादी जैसा मुद्दा किसी भी व्यक्ति और परिवार का निजी मामला होता है। प्री वेडिंग शूट सामाजिक दृष्टि से उचित है या नहीं, इस पर बहस करने के बजाय समाज में फैल रही अन्य बुराइयों और कुरीतियों (अंतरजातीय विवाह, विवाह विच्छेद) को दूर करने के हम सभी को प्रयास करने चाहिए। प्री वेडिंग शूट को समाज की गलत परंपरा कहना गलत होगा। कहते हैं परिवर्तन प्रकृति का नियम है, जब हम समाज में आ रही अन्य बदलावों को स्वीकार कर रहे हैं, तो प्री वेडिंग शूट जो कि आपकी खुशियों का ही एक हिस्सा है, उसे स्वीकार करने में संकोच कैसा?

वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी,

निवृतमान संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) अभा

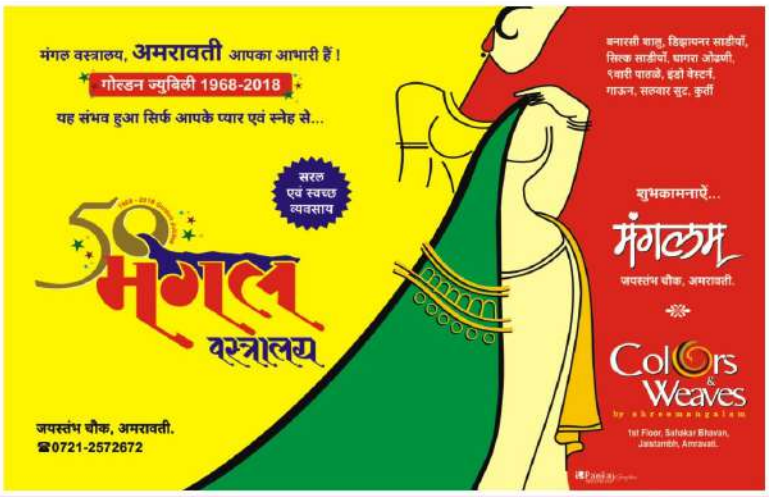

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

नेताओं री मूर्तियां

खम्मा घणी सा हुक्म आपाणे भले देश में कई नेता भारत ने कृषि प्रधान देश माने भले ही कृषि-जन फसल न हुवण सुं आत्महत्या भी क्यों न करले पर वाणे प्रधान रो दर्जो देने सम्मानित जरूर करे... कई नेता दल भारत देश ने पुरूष- प्रधान देश भी माने क्योंकि कई राजा- महाराजा भारत रे राज्यों पर शासन कियों, आजकल कई नेता महिलाओं ने प्रधान माने क्योंकि कई महिला नेता बणने आगे आयी है पर हुक्म अगर गौर करा तो लागे की भारत मूर्ति प्रधान देश है। या बात यूँ दिमाग मे आवे कि आजादी रे 70 साल बाद भी महिलाओं री स्थिति में कोई विशेष सुधार नही, ईमानदार कर्मचारी री कद्र नही, अमीर रे हाथ नीचे गरीब यूँ पीस रियो है ज्यों बैल तेल री घाणी में पिसीजे..पर चौराहा - चौराहा पर मूर्ति लगावण रो काम बड़ी श्रद्धा सुं हुवे ...

हुक्म आपाणे देश मे जीनी सता आवे वे आपरे सता रे लोगो री मूर्तियां जनता रे पैसे पर धड़ल्ले सुं लगावे और आपरे राज-सरकार री तारीफों रा पुल बांधता नही थके।।

हुक्म कांग्रेस सरकार आयी तो महात्मा गांधी, चाचा नेहरू,इंदिरा गांधी, राजीव गांधी रे मूर्तियों री भारी लहर आगी। पटेल, शास्त्री ने भी कठेई कठैई याद कर लियो। भाजपा सरकार आयी जण दीनदयाल उपाध्याय, वीर सावरकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी री मूर्तियों रो परचम रहियो..

कई जगह जाति ने तवज्जों मिलियों अपणे अपणे जाति रे नेता री मूर्तियां लगाई। उत्तरप्रदेश में मायावती जी काशीराम री कम हाथियों री मूर्तियों सुं प्रदेश में हाथी लहर री एड़ी बौछार कर दी कि बच्चो ने पढ़ाई री सुविधा नहीं दी पर खेलण वास्ते हाथी गणों ने ही लगा दिया।

हुक्म म्हने मूर्तियां सूं एतराज नहीं पर जोशोखरोश सुं मूर्तियां लगावण वाला नेता काईं उन महापुरुषों रो आदर्श आपरे जीवन मे भी शामिल करें या वाणे आदर्शो ने मूर्तियां रे नाम पर आपरे पद प्राप्त करण री फिराक में है। गांधी रो नारों **'अहिंसा परमो धर्म'** नेहरू रो नारों 'आराम हराम है' पंडित दीनदयाल उपाध्याय रो नारों **'गाँव को सुधारो'** इन महापुरुषों री बात मूर्तियां लगावण वाळा जीवन में उतारे या नहीं। अगर इन महापुरुषों री बात पर आज रा नेता आपरे जीवन मे उतार देश री सेवा करता तो इण देश रो हाल इतो बुरों नही हुवतो जीतो आज है। हुक्म अमीरों री अमीरी बढ़ रही है, गरीब और गरीबी री रेखा सुं नीचे उतर रियाँ है राजनीति में झूठ सच रो भेद मिट गयो है। चुनाव में जीतण वास्ते नेता उन महापुरुषों री मूर्तिया वाणा वाक्य याद करने भोली जनता ने यूँ गुमराह करें कि महापुरुष भी ऊपर बैठा सोचे या म्हाणी केड़ी दुर्गति हो रही है जो कुर्बानी देश री सुरक्षा और आजादी रे लिए की पुरो जीवन समर्पण कर दियों ये भ्रष्ट नेता उन बलिदानी ने कलंकित कर रियाँ है। हुक्म मूर्तियां बणानी आसान है पर आंख बंद करने सामने खड़ा हुने वाणे आदर्शों ने जीवन मे उतारनो मुश्किल... सच कहूं तो हुक्म आंख बंद करने मूर्तियां से सामने हाथ जोड़ कर तपस्वी बणा बगुला मौकों मिलते ही मछली बण जनता रूपी शिकार ने निगल लेवे ...

वाह रे ढोंगियों मूर्तियों री आड़ में कई काळा कारनामा कर लिया...
महापुरुषों री बलिदानी ने धर्म रे नाम पर खुले आम भ्रष्ट कर रियाँ ।।

मुलाहिज़ा फरमाइये

खामखां मैंने
गहराई-पसंद की,
कोई उतरा ही नही
मेरी सोच तक...

मुझे महंगे तोहफ़े पसंद है साहिब.....
अगली बार आओ तो वक़्त ले आना...!

खुशियों में तब से बरक़त हुई है हमारी ।
जब से इस जिंदगी में शिरकत हुई है तुम्हारी।

मुझे यकीन है मेरे लफ़्ज़ों के हुनर पर
तुम मेरा चेहरा भूल सकते हो पर बातें नही।

वो अगर ख़्वाब है आंखों में रहें बेहतर है
और अगर हक़ीक़त है तो आंखों से निकलकर आए....

खुद मंझधार में होकर भी जो औरों का साहिल होता है,
जिम्मेदारी उसी को मिलती है जो निभाने के क़ाबिल होता है..

'ना थके कभी पैर ना कभी हिम्मत हारी है;
जज्बा है परिवर्तन का, इसलिये सफर जारी है।

मांगी थी दुआ आशियाने की,
चल पड़ी आंधियां जमाने की।
मेरे गम कोई न समझ सका,
क्योंकि मेरी आदत थी मुस्कुराने की। '

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी, मेरठ*

मारवाडी महासभा
MARWADI MAHASABHA
(विश्व के प्रगतिशील मारवाडियों की प्रमुख संस्था)
न्याय ही धर्म
संस्थापक : राठीजी
कविता पोस्टर को १,००,०००/- का अपूर्व एवं ऐतिहासिक सम्मान.
श्री बजरंगलाल तापड़ियाजी को अपना सुविख्यात कविता पोस्टर भेट करते श्री महेश राठी केकडीवाल एवं माहेश्वरी भूषण तथा वरिष्ठता की गरिमा श्री चांदमल सारडा
भारत के शीर्ष उद्योगपतियों में से एक तथा सुप्रिम इंडस्ट्रीज के चेयरमेन श्री. बजरंगलाल सूरजमलजी तापड़िया ने विख्यात चिंतक एवं महासभा के सभापति श्री महेशराठी केकडीवाल को उनके प्रसिद्ध कविता पोस्टर के लिए एक लाख का अपूर्व सम्मान प्रदान किया जो किसी एक कविता पोस्टर को भारत में ऐतिहासिक है. पूर्व में इसी पोस्टर को अधिकतम राशी २१,०००/- की सी.ए. जब राठी ने सी.एफ.ए. की परीक्षा में सफलता मिलने पर इसी वर्ष प्रदान की थी.
श्री तापड़िया साहेब का आभार प्रगट करते हुए श्री राठी ने हमेशा की भांती सम्पूर्ण सम्मान राशी नीम महोत्सव, राजस्थान के लिए सीधे मारवाडी महासभा को ही भेट करवादी ताकि २.५ करोड नीम लगाने / लगवाने का पर्यावरण यज्ञ विशेष कर माहेश्वरी जाती की सांस्कृतिक परंपरा की पहचान कायम स्वरुप बढे.
वर्ष २०१८, (अष्टम) नीम महोत्सव यात्रा का रुट (५०८ किलोमीटर)
कार्यक्रम : दिनांक १२ अगस्त रविवार से १५ अगस्त तक
नोट कार्यक्रम में फेरबदल सुविधानुसार संभव.
आधुनिक एवं प्रगतिशील राजस्थान के भामाशाह मानेजाने वाले तापड़िया परिवार का मूल गांव है जसवंत गड़. तापडिया परिवार ने प्लास्टिक के फर्निचर बनाकर करोड़ों पेड़ों को कटने से बचाया जो इन्हे आधुनिक पर्यावरण ऋषि सी उच्चता प्रदान करने के लिए पर्याप्त है तथा किसी भी सरकारी सम्मान से बहुत बड़ा है, ऐसे उदगार मारवाडी महासभा ने व्यक्त किये.
विनीत
चांदमल सारडा - ९३२३९४५२७४
(संयोजक मारवाडी महासभा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज CSR NEEM MAHOTSAV)
आर.एस. काकाणी - ९८६९८७२०१३
SPECIAL EXECUTIVE OFFICER OF PROJECT NEEM MAHOTSAV, 2018
बेटी बढाओ अभियान
लक्ष्मी स्वागत निधी
देश की हर साल - पहली लडकी को तीन लाख
नीम महोत्सव
मिनरल वॉटर प्याऊ
रानी सम्मान
Regd. Add : A - One - 007, Shruti Park, Sandoz Baug, Thane (W), Maha. India - 400 607
Tel : 258 99 077 Mob : 99 676 009 72

खुश रहें... खुश रखें...

हार की संभावना से बचाती है परिवार की ताकत

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा।

परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

मखाने का शाही रायता

आवश्यक सामग्री - दही - 2 कप (500 ग्राम), मखाने - 1 कप (20 ग्राम), पुदीना के पत्ते - 10-12, जीरा पाउडर - छ्ह छोटी चम्मच (भूना हुआ), काला नमक - आधा छोटी चम्मच, नमक - आधा छोटी चम्मच से कम, हरी मिर्च - 1, चीनी - 1 छोटी चम्मच

विधि - दही को फैंट कर तैयार कर लीजिए. हरी मिर्च को बीज हटाकर, बारीक काट लीजिए. पुदीने के पत्तों को भी बारीक काट कर तैयार कर लीजिए. चटकारा के साथ बनाए रेसिपी मखाने का हलवा।

पैन को गरम करने के लिए रखें, इसमें मखाने डालकर लगातार चलाते हुए हल्का सा कलर चेंज होने तक भून लीजिए. मखाने 2-3 मिनट में भून कर तैयार हो जाते है. दही में भूना हुआ जीरा, काला नमक, सादा नमक, बारीक कटी हरी मिर्च, पोदीना के पत्ते, चीनी और भूने हुए मखाने डालकर अच्छे से मिला दीजिए. लगभग 15-20 मिनिट बाद मखाने दही को अपने में सोख कर नरम हो जाते हैं, ठंडा ठंडा मखाने का रायता बनाकर पराठें के साथ पेश करे ।

▸▸ पूनम राठी

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
WEST COAST LABS CHECKMARK
Internationally
Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.50
98.22.88.25.66

Computerised
Horoscope
Most Advanced
Mathematical
Software in India
Windows
based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer -
Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice
of 6
Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

'पीलिया' इस बीमारी से तो शायद ही कोई अनभिज्ञ हो, लेकिन शिक्षा के व्यापक प्रसार के बावजूद अभी भी अधिकांश लोग 'हिपेटाइटिस' से अनभिज्ञ हैं। यह बीमारी भी वास्तव में पीलिया जैसी है, लेकिन है इतनी खतरनाक कि रोगी की जान जाने में समय नहीं लगता। आईये जानें क्या है यह?

कहीं 'पीलिया' हिपेटाइटिस तो नहीं

▶▶ डॉ. रामगोपाल तापड़िया, अमरावती

बीमारी हिपेटाइटिस का सामान्य अर्थ है, यकृत (लीवर) में संक्रमण। इसमें विशिष्ट प्रकार के वायरस के कारण यकृत में सूजन आती है। इसके आधार पर हिपेटाइटिस के ए, बी, सी, डी और ई ऐसे चार प्रकार हैं। लक्षणों के आधार पर यह निर्णय लिया जाता है कि कौन सा हिपेटाइटिस है? सामान्यतः पीलिया या पंडूरोग के लक्षण हिपेटाइटिस के लक्षण होते हैं। लेकिन विशेषतः बी वर्ग का हिपेटाइटिस गंभीर होता है। उससे प्राण भी जा सकते हैं। निदान या उपचार में देरी से स्थिति गंभीर हो सकती है। हिपेटाइटिस की बीमारी की इसी भयावहता के कारण वैश्विक आरोग्य परिषद द्वारा 69वीं सभा में 134 देशों की उपस्थिति में 28 जुलाई को प्रतिवर्ष हिपेटाइटिस दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उसी के साथ विश्व के पटल से सन् 2030 को इसके समूल उन्मूलन की घोषणा की गई। विशेषतः हिपेटाइटिस बी और सी पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

इस बीमारी को कैसे पहचानें

सामान्यतः पीलिया और हिपेटाइटिस में भेद करना आसान नहीं होता। पीलिया की बीमारी के लक्षण ही हिपेटाइटिस में दिखते हैं। इसके भी आँख, त्वचा, नख आदि पीले होना, पेशाब गहरी पीले रंग की होना, संडास पीले, सफेद, काले रंग की पतली होना बाह्य लक्षण हैं। इसमें भी जी मचलाना, उलटी होना, भूख नहीं लगना, पेट दुखना, वजन कम होना तथा कमजोरी महसूस होती है। कई बार लक्षण दिखाई नहीं देते किंतु बीमारी के वायरस मौजूद होते हैं। यह स्थिति संक्रमित हो सकती है। वैसे तो योग्य चिकित्सक शरीर के अवयवों का निरीक्षण करके भी प्रथम दृष्टया प्रारंभिक निष्कर्ष पर पहुँच जाते हैं। इसके बावजूद विभिन्न जांचों के साथ पेशाब की जांच करवानी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट है एचबीएसएजी टेस्ट। इस रिपोर्ट के पॉजीटिव आने पर भी तथा लक्षण दिखाई नहीं देने पर भी सूक्ष्मावस्था में रोग के वायरस हो सकते हैं। यही इसका सबसे खतरनाक पक्ष है। एक सर्वे के अनुसार इस बीमारी का हरियाणा, पंजाब, ओडीसा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों में अधिक प्रभाव है। बहुधा इन प्रदेशों में ड्रग्स का इस्तेमाल अधिक होना भी इसका कारण हो सकता है।

क्यों होता है हिपेटाइटिस

यह बीमारी जल व अन्न के साथ खून, क्षार, वीर्य, योनीस्राव आदि कारणों से होती है। मरीज को खून देने व प्रसूति, सर्जरी के समय हिपेटाइटिस की जांच नहीं करने पर यह गंभीर रूप से हो सकती है। यह पीड़ित मास इंजेक्शन की सूई और व्यसनाधीन व्यक्तियों से भी हो सकती है। भारत की बहुसंख्या इस बीमारी और परिणाम से अनभिज्ञ है। जानकारी के अनुसार हिपेटाइटिस की बीमारी से देश की 2 प्रतिशत जनसंख्या प्रभावित है, लगभग 4 से 5 लाख लोग इस कारण काल के गाल में प्रतिवर्ष समा जाते हैं। एड्स भी हिपेटाइटिस के मरीज और मरने वालों की संख्या से बहुत पीछे है। हिपेटाइटिस होने पर यकृत का कैंसर होने की आशंका अधिक होती है। उस कैंसर के कारण रोगी के बचने की संभावना समाप्त हो जाती है। अतः हिपेटाइटिस के निदान और उपचार में अधिक गंभीरता से तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

क्या बरतें सावधानी

दूषित जल, अन्न, सड़े-गले फल, बहुत दिनों की आईसक्रीम आदि नहीं खाना चाहिए। विशेषतः बारिश के मौसम में अधिक सावधानी बरतें। जांच के लिए खून लेते समय नई सूई का उपयोग ही करें। ऑपरेशन की सामग्री स्टरलाइज हो। तंबाकू, गुटखा, गांजा, शराब जैसे व्यसनों से भी रोग का संक्रमण होता है। शारीरिक संबंध तथा गर्भवती महिला को प्रथम हिपेटाइटिस की जांच करवाना बेहतर होता है। हिपेटाइटिस घातक बीमारी है। इसका इलाज नहीं होता, केवल ऑपरेशन कराना पड़ेगा, ऐसी धारणा बनी हुई है। वास्तव में अन्य रोगों की तरह इसका भी इलाज है। शर्त यही है, बीमारी का अंतिम श्रेणी में पहुँचने से पूर्व निदान होना चाहिए। मेरा अनुभव एवं विश्वास है कि यह बीमारी भी होम्योपैथी दवा द्वारा मिटाई जा सकती है। दूसरी शर्त है जैसे ही हिपेटाइटिस की शंका या निदान हो जाए तो उपचार के लिए इधर-उधर न जाकर किसी समर्पित होम्योपैथी से सलाह लें। वास्तव में देखा जाए तो आज आवश्यकता इस बात की है कि हम पीलिया समझकर इस बीमारी को अनदेखा न करें और सही जाँच अवश्य करवाएँ।

(लेखक एमडी (होम्यो) होने के साथ होम्योपैथी कॉलेज के प्राचार्य हैं।)

नीचस्थ गुरु और लाल किताब के उपाय

जन्म कुंडली में गुरु के 10वीं राशि मकर में स्थित होने पर वह नीच का होता है। भृगु संहिता के अनुसार नीच गुरु के प्रत्येक भाव में फल अलग-अलग होते हैं। नीच गुरु अशुभ फल प्रदान नहीं करे, इसके लिए लाल किताब के अनुसार उस भाव से संबंधित उपाय करने से लाभ मिलता है।

▸▸डॉ. महेश शर्मा, जयपुर

▸▸**प्रथम भाव-** लग्न में नीच का गुरु शरीर में दुर्बलता, भाई-बहन के सुख में कमी, पराक्रम में कमी, धनाभाव तथा बाहरी व्यक्तियों से असंतोष पैदा कराएगा। विद्या-बुद्धि में त्रुटिपुर्ण सफलता मिलेगी। स्त्री सुख तथा व्यवसाय में सफलता मिलेगी परंतु भाग्य तथा धर्म की उन्नति में घट-बढ़रह सकती है।

लाल किताब के उपाय-गाय तथा अछूतों की सेवा करें।

▸▸**द्वितीय भाव-** द्वितीय भाव में नीच गुरु धन हानि करेगा तथा वाणी पर संयम नहीं होने के कारण कुटुम्बजनों से मतभेद कराएगा। शारीरिक सुख व स्वास्थ्य में कमी करेगा। माता एवं भूमि पक्ष कमजोर रहेगा परंतु शत्रुपक्ष पर प्रभाव रहेगा। झगड़ों के मामलों में बुद्धिमानी से काम निकाल लेंगे। पिता, राज्य व व्यवसाय के पक्ष से सुख, सम्मान, सहयोग तथा लाभ की प्राप्त संभव है। ऐसा व्यक्ति उन्नतिशील तथा यशस्वी होता है।

उपाय- संस्थाओं को दान दें। घर के बाहर सड़क पर गड्ढा हो तो भरवाएं। यदि कुंडली में शनि दवें भाव में हो तो सांपों को दूध पिलाएं।

▸▸**तृतीय भाव-** तृतीय भाव में नीचगत गुरु के प्रभाव से भाई बहिन से परेशानी तथा पराक्रम में कमजोरी रहेगी। विद्या, धन एवं कुटुम्ब सुख में कमी तथा स्त्री से मनमुटाव के संकेत हैं। व्यापार में परेशानी होगी, परंतु भाग्योन्नति तथा धर्मपालन में रुचि बढ़ेगी। आमदनी बढ़ेगी। ऐसा व्यक्ति सुखी तथा धनी होता है।

उपाय- मां दुर्गा की पूजा करें, कन्याओं को भोजन कराएं व दक्षिणा दें।

▸▸**चतुर्थ भाव-**इस भाव में स्थित नीच का गुरु भूमि, मकान तथा मातृसुख में कमी करेगा। भाई-बहिनों से असंतोष होगा एवं शत्रु पक्ष से परेशानी बढ़ेगी। परंतु पुरातत्व तथा आयु की शक्ति में वृद्धि होगी। राज्य, पिता एवं व्यवसाय द्वारा सुख एवं सफलता की प्राप्ति तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खर्च बढ़ेगा। बाहरी व्यक्तियों के संबंधों से सफलता मिलेगी।

उपाय-घर में मंदिर नहीं बनवाएं। बड़ों का आदर करें। सर्प को दूध पिलाएं।

▸▸**पंचम भाव-**यहां पर स्थित नीचगत गुरु संतान पक्ष से कष्ट का अनुभव तथा बुद्धि के क्षेत्र में त्रुटि देगा। स्त्री तथा माता के पक्ष से कमजोरी रहेगी। भाग्य एवं धर्म की वृद्धि होगी। अपनी दिमागी शक्ति से आय तथा लाभ में वृद्धि होगी, परंतु मानसिक तनाव बढ़ेगा। शारीरिक शक्ति एवं मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

उपाय-किसी से उपहार नहीं लें। साधु तथा पुजारी की सेवा करें।

▸▸**छटा भाव-**इस भाव में स्थित नीच गुरु के कारण शत्रु पक्ष से परेशानी हो सकती है। संतान तथा विद्या-बुद्धि के क्षेत्र में कमजोरी रहेगी। पुरातत्व में हानि तथा दैनिक जीवन के सुख में कमी रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय में सफलता मिलेगी। पिता से मतभेद बढ़ेगा। व्यय बढ़ेगा, परंतु बाहरी व्यक्तियों के सहयोग से शांति मिलेगी। धन में वृद्धि तथा कुटुम्ब से सहयोग के योग बनेंगे।

उपाय-गुरु से संबंधित वस्तुओं का दान करें। मुर्गी को दाना डालें।

▸▸**सातवां भाव-**सप्तम भावगत नीच गुरु के प्रभाव से व्यवसाय तथा स्त्री पक्ष से कष्ट रहेगा। शत्रुओं द्वारा व्यवसाय में हानि हो सकती है। परिश्रम द्वारा लाभ तथा पराक्रम में वृद्धि से सफलता मिलेगी।

उपाय-शिवजी की पूजा करें। पीले कपड़े में सोने का टुकडा बांधकर अपने साथ रखें। पीले वस्त्रधारी साधु या फकीर से दूर रहें।

▸▸**आठवां भाव-** अष्टम भाव में नीचगत गुरु के प्रभाव से आयु तथा पुरातत्व संबंधी कठिनाइयां हो सकती हैं। स्त्री, पिता तथा व्यवसाय के पक्ष में कष्ट का अनुभव होगा। उदर तथा मूत्र विकार का सामना करना पड़ सकता है। खर्च में वृद्धि होगी। मकान, भूमि, वाहन का सुख मिलने की संभावना बढ़ेगी।

उपाय-बहते पानी में नारियल डालें। श्मशान में पीपल लगाएं। मंदिर में घी, आलू तथा कपूर का दान करें।

▸▸**नवां भाव-** इस भाव में नीचगत गुरु के कारण भाग्य में कमजोरी, धर्म पालन में त्रुटि तथा आमदनी की कमी से दुःख का अनुभव होगा। शारीरिक सौंदर्य में कमी आ सकती है। परिश्रम द्वारा स्वयं के प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान से कष्ट तथा विद्या, उन्नति, प्रतिष्ठा एवं ऐश्वर्य में कमी महसूस हो सकती है, परंतु पराक्रम तथा भाई बहिनों के सुख में वृद्धि होगी।

उपाय- रोज मंदिर जाएं, शराब का सेवन न करें। बहते पानी में चावल बहाएं।

▸▸**दशम भाव-** इसमें नीच का गुरु हो तो पिता तथा राज्य पक्ष से हानि की संभावना बन सकती है। भाग्योन्नति में रुकावट, कुटुंबजन से कष्ट तथा धन का अल्प लाभ मिलेगा। माता, मकान तथा वाहन सुख मिलेगा। शत्रुओं पर भाग्य की शक्ति द्वारा विजय मिलेगी।

उपाय- बहते पानी में तांबे का सिक्का डालें। धार्मिक स्थलों में बादाम का दान करें। केसर तथा पीले चंदन का तिलक लगाएं। घर में मूर्ति के साथ मंदिर नहीं बनाएं।

▸▸**ग्यारहवां भाव-** इसमें नीच गुरु के फलस्वरूप आमदनी में कमी तथा भाग्योन्नति में रुकावट के योग बनेंगे, परंतु पराक्रम तथा भाई-बहिनों के सुख में वृद्धि होगी। संतान पक्ष की उन्नति, विद्या-बुद्धि में लाभ, सुंदर स्त्री तथा सुख सहयोग की प्राप्ति होगी। व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

उपाय- सोने की चेन गले में धारण करें। तांबे का कड़ा हाथ में पहनें। पीपल को पानी से सींचें।

▸▸**बारहवां भाव-** यहां पर मकर राशि में स्थित नीच का गुरु खर्च बढ़ाएगा, बाहरी व्यक्तियों से संबंध बनाने में परेशानी पैदा करेगा, संचित धन का अभाव तथा कुटुंबजनों से असंतोष कराएगा। माता, भूमि तथा मकान सुख में त्रुटिपूर्ण सफलता मिलेगी। झगड़ों व विवादों में परेशानियां के साथ सफलता मिलेगी। आयु तथा पुरातत्व शक्ति की वृद्धि होगी। जीवन अमीरी ढंग से व्यतीत होगा।

उपाय- झूठी गवाही नहीं दें। पीपल में पानी दें। संतपुरुषों की सेवा करें। रात्रि में सोते समय सौंफ व पानी पलंग के नीचे सिराहने की तरफ रखें।

यह रखें सावधानियां

उपाय दिन में करें। रात्रि में किए गए उपाय निष्फल हो सकते हैं। एक दिन में केवल एक ही उपाय करें।

आपका रक्त संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहिन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि भी आपके लिए उपाय कर सकते हैं।

मांस-मदिरा का सेवन न करें, झूठ नहीं बोलें, झूठी गवाही न दें। जूठन न खाएं न खिलाएं, नीयत में खोट नहीं रखें। पर स्त्री-पुरुष से संबंध नहीं बनाएं। लाल किताब में बताए इन परहेजों का विशेष ध्यान रखें।

लाल किताब का हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है। घर में कोई सूतक (जन्म) या पातक (मरण) हो जाए, तो ऐसी परिस्थिति में 40 दिन तक उपाय नहीं करने चाहिए।

पारिवारिक रीति-रिवाजों को नहीं तोड़ें। कुल परंपरानुसार संस्कार पूरे करें।

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये सुखदायक रहेगा। माता-पिता का सान्निध्य प्राप्त होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। संतान से संबंधित कार्य पूर्ण होंगे। घर में मांगलिक कार्य तीर्थ यात्रा, धार्मिक कार्य तथा चिकित्सा पर खर्च होगा। आय के स्त्रोत में वृद्धि होगी। लॉटरी एवं तेजी-मंदी से संबंधित कार्यों में सावधानी रखना होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मकान सुख, वाहन सुख में वृद्धि के योग रहेंगे।

वृषभ- यह माह आपके लिये आरामदायक रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। विद्यार्थियों को अपने परिश्रम का अच्छा परिणाम प्राप्त होगा। अच्छे पुरातत्व ज्ञान की बातें धार्मिक ग्रंथ पढ़ने के अवसर मिलेंगे। आर्थिक सम्पन्नता में वृद्धि होगी। महिलाओं के लिये यह माह मौज-मस्ती एवं नवीन कार्य व्यवसाय की प्राप्ति दायक रहेगा। विवाह संबंध तय होगा। प्रेम प्रसंग उभरेगा। लंबी यात्रा होगी। पुराने रोग से मुक्ति प्राप्त होगी। विरोधी परास्त होंगे। परिवार का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन- इस माह आपके लिये भाग्योदय नौकरी में प्रमोशन मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। विरोधी परास्त होंगे। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। आय के नीवन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। आध्यात्मिक उन्नति की ओर ध्यान देंगे। समाज में मान-सम्मन की प्राप्ति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति, संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। सम्पत्ति से संबंधित रुके कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क- यह माह आपके लिये विरोधियों पर विजय प्राप्त करने के लिये श्रेष्ठ रहेगा। लंबी एवं धार्मिक यात्रा होगी तथा व्यय की अधिकता बनी रहेगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति, नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि, अनैतिक कार्यों से धन लाभ, माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा। नवीन शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मानसिक तनाव से बचे ध्यैय रख कर निर्णय लेंगे, तो सफलता सुनिश्चित मिलेगी।

सिंह- यह माह आपके लिये पुरानी परेशानी से मुक्ति दिलाऐगा। कार्य की अधिकता से तनाव बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी एवं उसी अनुपात में व्यय भी बढ़ेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में मानसिक तनाव बढ़ेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता एवं धार्मिक कार्यो। में खर्च करेंगे, किंतु संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण निर्मित होगा। धार्मिक यात्रा एवं शुभ व मंगल कार्यों में भाग लेंगे। सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा।

कन्या- यह माह आपके लिये स्वास्थ्य की दृष्टि से अनुकूल रहेगा। भाई-बहनों से मिलाप तथा हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। संतान एवं जीवन साथी से वैचारिक मतांतर रहेंगे। अनैतिक कार्यों से दूरियां बनाना लाभकारी होगा। विरोधी परास्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नित नये व्यंजनों का लुफ्त उठाएंगे। पाचन तंत्र से कष्ट के योग भी रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अचानक भाग्योदय होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

तुला- यह माह आपको आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा। व्यापार-व्यवसाय उत्तम, नवीन कार्य व्यवसाय प्रारंभ होंगे। नौकरी मिलेगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पुरानी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दूर होगी। भाग्य के भरोसे न बैठे परिवारजनों से वैचारिक मतांतर होंगे। लंबी यात्रा एवं खर्च के योग रहेंगे। परिश्रम के उपरांत धन प्राप्ति के योग रहेंगे। विद्यार्थियों के लिये अच्छा समय, प्रेम-प्रसंग बनेंगे। विवाह संबंध होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। स्थान परिवर्तन के योग प्रबल रहेंगे। माह का पूर्वार्द्ध आनंदमय रहेगा, किंतु उत्तरार्द्ध में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। शुभ एवं मांगलिक कार्य में सफलता मिलेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता, शत्रु सक्रिय रहेंगे। शिक्षा में सुधार, राजकीय पक्ष की प्रतिकूलता रहेगी। सम्पत्ति से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवारजनों से स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा।

धनु- यह माह आपको परेशानी से युक्त तो रहेगा किंतु ध्यैय और सुझबुझ से काम लेने पर सफलता मिल जायेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी यात्रा में कष्ट एवं धनहानि के योग बनते हैं किंतु आय में वृद्धि होगी। कुछ कार्यों में सफलता भी मिल जायेगी। विरोधी परास्त होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। संतान के कार्यों में सफलता, विवाह संबंध तय होगा। शुभ एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता मिलेगी। शुभ समाचार मिलेंगे।

मकर- यह माह आपको कुछ परेशानी के साथ सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। स्वास्थ्य एवं शत्रु से कष्ट रहेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आय एवं व्यापार-व्यवसाय में उत्साह बढ़ेगा। अपने ज्ञान एवं सुझबुझ से सफलता मिलेगी। पारिवारिक स्थिति, कृषि आय, भूमि-भवन से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। धार्मिक यात्रा के योग संतान प्राप्ति के योग मित्रों से सहयोग मिलेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। पुराने विवाह में सुलह की संभावना बढ़ेगी।

कुंभ- यह माह आपके लिये मौज-मस्ती, आनंददायक रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि किसी विशिष्ट व्यक्ति से भेंट एवं उनके सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में पद एवं प्रतिष्ठा नवीन नौकरी के योग रहेंगे। नित नये-नये कार्यक्रमों में भाग लेने एवं सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। माता-पिता एवं बड़ों का स्नेह आशीर्वाद मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। प्रेम-प्रसंग, विवाह संबंध, संतान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगा। विद्यार्थियों को अपने परिश्रम का श्रेष्ठ फल प्राप्त होगा।

मीन- यह माह आपके लिये उत्साहदायक रहेगा। नई जिम्मेदारियों को युक्तियुक्त तरीके से कर सफलता अर्जित करेंगे। व्यवसाय एवं नौकरी में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ेगा। संतान से संबंधित कार्य जैसे शिक्षा, विवाह संबंध, संतान प्राप्ति के कार्यों में सफलता से हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। धार्मिक यात्रा के योग, शुभ एवं मांगलिक कार्यों में खर्च, भोजन दान, भौतिक सुख-सुविधा, दिखावे पर खर्च करना होगा। विरोधी परास्त होंगे।

एक समय था जब समाज घूंघट प्रथा व विधवा उत्पीड़न जैसी कई समस्याओं से ग्रस्त था। जब इनके खिलाफ समाज में पुरजोर आवाज उठी तो इन आवाज उठाने वालों की अग्रिम पंक्ति में शामिल थे श्री शिवकिशन मूंधड़ा। कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले श्री मूंधड़ा का गत 3 मार्च को देहावसान हो गया।

नहीं रहे कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने वाले श्री शिवकिशन मूंधड़ा

SMT टीम

श्री शिवकिशन मूंधड़ा का जन्म देशनोक बीकानेर राजस्थान में 6 दिसंबर 1927 को स्वर्गीय श्री मूलचंद मूंदड़ा के यहां हुआ, जो स्कूल वाले मूंधड़ा के नाम से प्रसिद्ध थे। महासभा की माहेश्वरी पत्रिका में धाराविक लेख मस्तराम के लेखक थे और घूंघट प्रथा के विरोध करते हुवे उन्होंने घर से पहल करने का निश्चय कर मीठा खाने का त्याग किया और सफल हुए। विधवा विवाह के पक्ष में और घूंघट प्रथा के विरोध में उन्होंने ईश्वरीप्रसाद जलान के नेतृत्व में कार्य किया। जूट व्यवसाय से जुड़े हुए शिवकिशन जी की कर्मभूमि खुलना बांग्लादेश (पूर्व पाकिस्तान) रही। वे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सन 1958 में पूर्व पाकिस्तान से कार्यकारिणी मंडल सदस्य रहे तथा खुलना चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कोषाध्यक्ष व संस्थापक अध्यक्ष रहे। सन 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हावड़ा पश्चिम बंगाल में आकर बस गए एवं हावड़ा में माहेश्वरी सभा के संस्थापक बने। 1976 से 1996 तक महासभा के कार्यकारिणी मंडल सदस्य रहे। आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष एवं महासभा की पूर्व केंद्रीय कार्यालय मंत्री शोभा सादानी व बांग्लादेश के समाज प्रतिनिधि गोपीकिशन मूंधड़ा के पिताजी थे। आप कलकत्ता प्रदेश से राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति सदस्य वर्षा मूंधड़ा के ससुर व छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के बिजनेस डेवलपमेंट डायरेक्टर एवं छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के युवा प्रदेश मंत्री नीलेश मूंधड़ा के दादाजी थे। आपके पुत्र गोपी किशन जी वर्तमान में बांग्लादेश के एकमात्र हिन्दीभाषी चेम्बर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष है।

कई संस्थाओं को योगदान

आप सत्यनारायण विद्यालय खुलना के मंत्री, बांग्लादेश के प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर के ट्रस्टी, शिवपुर चिल्ड्रन नुक्स के प्रेसिडेंट रहे, ऋषिकेश प्रवास के दौरान सर्वप्रथम माहेश्वरी समाज का जातीय पर्व महेश नवमी का आयोजन स्वामी रामसुखदास महाराज के सान्निध्य में किया, जो अनवरत चलता आ रहा है। आप कोलकाता के उर्जिता प्रोग्राम के समापन समारोह के अतिथि थे और उन्होंनें अपने उद्बोधन में यह कहा था कि केवल शोभा ही नहीं पूरे भारत से पधारी आप सभी मेरी बेटियां हों। कोलकाता प्रसिद्ध मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, भारत रिलीफ सोसायटी अंतरा, रामदेव बाबा भक्त मंडल, देशनोक नागरिक समिति आदि कई धार्मिक सामाजिक एवं सेवा संस्थानों से जुड़े रहे। समाज के अनुकरणीय कर्म उठाते हुए उनके निधन पर उनके आदर्शों का पालन करते हुए मूंधड़ा परिवार ने समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

अंतिम संस्कार भी बना मिसाल

जिस तरह श्री मूंधड़ा का संपूर्ण जीवन समाज सुधार की मिसाल रहा वैसा ही कार्य वे जीवन के अंतिम क्षण में भी कर गए। अपने परिवार के सहयोग से मूंधड़ा परिवार ने कोलकाता में नई मिसाल कायम की। बड़े पुत्र के ना होने पर बड़ी बहू, वर्षा मूंधड़ा (कार्यसमिति सदस्य) से ससुर की अर्थी को कंधा दिलवाया। पोते की कमी महसूस करने के बजाए प्रपौत्री से कंधा दिलवाया। एकमात्र पुत्री शोभा सादानी ने भाइयों के साथ मिलकर बाबूजी को मुखाग्नि दी। बड़े भाई गोपीकिशन, शरदकुमार, किशोरकुमार ने ये निर्णय बाबूजी द्वारा पुत्री की परवरिश को देखते हुए लिया। उन्होंने बेटे और बेटी को समान माना और एक सी परवरिश दी। वो कहते थे गांधीजी के चार बेटे थे लेकिन नेहरूजी की एक बेटी ने ही कमाल कर विश्व में पहचान बनाई। उन्हें अपनी बेटी पर उतना ही गर्व था जितना कि अपने बेटों पर। बेटी के प्रति इस भावना के कारण मूंधड़ा परिवार ने ये ऐतिहासिक निर्णय लिया। बहू और बेटी के प्रति ये सम्मान समाज में मिसाल और अनुकरणीय होगा।

श्रीमती संतोषदेवी लड्ढा

आगूचा. समाज सदस्य मदनलाल लढा की धर्मपत्नी व गोविंदराम, दामोदर प्रसाद, केदारमल, प्रहलाद राय, महावीरप्रसाद, रमेशचंद्र, बाबूलाल लढा की काकीजी श्रीमती संतोषदेवी लड्ढा का 70 वर्ष की उम्र में गत 20 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अत्यंत सरल स्वभाव की महिला थीं।

श्रीमती प्रमिला गट्टानी

अहमदाबाद. समाजसेवी एवं श्री दिग्विजय सीमेंट के भूतपूर्व एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रामकृष्ण गट्टानी (मूल निवासी साम्भर, राजस्थान) की धर्मपत्नी एवं अ.भा.मा.म. के मध्यांचल सहमंत्री शरद गट्टानी, अहमदाबाद की माता प्रमिला गट्टानी गत 12 मार्च को वैकुंठलोक सिधार गई हैं। आप अपने पीछे एक भरापूरा परिवार छोड़ कर गई हैं।

श्रीमती शांतादेवी परतानी

उदयपुर. समाजसेवी श्री अंबालाल परतानी की धर्मपत्नी एवं डॉ. भूपेश परतानी, तरुण व मुकुल की माता श्रीमती शांतादेवी परतानी का निधन गत 7 मार्च को हो गया। स्व. श्रीमती परतानी एक आदर्श, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वभाव की व्यावहारिक गृहिणी थीं।

श्रीमती नर्मदादेवी भट्टड़

आर्वी. नवभारत परिवार के सदस्य सूर्यप्रकाश भट्टड़ तथा नेरीगांव के सरपंच अशोक भट्टड़ की मां नर्मदादेवी मदनलाल भट्टड़ का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती नरसिंगदास गिलड़ा

पथरोट (अमरावती). समाज सदस्य तथा भूतपूर्व सरपंच श्री नरसिंगदास गिलड़ा का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आप जयसिंग शिक्षण संस्था के भूतपूर्व संचालक, पिक संरक्षण समिति के अध्यक्ष के साथ भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे। आप अपने पीछे चार पुत्र-पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री ब्रिजमोहन जाजू

वरंगल. समाजसेवी श्री ब्रिजमोहन जाजू (सुपुत्र स्व. श्रीनिवास जाजू) का स्वर्गवास हो गया। माहेश्वरी समाज व प्रगतिशील मारवाड़ी समाज, वरंगल ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री रामंचद्र गुप्ता

मेरठ. वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामचंद्र मूना का विगत 15 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। श्री मूना मेरठ के माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष व मंत्री रहे थे।

श्रीमती रुक्मणदेवी नोलखा

भीलवाड़ा. समाज सदस्य श्यामसुंदर, सत्यनारायण नोलखा की माता श्रीमती रुकमणदेवी नोलखा का 82 वर्ष की उम्र में गत 16 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। आप धार्मिक व मिलनसार महिला थीं।

श्रीमती तुलसीबाई सोमानी

बोलारम (तेलंगाना). आदिलाबाद जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष मूलचंद चितलांगी की बहन श्रीमती तुलसीबाई धर्मपत्नी श्री कमलकिशोर सोमानी (चिन्नूर) का गतदिनों देहावसान हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

वृक्ष कभी इस बात पर व्यथित नहीं होता कि उसने कितने पुष्प खो दिए वह सदैव नए फूलों के सृजन में व्यस्त रहता है जीवन में कितना कुछ खो गया, इस पीड़ा को भूल कर, क्या नया कर सकते हैं, इसी में जीवन की सार्थकता है..

आप स्थानीय/प्रदेश या राष्ट्रीय संगठन की कार्यप्रणाली से

कितने संतुष्ट हैं?

यदि आप देना चाहते है सुझाव या रखना चाहते है अपनी बात

तो आपकी अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

बनेगी आपका माध्यम

उठाईये कलम और लिख भेजिये हमें

अपने हस्ताक्षर, फोटो व मोबाईल नम्बर के साथ

हम प्रकाशित करेंगे स्तम्भ

'आपकी आवाज'

के माध्यम से जो पहुँचेगी उन तक जो है जिम्मेदार

इस स्तम्भ के अन्तर्गत प्रकाशित पत्रों के लिये सिर्फ पत्र प्रेषक ही जिम्मेदार होंगे।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

90, विद्या नगर, सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) दूरभाष – 0734-2526561, 2526761

मोबाइल : 094250-91161 smt4news@gmail.com

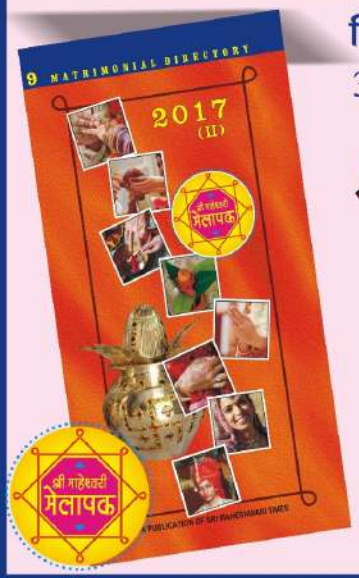

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

3000 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात अब

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक–युवतियों की

विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री 2018

प्रकाशन की ओर

जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते

प्रोफेशनल व हाईटेक युवक–युवतियों की

पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010

Ph. : 0734-2526561, 2526761, Mob. : 094250-91161

E-Mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

सोत्साहलङ्घितमहार्णवपौरुषश्रीर्लङ्कापुरीप्रदहनप्रथितप्रभावः
घोराहवप्रमथितारिचमूप्रवीरः प्राभञ्जनिर्जयति मर्कटसार्वभौमः।।

उन वानरराज चक्रवर्ती की जय हो, जो महासिन्धुको लांघ गए, जिनकी पुरुषार्थ लक्ष्मी देदीप्यमान है, लंकानगरीके दहन से जिनकी प्रभाव-प्रभा दिग्गिन्तव्याप्त है और जो घोर राम-रावण-युद्ध में शत्रु-सेना का मथन करनेमें महान् वीर तथा प्रभञ्जन-पवन को आनंद देने वाले-पवनकुमार हैं।।२।।

श्री पवनपुत्र वीर हनुमान के प्रकटोत्सव
के पावन अवसर पर सभी समाजबन्धुओं को
हार्दिक मंगलकामनाएं

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति
अखिल भारतवर्षीय महासभा

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 APRIL 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com